YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-145 ❒ गुरुवार, 25 जून 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

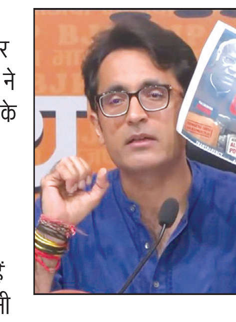

श्री खरगे और उनके पुत्र ने इस ट्रस्ट के ज़रिए अलग-अलग ज़मीनें हथियाई हैं और अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करके गरीबों की ज़मीन पर कब्ज़ा किया है। प्रदीप भंडारी

लोकतंत्र में पद सेवा का माध्यम, विशेषाधिकार का नहीं : उपराष्ट्रपति 11

शिवसेना उद्धव गुट के नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले 12

संक्षेप

भारत, ब्रिटेन इस सप्ताह लंदन में करार पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री इस सप्ताह लंदन में 'व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इस समझौते को 15 जुलाई से लागू करने का प्रस्ताव है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इन मुद्दों पर बातचीत के लिए लंदन जाएंगे। वह 25-27 जून तक लंदन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, गोयल ब्रिटेन के व्यापार और उद्योग मंत्री पीटर काइल के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठक करेंगे, वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'द्विपक्षीय चर्चाओं में नियामकीय रूपरेखा को एक-दूसरे के अनुकूल बनाने, सीमा-पार तालमेल को बेहतर बनाने और सीईटीए और डीसीसी (दोहरा अंशदान समझौता) को आसानी से लागू करने के लिए प्रशासनिक व्यवस्था को अंतिम रूप देने पर गौर किया जाएगा।

भीम पेमेंट्स ऐप से लेनदेन 11 माह में तीन गुना

हैदराबाद। ऑनलाइन भुगतान मंच भीम पेमेंट्स ऐप के जरिये लेनदेन की मात्रा जून 2025 से मई 2026 के बीच तीन गुना से अधिक हो गई। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड द्वारा विकसित इस ऑनलाइन भुगतान मंच पर मासिक लेनदेन जून 2025 में 7.96 करोड़ से बढ़कर मई 2026 में 24.4 करोड़ हो गया। मई 2026 में इस मंच पर कुल 26,952 करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ललिता नटराज ने कहा कि यह वृद्धि किराना, भोजनालयों और त्वरित वाणिज्य जैसी श्रेणियों में होने वाले लेनदेन से संचालित हो रही है। यह दर्शाता है कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए डिजिटल भुगतान का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है।

सिर्फ कार ही नहीं, फोन को भी ट्रैक कर रहे कैमरे

वॉशिंगटन। सड़क किनारे लगे आधुनिक कैमरे सिर्फ गाड़ियों की नंबर प्लेट ही नहीं, बल्कि कार के अंदर बैठे लोगों के डिवाइस पर भी नजर रख रहे हैं। अमेरिका की डिजिटल मीडिया कंपनी 404 मीडिया के अनुसार, कैमरों में लगा 'सिग्नलट्रेस' सेंसर कार के अंदर मौजूद उपकरणों, जैसे- स्मार्टफोन, एयरपॉड, स्मार्टवॉच और अन्य ब्लूटूथ या वाई-फाई डिवाइस को ट्रैक कर लेता है। यह सिस्टम गाड़ी के टायर में लगे एयर प्रेशर सेंसर और दफ्तर के आईडी कार्ड (वर्क बैज) को जांच सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके पीछे एक एडवांस एल्गोरिदम (कंप्यूटर प्रोग्राम) काम करता है। इसे 'इलेक्ट्रॉनिक फिंगरप्रिंट' कहती है। इसके जरिये पुलिस या जांच एजेंसियां यह पता लगा सकती हैं कि गाड़ी के अंदर कौन-कौन मौजूद है, वे कहां रहते हैं, किस रास्ते से जाते हैं और उनके साथ कौन सफर कर रहा है। चिंता की बात यह है कि इन कैमरों को काम करने के लिए किसी हाईवे या ट्रैफिक सिग्नल की जरूरत नहीं है।

एलडीए की 25 अधिकारियों पर कार्रवाई की संस्तुति

अलीगंज अग्निकांड की जांच में लापरवाही उजागर, सरकार को भेजी गई रिपोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

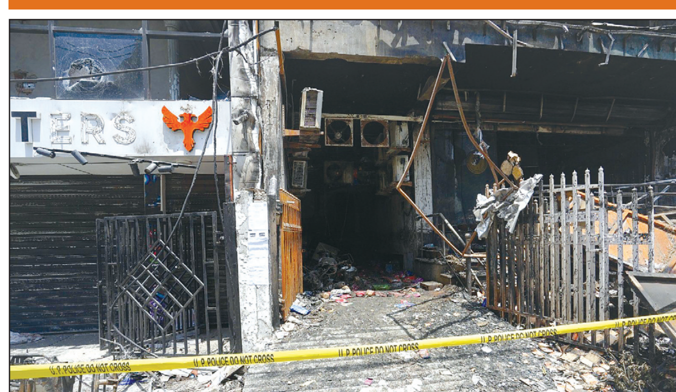

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने यहां अलीगंज इलाके में सोमवार को एक इमारत में आग लगने की घटना में 15 लोगों की मौत के मामले में अपने 25 मौजूदा और पूर्व अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण ने इस मामले में अपने अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए एक आंतरिक जांच समिति बनाई थी।

उन्होंने कहा, ''हमने प्रान्तीय लोकसेवा (पीएएस) के छह वरिष्ठ अधिकारियों और 19 अभियंताओं की पहचान की है। वे संबंधित क्षेत्र में जोनल अधिकारी, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के तौर पर तैनात थे तथा इस मामले में उनकी जिम्मेदारी बनती है। हमने सरकार से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की है। अलीगंज की जिस तीन मंजिला इमारत में सोमवार को भीषण आग लगने से 15 लोगों की मौत हुई उसका नक्शा रिहायशी इस्तेमाल के लिये मंजूर किया गया था लेकिन उसका प्रयोग वाणिज्यिक कार्यों में किया जा रहा था।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की ओर प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में इस बिल्डिंग को अवैध करार दिया गया है। विभाग ने बिल्डिंग की दीवार पर बुधवार को नोटिस चस्पा कर 15 दिन में मालिक से जवाब मांगा है। उचित जवाब न मिलने पर इमारत को गिरा दिया जाएगा। इस संबंध में बुधवार को एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि जिस बिल्डिंग में आग लगी थी वह अवैध थी। 2016 में ही उसे गिराने आदेश हुआ था। बाद में उस आदेश को निरस्त कर दिया गया था। यह बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंडमैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। एलडीए की रिपोर्ट के मुताबिक, अलीगंज योजना के सेक्टर-डी स्थित भवन संख्या एमएस/102/डी मूल रूप से 11 जुलाई 1980 को लॉटरी प्रणाली के तहत विजय कुमार को किराया-क्रय पद्धति पर आवंटित किया गया था। 4 नवंबर 1980 को अनुबंध निष्पादित होने के बाद भवन का कब्जा आवंटी को सौंप दिया गया। 2005 में यह भवन विक्रय विलेख के जरिए विजय कुमार और उनकी पत्नी उषा के नाम दर्ज हुआ। वहीं 19 जनवरी 2013 को इन लोगों ने यह भवन वीरेन्द्र प्रताप शुक्ला और सुरेन्द्र प्रताप शुक्ला को बेच दिया। 7 अगस्त 2014 को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वीरेन्द्र व सुरेन्द्र के पक्ष में नामांतरण की प्रक्रिया पूरी की। करीब 1992 वर्गफीट क्षेत्रफल वाले इस भवन का मानचित्र 20 अगस्त 2014 को स्वतः मानचित्र योजना के तहत आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत किया गया था। हालांकि, बाद में भवन में अनधिकृत निर्माण की बात सामने आई। इसके बाद एलडीए ने वीरेन्द्र प्रताप शुक्ला के खिलाफ मुकदमा संख्या-08/2016 दर्ज कराया। जांच के बाद विहित प्राधिकारी ने 10 मई 2016 को अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर दिया। लेकिन, ध्वस्तीकरण आदेश जारी होने के दो माह के अंदर ही 5 जुलाई 2016 को इस आदेश को निरस्त भी कर दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि 22 जून को इस बिल्डिंग में आग लग गई थी। इस आग की चपेट में बिल्डिंग में बना एक कोचिंग सेंटर आ गया था। इस अग्निकांड हादसे में छात्र-छात्राओं समेत 15 लोगों की जान चली गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया। इसके बाद गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र शुक्ला समेत चार ● शेष पेज 11 पर

सख्ती

❒ एलडीए ने बिल्डिंग में नोटिस चस्पा कर मांगा जवाब

लेसा एक्सईएन के निलंबन का आदेश जारी

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड मामले में आरोपी जानकीपुरम जोन के एक्सईएन (कलेक्शन) गौरव कुमार को विभाग ने आदेश जारी कर निलंबित कर दिया है। निलंबन के बाद रिक्त हुए इस पद पर फिलहाल अभी किसी अन्य अधिकारी की तैनाती नहीं की गई है।

गूगल ने यूपी सरकार के साथ विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी/कैनविज टाइम्स ब्यूरो

बेंगलुरु/लखनऊ। विकसित उत्तर प्रदेश के विजन को वैश्विक टेक्नोलॉजी और निवेश जगत के साथ जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेंगलुरु दौरे के दौरान गूगल क्लाउड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर-सीटीओ) तरुण पंत और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। गूगल इंडिया की ओर से कहा गया कि कंपनी भारत के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के अवसर को लेकर उत्साहित है।

बैठक के दौरान सीटीओ तरुण पंत और गूगल टीम के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड टेक्नोलॉजी, डिजिटल गवर्नेंस और डेटा आधारित समाधानों के माध्यम से विकास कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने गूगल की टीम के साथ इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से सरकारी सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को कैसे बढ़ाया जा सकता है। किसानों, युवाओं, स्टार्टअप्स, एमएसएमई क्षेत्र और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नवाचार आधारित समाधानों पर भी चर्चा हुई। राउंड टेबल बैठकों और रोड शो से पहले आयोजित इस संवाद में मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने, किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने, स्टार्टअप संस्कृति को मजबूत करने तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नई टेक्नोलॉजी से जोड़ने संबंधी राज्य सरकार के विजन को विस्तार से साझा किया। गूगल टीम के प्रतिनिधियों ने बैठक को अत्यंत सकारात्मक और ● शेष पेज 11 पर

❒ गूगल के साथ सीएम योगी का ग्रोथ डायलॉग : एआई, निवेश और नवाचार के सहारे विकसित उत्तर प्रदेश का रोडमैप मुख्यमंत्री ने गूगल क्लाउड के सीटीओ तरुण पंत और उनकी टीम के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

बैठक की प्रमुख चर्चा

किसानों, युवाओं, स्टार्टअप, एमएसएमई और आम नागरिकों के लिए एआई एवं टेक्नोलॉजी आधारित समाधानों पर चर्चा।

वेस्टब्रिज कैपिटल, एक्सेल पार्टनर्स, इनमोबी, एनवीडिया और ब्लैकस्टोन सहित प्रमुख निवेशकों से भी किया संवाद।

उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश को देश का सबसे संभावनाशील निवेश और नवाचार केंद्र बताया

कोलकाता में निर्माणाधीन तीन मंजिला गोदाम गिरा, चार की मौत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम कोलकाता के तारातल्ला में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां निर्माणाधीन तीनमंजिला गोदाम का लोहे के बीमों और कंक्रीट का ढांचा गिर गया। इससे निचले तल पर काम कर रहे दर्जनों मजदूर मलबे में दब गए। राहत-बचाव दलों ने देर शाम तक 21 लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान चार ने दम तोड़ दिया। 17 घायलों की हालत भी नाजुक बनी हुई है। वहीं, मलबे में दबे श्रमिकों की तलाश में अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार, तारातल्ला के ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की लीज पर ली गई जमीन पर इस गोदाम का निर्माण कार्य चल रहा था। दोपहर करीब 12:30 बजे अचानक निर्माणाधीन ढांचे के लोहे के बीम मुड़ने लगे, जिससे पूरा तीनमंजिला ढांचा ताश के पत्तों की तरह ढह गया और भारी बीम, पिलर और कंक्रीट का मलबा भूतल पर काम कर रहे श्रमिकों पर आ गिरा। सूचना पर राहत-बचाव दलों ने अभियान शुरू किया, जिसके बाद देर शाम तक 21 श्रमिकों को मलबे से निकाल लिया गया था। इन्हें सरकारी एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर ले जाया गया, जहां चार की मौत हो गई। 17 का उपचार जारी है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मलबे में अब भी बड़ी संख्या में श्रमिक दबे हो सकते हैं। हालांकि इनकी सही संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी है। राहत-बचाव अभियान जारी है। उधर, हादसे की जानकारी मिलते ● शेष पेज 11 पर

वृद्धि दर इस साल सुस्त रहेगी : एसएंडपी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऊर्जा की कमी, सामान्य से कम मानसून और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को यह अनुमान जताया। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और 2024-25 में 7.1 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ने एक रिपोर्ट में कहा, ''ऊर्जा की कमी, औसत से कम मानसून का अनुमान और वैश्विक वृद्धि में सुस्ती के बीच, हमारा अनुमान है कि मार्च, 2027 में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.7 प्रतिशत थी।''

एसएंडपी का वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत के अनुमान के अनुरूप है। अल नीनो के कारण मानसूनी बारिश प्रभावित हुई है। 22 जून तक बारिश की कमी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है। कम बारिश की स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने राज्यों के लिए योजनाएं बनाई हैं। इसके तहत कम बारिश वाले हालात के हिसाब से वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत आयात करता है और वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से उसका आयात बिल बढ़ा है और कुल मिलाकर महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए ऊर्जा संकट का असर दिख रहा है। उद्योग को कच्चे माल की लागत और आपूर्तिकर्ता के डिलिवरी समय में काफी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, खाद की ऊंची कीमतें खाद्य उत्पादन पर असर डालती हैं और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ाती हैं। बढ़ती महंगाई लोगों की खरीद क्षमता को कम कर रही है। इससे वृद्धि पर असर पड़ रहा है। उर्वरक कीमतों में तेज बढ़ोतरी खाद्य उत्पादन पर असर डाल सकती है और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ा सकती है। भारत में तीसरी तिमाही में उपभोक्ता महंगाई 0.5 से 0.6 प्रतिशत अधिक होगी और चालू वित्त वर्ष में यह बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो जाएगी। इसका कारण विनिर्माता ऊर्जा की बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रहे हैं। साथ ही हाल ही में ● शेष पेज 11 पर

❒ खरीद क्षमता और खाद्य उत्पादन पर प्रभाव

❒ महंगाई लोगों की खरीद क्षमता को कम कर रही

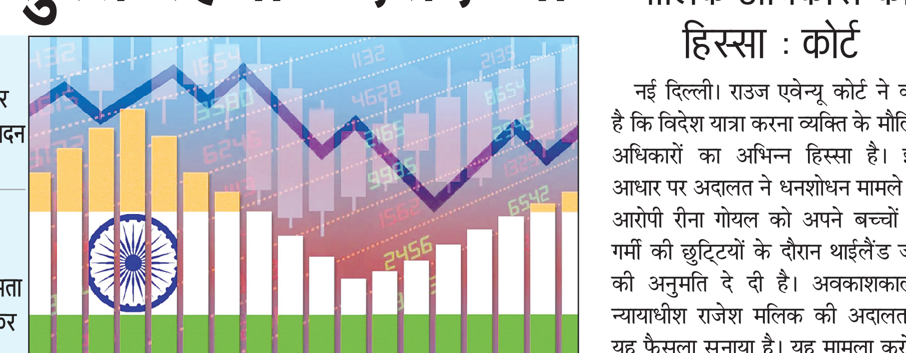

विदेश यात्रा व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हिस्सा : कोर्ट

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा है कि विदेश यात्रा करना व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का अभिन्न हिस्सा है। इसी आधार पर अदालत ने धनशोधन मामले की आरोपी रीना गोयल को अपने बच्चों की गर्मी की छुट्टियों के दौरान थाईलैंड जाने की अनुमति दे दी है। अवकाशकालीन न्यायाधीश राजेश मलिक की अदालत ने यह फैसला सुनाया है। यह मामला करोड़ों रुपये के बैंक लोन घोटाले की जांच से जुड़ा है, जिसमें करोल बाग स्थित राज महल ज्वैलर्स समूह की कंपनी की दुकानों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन निवारण कानून के तहत अटैच किया था। ईडी के मुताबिक, यह संपत्तियां गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक-प्रमोटर गिन्नी देवी और रीना गोयल से संबंधित हैं। रीना को दिसंबर 2025 में जमानत मिली थी, जिसमें यह शर्त रखी गई थी कि वह अदालत की अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जा सकतीं। रीना ने अपने बच्चों की गर्मी की छुट्टियों के चलते 25 जून से दो जुलाई तक थाईलैंड ● शेष पेज 11 पर

पश्चिम बंगाल में 'नहीं रहेंगे मुगल, पठान नाम'

एजेंसी

❒ पश्चिम बंगाल में सड़कों के नाम बदलने के लिए समिति गठित

❒ कार्तिक महाराज की अध्यक्षता में पैनल देगा सुझाव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को राज्य भर में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों का नाम बदलने की सिफारिश करने के लिए एक समिति के गठन का एलान किया। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया कि ''मुगल और पठान शासन'' से जुड़े नामों को कोलकाता के परिदृश्य से धीरे-धीरे हटाया जायेगा।

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा की और बताया कि इस पैनल की अध्यक्षता स्वामी प्रदीप्तानंद उर्फ कार्तिक महाराज करेंगे। मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड करने के हालिया फैसले का बचाव किया और संकेत दिया कि आने वाले महीनों में ऐसे और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। श्री अधिकारी ने सदन में कहा, ''सुहरावर्दी के नाम के लिए कोई जगह नहीं होगी। कोलकाता की किसी भी सड़क पर मुगल या पठान शासकों के नाम नहीं रहने चाहिये।'' यह टिप्पणी तब आयी, जब विपक्ष के नेता ● शेष पेज 11 पर

अमेरिकी सीनेट ने ईरान युद्ध रोकने के प्रस्ताव 50-48 मतों से पारित हुआ

ईरान युद्ध पर ट्रंप को बड़ा झटका

एजेंसी

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध के बावजूद बड़ा कदम उठाते हुए उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसमें मांग की गयी है कि राष्ट्रपति ईरान में युद्ध रोकें या सैन्य कार्रवाई जारी रखने से पहले संसद (कांग्रेस) की मंजूरी लें।

बीबीसी रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भी इस प्रस्ताव को पारित किया जा चुका है। वर्ष 1973 के 'वार पावर्स रिजॉल्यूशन' के लागू होने के बाद अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब संसद के दोनों सदनों ने किसी राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई समाप्त करने का निर्देश देने वाला कोई संयुक्त प्रस्ताव पारित किया है।

गौरतलब है कि यह एक 'समानवर्ती प्रस्ताव' है। इसका मतलब है कि यह केवल संसद की भावना या इच्छा व्यक्त करता है। कानूनी रूप से बाध्यकारी न होने के कारण इसे राष्ट्रपति ट्रंप के पास उनके हस्ताक्षर या विचार के लिए नहीं भेजा जायेगा। मंगलवार को सीनेट में हुए 50-48 के इस ऐतिहासिक मतदान में रैंड पॉल, लिसा मुर्कोव्स्की, सुसान कोलिन्स और बिल कैसिडी जैसे चार रिपब्लिकन सांसद अपनी ही पार्टी के राष्ट्रपति के खिलाफ जाकर डेमोक्रेटों के साथ शामिल हो गये। वहीं, दूसरी तरफ डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर जॉन फ़ेटरमैन अपनी पार्टी के अकेले ऐसे सदस्य रहे जिन्होंने इस प्रस्ताव के विरोध में वोट डाला। ह्वाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, यह प्रस्ताव केवल इसलिए पारित ● शेष पेज 11 पर

निरीक्षण से इनकार किया तो वार्ता रद्द कर दूंगा : ट्रंप

पेंसिल्वेनिया (अमेरिका)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान आईएईए के निरीक्षकों को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने की अनुमति नहीं देता है, तो वह तेहरान के साथ चल रही तकनीकी वार्ताओं को तत्काल रद्द कर देंगे। पेंसिल्वेनिया के लेहाई काउंटी स्थित मैक ट्रक्स संयंत्र के दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को विश्वास है कि ईरान निरीक्षण व्यवस्था पर सहमत हो चुका है। जब उनसे पूछा गया कि आईएईए निरीक्षक कब ईरान पहुंचेंगे, तो उन्होंने कहा कि उचित समय पर। कोई जल्दबाजी नहीं है, लेकिन सही समय आने पर वे वहां मौजूद होंगे। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और तेहरान की स्थिति पहले की तुलना में काफी कमजोर हो चुकी है।

परमाणु स्थल का निरीक्षण अंतिम समझौते के बाद ही होगा : ईरान

टोक्यो। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख की उस टिप्पणी को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने परमाणु स्थल के निरीक्षण की बात कही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे निरीक्षण केवल अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव होंगे। गरीबाबादी ने एक्स पर यह टिप्पणी की। वह जापान में आईएईए के प्रमुख राफ़ेल मारियानो ग्रोसी की ओर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। ईरान के उप विदेश मंत्री ने पोस्ट किया कि ग्रोसी के अनुरोध के बावजूद स्विट्जरलैंड में उनके साथ कोई बैठक नहीं हुई। जिन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया गया था या वहां मौजूद परमाणु सामग्री तक पहुंच देने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि ● शेष पेज 11 पर

ईरान ने अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मोदी को भेजा निमंत्रण

नयी दिल्ली। ईरान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जुलाई के पहले हफ़्ते में होने वाले अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है। सूत्रों के अनुसार श्री मोदी को यह निमंत्रण ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान की ओर से भेजा गया है। सूत्रों ने कहा, ''ईरान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है। हालाकि यहां सरकार की ओर से अभी तक इस निमंत्रण की पुष्टि नहीं की गयी है। ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्म चार जुलाई को शुरू होगी और नौ जुलाई को पूर्वोत्तर ईरान के पवित्र शहर ● शेष पेज 11 पर

लाखों खर्च कर परिवहन स्टैंड बना खंडहर

❒ शिकायत के बावजूद आज तक नही ं शुरू हुआ संचालन

❒ हंडिया की जनता परेशान, सरकारी धन बर्बाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने की लाख कोशिशें हो रही हैं, लेकिन विकास खंड कोरांव के ग्राम हंडिया (गड़ार टोला)में बना परिवहन स्टैंड सरकारी उदासीनता की मिसाल बन गया है। लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए इस स्टैंड का भवन आज जर्जर हो चुका है, मगर आज तक यहां से एक भी बस का संचालन शुरू नहीं हो सका।

ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण के बाद से ही इस भवन की सुध नहीं ली गई। मेंटेनेंस के अभाव में छत टपकने लगी है, दीवारों में दरारें आ गई हैं और फर्श उखड़ चुका है। परिसर में झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। शाम होते ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है।

उम्मीदों पर फिरा पानी

स्थानीय निवासी शिवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरज सिंह ने बताया कि उक्त परिवहन स्टैंड जिस भूमि पर बना है इसके बदले मुआवजा आज तक किसान को नहीं दिया गया और न ही परिवहन विभाग अपने नाम दर्ज कराया इस स्टैंड से क्षेत्र के लोगों को काफी उम्मीदें थीं। सोचा था कि बसें चलेंगी तो रोजगार बढ़ेगा, व्यापार होगा, छात्रों को कॉलेज जाने में सुविधा होगी। लेकिन आज हाल ये है कि यात्रियों को धूप-बारिश में खुले आसमान के नीचे खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लाखों रुपये का निवेश बेकार चला गया। ये सीधे-सीधे सरकारी धन की बर्बादी है। मंसूबों पर पानी फिर गया।

जांच व कार्यवाही की मांग

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज व खंड विकास अधिकारी कोरांव से मांग की है कि मामले की जांच कराकर भवन की मरम्मत कराई जाए और परिवहन विभाग से समन्वय कर स्टैंड का संचालन शीघ्र शुरू कराया जाए। साथ ही निर्माण के बाद लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

डीएम के आदेश पर सक्रिय हुआ प्रशासन, 50 साल पुराना विवाद निपटा, बंद रास्ता खुला

❒ तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने देवघाट में अवैध खन पर मारा छापा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज । जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देश पर राजस्व प्रशासन ने एक साथ कई मामलों में त्वरित कार्यवाही कर ग्रामीणों को बड़ी राहत दी है। एसडीएम कोरांव संदीप तिवारी के निर्देशन में 50 साल पुराना नाली विवाद सुलझाया गया, तो तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने बंद रास्ता खुलवाकर ग्रामीणों की समस्या दूर की।

कोसफरा खुर्द में 50 साल का विवाद खत्म

ग्राम कोसफरा खुर्द में नाली संख्या 165 को लेकर लगभग 50 वर्ष पुराना विवाद चल रहा था। शिकायतकर्ता अरुण कुमार सिंह के प्रार्थना पत्र पर राजस्व टीम मौके पर पहुंची। राजस्व निरीक्षक पाल राघवेन्द्र यादव, लेखपाल जितेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक शिवशंकर यादव, अम्बेश मिश्रा, कृष्ण कुमार की टीम ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की मौजूदगी में विवाद का निपटारा कराया।

संसारपुर पाल बस्ती में खुला बंद रास्ता

दूसरी तरफ ग्राम संसारपुर पाल बस्ती में अस्थाई रूप से बंद किए गए रास्ते की शिकायत मोहम्मद हारून ने की थी। तहसीलदार रोशनी सोलंकी मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों की मौजूदगी में रास्ता खुलवाया। तहसीलदार के इस नेक कार्य के लिए ग्रामीणों ने उनका आभार व्यक्त किया।

देवघाट में अवैध खन पर छापा

अवैध खन-परिवहन की शिकायत मिलने पर तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने देवघाट बालू खन घाटों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर खन करते हुए कोई वाहन नहीं पाया गया। तहसीलदार ने मौरंग माफियाओं को चेतावनी दी कि अवैध खन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

लोगों ने की सराहना

ग्रामीणों ने क्व्र प्रयागराज, ट्क्व्र संदीप तिवारी और तहसीलदार रोशनी सोलंकी की त्वरित कार्यवाही की सराहना की है। लोगों का कहना है कि प्रशासन के सक्रिय होने से आम जनता की समस्याओं का समाधान संभव हो पाता है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण, अजय राय बोले, मामले में लीपापोती का प्रयास कर रही एसआईटी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि सरकार किसी सिटिंग जज से पूरे मामले की जांच कराएगी, तभी असली सच्चाई सामने आएगी। गौरतलब है कि मंगलवार को एसआईटी के चेयरमैन और लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी थी। एसआईटी रिपोर्ट को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अजय राय ने कहा, एसआईटी जांच तो केवल पूरे मामले को भटकाने का प्रयास है। एसआईटी जांच में सच्चाई सामने नहीं आएगी। जब तक पूरे प्रकरण की जांच किसी सिटिंग जज की अध्यक्षता में नहीं होगी तब तक कुछ सामने नहीं आएगा। पूरे मामले पर लीपापोती करने का प्रयास हो रहा है। अजय राय ने राम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितता मामले को लेकर केंद्र और संबंधित संगठनों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने जांच रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक करने की मांग की और कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामले में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट में एक सेवानिवृत्त नौकरशाह नृपेंद्र मिश्रा को चेयरमैन बनाया गया, जो पांच साल तीन महीने तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुख सचिव थे। यानी इस संगठित लूट के जिम्मेदार प्रधानमंत्री मोदी भी हैं। पहले भाजपा और आरएसएस के लोगों ने श्रीरामजन्मभूमि में शिलापूजन के नाम पर खूब पैसे वसूले, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर 14 मई को एसआईटी का गठन किया था और 15 दिन में जांच पूरी करने का समय दिया था। टीम ने अयोध्या में छह दिनों तक राम मंदिर परिसर में जांच की। एसआईटी के चेयरमैन विजय विश्वास पंत ने कहा कि अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को सौंप दी है। जो भी फाइंडिंग थी उसको शामिल किया गया है। अभी इसके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है। विशेष जांच दल में चेयरमैन लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत, आईजी लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की रिपोर्ट करीब 150 पन्नों की है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण शामिल है। टीम ने सिफारिश की है कि मंदिर की व्यवस्था के लिए किसी वरिष्ठ अधिकारी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया जाए।

5 हजार दुकानें-50 होटल रोज आते हैं 1 लाख लोग,अट्टा बाजार में आग लगी तो बचना मुश्किल

नोएडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता । नोएडा का सबसे बड़ा कमर्शियल बाजार अट्टा। सुबह से देर रात तक यहां भीड़ रहती है। कपड़े, जूलरी, मोबाइल, इलेक्ट्रनिक्स, रेस्टोरेंट और होटल... हर तरह का कारोबार यहां है। रोजाना करीब एक लाख लोग इस बाजार में पहुंचते हैं। लेकिन करोड़ों के कारोबार वाले इस बाजार में अगर आग लग जाए तो लोगों का बाहर निकलना और दमकल का अंदर पहुंचना सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। टीम ने अट्टा बाजार की गलियों में पड़ताल की। चार मंजिल तक बनी इमारतों में ऊपर जाने के लिए दुकानों के बीच से संकरे रास्ते बने हैं। कई जगह सीढ़ियों तक पहुंचने का रास्ता एक मीटर से भी कम चौड़ा है। पीछे की तरफ लोहे की सीढ़ियां लगी हैं, जो दो मीटर चौड़ी गलियों में उतरती हैं। ये गलियां इतनी संकरी हैं कि दो लोग एक साथ निकलने में भी मुश्किल महसूस करते हैं। पूरे बाजार में ऐसा कोई चौड़ा रास्ता नजर नहीं आया, जहां से दमकल की बड़ी गाड़ियां आसानी से अंदर पहुंच सकें। नियमानुसार सर्विस रोड की जरूरत है, लेकिन कई हिस्सों में अतिक्रमण और अस्थायी निर्माण के कारण रास्ते सिमट चुके हैं। यदि किसी इमारत में आग लगती है तो राहत और बचाव अभियान बड़ी चुनौती बन सकता है। पड़ताल के दौरान कई ऐसी दुकानें भी दिखाई दीं, जहां गैस रिफिलिंग का काम किया जा रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इन दुकानों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता। बाजार के भीतर ज्वलनशील सामान की भरमार होने के कारण एक छोटी चूक भी बड़े हादसे में बदल सकती है। पूरे बाजार के ऊपर बिजली के तारों का जाल फैला है। दुकानदार बताते हैं कि शर्ट सर्किट की घटनाएं यहां आम हैं। कई बार छोटी आग और धुआं उठने की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। अट्टा बाजार में 50 से ज्यादा होटल और गेस्ट हाउस संचालित हैं। कई इमारतों में नीचे दुकानें और ऊपर होटल बने हुए हैं। पड़ताल में कई इमारतों में फायर एक्सटिंग्विशर और फायर होज पाइप जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं नहीं मिलीं। आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालना आसान नहीं होगा।लखनऊ के अग्निकांड और कई बड़े बाजारों में हुई आग की घटनाओं के बाद भी क्या अट्टा बाजार किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? करोड़ों के कारोबार और लाखों लोगों की आवाजाही वाले इस बाजार में सुरक्षा इंतजामों की हकीकत कई सवाल खड़े करती है।

दो कोचिंग सेंटर सील,फायर एग्जिट डोर न होने पर कार्रवाई, 5 का हुआ निरीक्षण

नोएडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ के अलीगंज में हुए अग्निकांड के बाद गौतमबुद्ध नगर में जिला प्रशासन, फायर विभाग और पुलिस पूरी तरह अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में आज ग्रेटर नोएडा में पांच कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से दो को सील कर दिया गया। आज जिला प्रशासन और फायर विभाग की टीम ने ग्रेटर नोएडा के कमर्शियल बेल्ट में चल रहे कोचिंग सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एक कोचिंग सेंटर में फायर एग्जिट डोर नहीं मिला, जिसके बाद जिला प्रशासन की टीम ने उसके कमरों को सील कर दिया। वहीं, दूसरे कोचिंग सेंटर में भी कई अनियमितताएं पाई गईं। जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशों पर जिले में लगातार अभियान जारी है और यह आगे भी जारी रहेगा। जिन कोचिंग सेंटरों में आग से संबंधित अनियमितताएं मिल रही हैं, उन्हें सील किया जा रहा है ताकि बच्चों की जान सुरक्षित रह सके। उपजिलाधिकारी अभय सिंह ने जानकारी दी कि कमर्शियल बेल्ट की इस बिल्डिंग में कुल पांच कोचिंग सेंटर थे। इनमें से दो कोचिंग सेंटरों को सील किया गया है। इन दोनों सेंटरों में फायर एग्जिट डोर नहीं था और बाहर निकलने का कोई उचित रास्ता भी मौजूद नहीं था। उनके पास अनुमति तो थी, लेकिन बीच में पार्टीशन किया गया था। फायर सेफ्टी उपकरण और अन्य अनियमितताएं पाए जाने के कारण इन सेंटरों को सील कर दिया गया।

हज-उमरा के नाम पर 46 लाख की ठगी,साइबर पुलिस ने बीटेक पास आरोपी को किया गिरफ्तार

नोएडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने हज एवं उमरा के लिए सस्ते पैकेज पर विदेश भेजने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, दो एटीएम कार्ड, बैनर और डाटा डायरी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 23 जून 2026 को इलेक्ट्रनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट से तसलीम साद पुत्र जाकिर हुसैन (35) निवासी ष्णा एन्कलेव, थाना बारादरी, बरेली को गिरफ्तार किया गया।

पीएम आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्मित आवासीय भवनों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

❒ अवशेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा आज रायबरेली विकास प्राधिकरण के माध्यम से बरखापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्मित बहुमंजिला आवासीय भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परिसर व बिल्डिंग का अवलोकन करते हुवे निर्माण गुणवत्ता एवं मूलभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने भवनों के बाहरी एवं आंतरिक हिस्सों का निरीक्षण करते हुए पाया कि कुछ कार्य अभी भी अवशेष हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाहरी एवं आंतरिक जो भी कार्य शेष हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपन्न हों। उन्होंने परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराकर योजना के उद्देश्यों को सफल बनाया जाए। साथ ही, उन्होंने आवासीय परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी सुनिश्चित करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम (शहरी) एवं नगर पालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं परीक्षण के लिये अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

❒ जिलाधिकारी ने बताया कि 01 जुलाई से 04 जुलाई 2026 तक संबंधित विकास खण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 05 वर्ष तक आयु के दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन एवं प्राथमिक परीक्षण कराया जाएगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने जनपद में दिव्यांगता से ग्रसित मूक बधिर, अस्थिबाधित एवं क्लेफ्ट लिप से बच्चों का कॉक्लियर इम्प्लांट एवं करेक्टिव सर्जरी कराये जाने हेतु बच्चों के चिन्हांकन, परीक्षण एवं उपचार की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को नामित करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि 01 जुलाई से 04 जुलाई 2026 तक संबंधित विकास खण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 05 वर्ष तक आयु के दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन एवं प्राथमिक परीक्षण कराया जाएगा। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के माध्यम से 05 वर्ष तक आयु के दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन कराते हुए उन्हें निर्धारित तिथि एवं स्थान पर प्राथमिक जांच हेतु लाने एवं पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्राथमिक जांच के उपरांत पात्र बच्चों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र एवं अंतिम परीक्षण के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, रायबरेली ले जायें।

वहीं मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वे एमओआईसी के माध्यम से चिन्हित बच्चों का प्राथमिक परीक्षण कराएं तथा जिन बच्चों को कॉक्लियर इम्प्लांट, करेक्टिव सर्जरी अथवा क्लेफ्टिलप उपचार की आवश्यकता हो, उन्हें आगे की जांच एवं परीक्षण हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भेजें।

इसके पश्चात 07 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, रायबरेली में मेडिकल बोर्ड द्वारा बच्चों का विस्तृत परीक्षण कराया जाएगा। परीक्षण उपरांत पात्र बच्चों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी करेंगे तथा कॉक्लियर इम्प्लांट एवं करेक्टिव सर्जरी के लिए अंतिम सूची तैयार कर जिलाधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को समस्त विभागों एवं अधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित कर कार्य पूर्ण करायेंगे।

इसके अतिरिक्त 24 जून 2026 को प्रातः 11 बजे विकास भवन सभागार में जनपद के सभी विकास खण्डों की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन संबंधी कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि दिव्यांग बच्चों से संबंधित यह कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्रतियोगिताएं आयोजित

❒ प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अलीगढ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर अनलाइन अंतर-विभागीय पोस्टर निर्माण एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में जेएन मेडिकल कलेज, ड. जियाउद्दीन अहमद डेंटल कलेज, अजमल खां तिब्बिया कलेज तथा भौतिकी, विधि, वाणिज्य, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, शिक्षा, इतिहास एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय हरित अर्थव्यवस्थाः जलवायु परिवर्तन का समाधान रखा गया। इसमें विधि विभाग के मुशाहिद जावेद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वाणिज्य विभाग के मोहम्मद रजा अंसारी एवं अर्थशास्त्र विभाग की गुंजन शर्मा ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया।नवीकरणीय ऊर्जाः हरित भविष्य विषय पर आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में शिक्षा विभाग की कुमकुम लोधी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ड. जेड.ए. डेंटल कलेज के मोहम्मद अली एवं भौतिकी विभाग की मसीरा अहमद संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के मोहम्मद ताहा तथा अजमल खां तिब्बिया कलेज की सुमैया नाज ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. शेहरोज आलम रिजवी, प्रो. एस.एम. जावेद अख्तर, प्रो. मोहम्मद आसिफ एवं प्रो. एम.डी. तारिक ने प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर प्रो. रिजवी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक सोच व्यक्त करने तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत करने के लिए प्रभावी मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से प्राप्त उत्साहजनक सहभागिता की सराहना की। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा 5 जून को वायु-शुद्धिकरण करने वाले पौधों का वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस से संबंधित गतिविधियों के संयोजक प्रो. शेहरोज आलम रिजवी तथा सह-संयोजक एवं प्रतिवेदक ड. शिरीन रईस थीं।

लखनऊ अग्निकांड: ब्रजेश पाठक ने जन्मदिन न मनाने का किया ऐलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ बोले जब घरों के चिराग बुझ गए हों तो उत्सव कैसा

लखनऊ । लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में कई मासूम छात्रों की मौत से पूरे प्रदेश में शोक का माहौल है। इस दर्दनाक हादसे के बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संवेदनशील पहल करते हुए 25 जून को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जब अनेक परिवार अपने बच्चों को खोने के असहनीय दुःख से गुजर रहे हों और कई घरों के चिराग बुझ गए हों, तब व्यक्तिगत उत्सव मनाना उचित नहीं है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपना जन्मदिन दिवंगत बच्चों की स्मृति और शोकाकुल परिवारों के प्रति श्रद्धांजलि व संवेदना को समर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड ने मन को भीतर तक उद्वेलित और व्यथित कर दिया है। इस दुःखद घटना में अनेक मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे प्रदेश को शोक और पीड़ा से भर दिया है। उन्होंने लिखा कि जब कई परिवारों के घरों के चिराग बुझ गए हों, तब अपने जन्मदिन का उत्सव मनाना उचित प्रतीत नहीं होता। इसी गहन संवेदना और शोक के भाव के साथ मैंने निर्णय लिया है कि कल, 25 जून को, मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊँगा।

जेएन मेडीकल कालेज ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को दी गति

अलीगढ़ । नशीले पदार्थों के बढ़ते दुरूपयोग की चुनौती से निपटने के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कलेज के मनोरोग विभाग ने अलीगढ़ शहर तथा विश्वविद्यालय परिसर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत जेएनएमसी के मनोरोग विभाग एवं शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलजी) विभाग समेत अन्य शामिल रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं श्यामा देवी आयु 57 वर्ष, पत्नी स्व. जय प्रकाश निवासी- पुराना गल्ला मंडी चिनहट लखनऊ, यह घोषणा करती हूं कि मेरा पुत्र प्रदीप सैनी उर्फ बबलू सैनी जिसका चाल चलन व व्यहार ठीक नहीं है, जिससे मै और मेरा पूरा परिवार परेशान है। आज से मेरे पुत्र प्रदीप सैनी उर्फ बबलू सैनी से मेरा व मेरे परिवार से कोई रिश्ता नहीं है। उसके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कार्य से मेरा कोई सरोकार नही है।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20401-SLR-F1-BSB-LKO-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20904-SLR-F1-BSB-EKNR-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 10:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20964-SLR-F1-BSB-SBIB-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 10:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20415-SLR-F1-BSB-INDB-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 11:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12237-SLR-F1-BSB-JAT-26-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 11:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	22688-SLR-R1-BSB-MYS-26-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.06.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	02.07.2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.07.2026 at 11:20 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders.	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2179/26

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **15.07.2026 को 15.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सूचना संख्या	00582026 दिनांक 23.06.2026		
निविदा संख्या	18-SrDEN-I-LKO-2026-27		
कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता – मुख्यालय/लखनऊ के अंतर्गत सी.से.इंजी/कार्य/चारबाग/लखनऊ के अनुभाग में उत्तरी रेलवे स्टेडियम चारबाग लखनऊ में विभिन्न खेल सुविधाओं का संवर्धन।		
अनुमानित लागत	Rs.32173810.61	धरोहर राशि	Rs. 643500.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ माह।		
निविदा डालने का प्रारंभ	01.07.2026		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	15.07.2026 15:00 बजे		
वेबसाईट	www.ireps.gov.in		

नोटः- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2171/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अलीगंज अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचीं महापौर , घायलों का जाना हाल और शोक संतप्त परिवारों को दी सांत्वना

❐ पीड़ित परिवारों से मिलकर व्यक्त की संवेदनाएं, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दिवंगतों की आत्मशांति के लिए की प्रार्थना

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ। अलीगंज के पुरनिया (सेक्टर-डी) स्थित कोचिंग सेंटर में हुई हृदयविदारक अग्निकांड घटना के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल बुधवार को पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचीं। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ केजीएमयू में भर्ती घायल युवक का हालचाल जाना तथा चिकित्सकों से उसके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत महापौर ने घटना में जान गंवाने वाले युवाओं के परिजनों से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की, उन्हें सांत्वना दी तथा इस कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

महापौरने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ केजीएमयू पहुंचकर अलीगंज अग्निकांड में घायल हुए ऐशबाग निवासी जयंत कुमार का कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की प्रगति और स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

महापौर ने गुडम्बा मायापुरी पहुंचकर अलीगंज अग्निकांड में दिवंगत हुए स्वर्गीय सागर पंत के शोकाकुल परिजनों से भेंट की। उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ज्ञान विहार कॉलोनी, कमता चिनहट स्थित आवास पर पहुंचकर महापौर जी ने स्वर्गीय ज्योति जी के परिजनों से भेंट की। उन्होंने परिवार की पीड़ा को साझा करते हुए कहा कि एक बेटी का यूं अचानक परिवार से बिछड़ जाना अत्यंत दुखद एवं असहनीय है। महापौर जी ने कहा कि इस कठिन घड़ी में पूरा शहर शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। मार्टिनपुरवा, गौतमपल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी ने स्वर्गीय श्री नीलेश कुमार जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि अलीगंज अग्निकांड में एक होनहार युवा का इस प्रकार असमय चले जाना अत्यंत पीड़ादायक है। यह ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं हो सकती।

आदर्श नगर, आलमबाग पहुंचकर महापौर जी ने अलीगंज अग्निकांड में दिवंगत हुए स्वर्गीय सुखमणी सिंह जी के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के बीच व्याप्त शोक और एक जवान बेटे के बिछड़ने की पीड़ा को महसूस करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। शांति नगर, बाधेखेड़ा, उतरठिया पहुंचकर महापौर जी ने अलीगंज अग्निकांड में दिवंगत हुईं 25 वर्षीय स्वर्गीय अनुक्षा राई जी के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में एक बेटी का यूं असमय चले जाना अत्यंत मर्मांतक है।

सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी और अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान

❐ नगर आयुक्त के निर्देश पर जोन-03 में विशेष प्रवर्तन अभियान, पॉलीथीन, गंदगी फैलाने वालों और अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई, 33,600 का जुर्माना वसूला

कैनविज टाइम्स संवाददात

लखनऊ । नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने तथा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इसी क्रम में जोन-03 के अंतर्गत डालीगंज क्रॉसिंग से नवीन गल्ला मंडी, सीतापुर रोड तक व्यापक प्रवर्तन एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चार चालान काटे गए तथा ?2,750 का जुर्माना वसूला गया। वहीं प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के उपयोग पर भी सख्ती बरती गई। निरीक्षण के दौरान पॉलीथीन पाए जाने पर चार चालानों के माध्यम से 4,000 का अर्थदंड वसूला गया। नगर निगम अधिकारियों ने दुकानदारों एवं आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील भी की।

जोन-03 के बाजार क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम ने सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाते हुए आठ चालान जारी किए और कुल ?26,750 का अर्थदंड वसूला। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में अतिक्रमण पाए जाने पर और अधिक कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान बिना लाइसेंस तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानदारों को लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान एक दुकान के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ?100 का स्पॉट फाइन भी लगाया गया। अभियान में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्री पुष्कर सिंह पटेल तथा क्षेत्रीय सुपरवाइजरों की संयुक्त टीम मौजूद रही। नगर निगम ने बताया कि अभियान के दौरान कुल ?33,600 की धनराशि वसूल कर नगर निगम कोष में जमा कराई गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में हाईटेंशन लाइन के खंभे से लटकता मिला युवक का शव

❐ मौक पर पहुंची पुलिस ने शुरू की जांच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के मनोहरापुर में बुधवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में स्थित हाईटेंशन लाइन के खंभे से लटकता मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार मनोहरापुर निवासी 20 वर्षीय अंकुश पुत्र स्वर्गीय लालता प्रसाद का शव बुधवार सुबह करीब छह बजे खेत में लगे हाईटेंशन लाइन के खंभे से फंदे के सहारे लटकता मिला। शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर सिसेंडी चौकी प्रभारी अनूप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन किया। पुलिस मृतक के परिजनों एवं अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है, हालांकि अभी तक कोई महत्वपूर्ण जानकारी सामने नहीं आ सकी है।मोहनलालगंज कोतवाल बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहनता एवं निष्पक्षता से जांच की जा रही है। परिवारजनों से भी पूछताछ की जा रही है, फिलहाल कोई महत्वपूर्ण तथ्य सामने नहीं आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ओडीओपी प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भामाशाह पुरस्कारों से सजेगा 'व्यापारी कल्याण दिवस' : जयवीर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'व्यापारी कल्याण दिवस' के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी विशेष आयोजन होगा

लखनऊ । व्यापार, उद्यमिता और जनसेवा की प्रेरणादायी परंपरा को सम्मान देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार 29 जून को दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर पूरे प्रदेश में 'व्यापारी कल्याण दिवस' मनाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन जनसहभागिता के साथ किया जाएगा, जिसका उद्देश्य व्यापारियों, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के योगदान को सम्मानित करने के साथ-साथ युवाओं को दान, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से जोड़ना है।

योगी सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जनपदों और तहसीलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के सहयोग से कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। इस अवसर पर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनियां और बिक्री स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही उद्यमियों, व्यापारियों और स्वयं सहायता समूहों को अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'व्यापारी कल्याण दिवस' के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी विशेष आयोजन होगा। संगीत-नाटक और स्थानीय लोककलाओं के माध्यम से भामाशाह के जीवन और उनके आदर्शों को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही चित्रकला, निबंध, प्रश्नोत्तरी और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार 'भामाशाह पुरस्कार' भी प्रदान किए जाएंगे, जिनकी चयन और पुरस्कार वितरण प्रक्रिया राज्य कर विभाग द्वारा संपन्न कराई जाएगी। श्री सिंह ने बताया कि दानवीर भामाशाह महाराणा प्रताप के घनिष्ठ सहयोगी, मित्र और विश्वस्त सलाहकार थे। जब महाराणा प्रताप कठिन संघर्ष के दौर से गुजर रहे थे, तब भामाशाह ने अपनी संपूर्ण संपत्ति राष्ट्र और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित कर दी थी। उनका यह त्याग भारतीय इतिहास में दान, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण माना जाता है। 'व्यापारी कल्याण दिवस' के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार उनके आदर्शों को समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

हाईटेंशन खंभे से लटका मिला युवक का शव

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक का शव खेत में बिजली के हाईटेंशन खंभे से लटका मिला। घटना मनोहरापुर गांव की है। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मनोहरापुर निवासी अंकुश के रूप में हुई है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चिनहट, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महताब अली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि महताब अली ने उससे शादी का वादा कर लंबे समय तक उसका शोषण किया। जब पीड़िता ने विवाह के संबंध में दबाव बनाया तो आरोपी ने उससे दूरी बनानी शुरू कर दी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर चिनहट थाने में 23 जून को मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच और सुरागरसी के दौरान पुलिस ने आरोपी महताब अली को काशीराम कॉलोनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। चिनहट पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

विशाल भंडारे का आयोजन भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जेष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल के अवसर पर चौहान परिवार द्वारा चौहान मार्केट इंदिरा नगर में विशाल भंडारे का आयोजन किया इस अवसर पर हनुमान भक्तों को पूरी सब्जी, छोले चावल, बूंदी, आइसक्रीम, दही बड़ा और कोल्डिंग के प्रसाद का वितरण किया गया पिछले 23 वर्षों से लगातार चौहान परिवार द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम के आयोजक कर्ता सुरेश प्रताप सिंह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा किसान मोर्चा ने बताया कि पिछले 23 वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन किया जा रहा है चौहान परिवार की सभी सदस्य और मित्रगण भंडारे में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं उन्होंने बताया इस बार हनुमान भक्तों को पूरी सब्जी, बूंदी, छोले चावल, दही बड़ा, छाछ, और शरबत का वितरण किया गया इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकारिणी सदस्य सार्थक प्रताप सिंह उर्फ हर्ष भइया ने कहा की नर सेवा नारायण सेवा से बड़ा कोई पुण्य का दूसरा कार्य नहीं है उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी सनातन धर्म के बताए हुए मार्ग पर चल रही है इसलिए उसका उद्धार हो रहा है इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश प्रताप सिंह ने कहा की हमेशा लोगों की सेवा करनी चाहिए क्योंकि सेवा करने से मन को जो शांति मिलती है वह किसी और कार्य करने से नहीं मिलती विशाल भंडारे में प्रमुख रूप से दिनेश प्रताप सिंह सुरेश प्रताप सिंह रमेश प्रताप सिंह अखंड प्रताप सिंह सूर्यांश प्रताप सिंह आदित्य प्रताप सिंह सार्थक प्रताप सिंह अमोल सिंह जय सिंह शिवाय सिंह अवधेश सिंह अनुज सिंह प्रदीप सिंह अमन सिंह राजकुमार सिंह धर्मेंद्र प्रताप सिंह दिवाकर सिंह लोगों ने भाग लिया

क्रेटा कार ने मारी टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार क्रेटा कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर आगे खड़ी डीसीएम से जा टकराया। मृतक की पहचान बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर निवासी बलदेव उर्फ शिवम (22) के रूप में हुई है। बलदेव मजदूरी करता था। बुधवार दोपहर करीब 11.30 बजे वह सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा स्थित कानपुर रोड की ओर से किसान पथ होते हुए अपनी बाइक से घर लौट रहा था। गांव के पास किसान पथ पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार क्रेटा कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बलदेव की बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर खड़ी एक डीसीएम से जा भिड़ा। इस हादसे में बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल से गुजर रहे राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही बिजनौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। मौके पर पहुंचे परिजन का रो-रोकर बुरा हो गया। बलदेव काकोरी के मौंदा गांव स्थित अपने ननिहाल से वापस घर लौट रहा था। उसके पिता नंदन रावत की करीब साल भर पहले मौत हो चुकी है। बलदेव की करीब 4 वर्ष पहले मोहनलालगंज के अयोध्या खेड़ा में रहने वाली शालिनी के साथ शादी हुई थी। उसके 1 वर्ष की बेटी है। पिछले करीब 2 वर्षों से बलदेव और शालिनी के बीच किसी बात को लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है। शालिनी अपनी बेटी के साथ मायके में रहती है। मृतक के परिवार में अब उसकी मां और एक भाई शुभम व एक बहन काजल है।

ग्राम पंचायत कुढा में बजरंगबली मूर्ति स्थापना एवं विशाल भंडारे का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुढा में शनिवार को धार्मिक आस्था, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। शाम से शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के दर्जनों गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पूरे दिन आयोजन स्थल पर भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। मूर्ति स्थापना एवं भंडारे का शुभारंभ शाम करीब 4 बजे हुआ, जिसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने के लिए पहुंचने लगे। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने, प्रसाद वितरण, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। स्वयंसेवक पूरे समय व्यवस्था संभालने में जुटे रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजकों की सराहना की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में भाईचारे, सहयोग और आपसी सौहार्द की भावना को मजबूत करने का कार्य करते हैं।विशाल भंडारे का आयोजन ग्राम प्रधान अमरीश रावत पूर्व प्रधान रविंद्र यादव के द्वारा कराया गया। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सेवा और धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए मूर्ति स्थापना एवं भंडारे का आयोजन किया गया। प्रभु की कृपा से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और सभी ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।आयोजन को सफल बनाने में गांव के गणमान्य , युवाओं एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। स्थानीय लोगों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

दुष्कर्म का आरोपी लगातार फरार, पुलिस ने घर पर चिपकाए 82 का नोटिस

❐ डुगडुगी पिटवाकर की गई उद्घोषणा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गाजीपुर थाना क्षेत्र में दर्ज दुष्कर्म के एक मामले में वांछित चल रहे आरोपी के खिलाफ पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उद्घोषणा की कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी के घर पर धारा 82 के तहत बुधवार दोपहर को घर पहुँच कर नोटिस चस्पा कर स्थानीय लोगों की मौजूदगी में डुगडुगी पिटवाकर उद्घोषणा कराई।चौकी इंचार्ज सचिन कौशिक के अनुसार थाना गाजीपुर में पंजीकृत मुकदमा संख्या 54/2026, धारा 64(1)/351(3) बीएनएस से संबंधित वांछित आरोपी सैयद मोहम्मद मुजम्मिल इमाम पुत्र सैय्यद नजरे इमाम निवासी डी-53/2 सर्वोदय नगर, इंदिरा नगर, थाना गाजीपुर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। आरोपी के लगातार फरार रहने पर न्यायालय से प्राप्त आदेश के अनुपालन में उसके आवास पर धारा 82 की कार्रवाई की गई।इस दौरान पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर नोटिस चस्पा किया और आसपास के क्षेत्र में डुगडुगी पिटवाकर उद्घोषणा कराई। पुलिस ने आरोपी को निर्धारित समयावधि के भीतर न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी है।कार्रवाई के दौरान चौकी प्रभारी सर्वोदय नगर सचिन कौशिक, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुरेश कुमार पांडेय, आरक्षी ज्ञानेन्द्र कुमार एवं महिला आरक्षी आराधना सेंगर मौजूद रहीं। पुलिस का कहना है कि निर्धारित अवधि में आरोपी के उपस्थित न होने पर उसके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अलीगंज अग्निकांड: अनुछा राई के परिवार के साथ खड़े हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

❐ आर्थिक सहायता के साथ छोटे भाई की 12 वीं तक शिक्षा का लिया संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ । क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने आज अलीगंज अग्निकांड में दिवंगत हुई सरोजनीनगर की बेटी सुश्री अनुछा राई के आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की तथा अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। स्वर्गीय अनुछा राई अपने पीछे अपनी माता, दो छोटी बहनों एवं कक्षा 7 में अध्ययनरत एक छोटे भाई को छोड़ गई हैं।

परिवार सरोजनीनगर स्थित शांतिनगर, अवध विहार योजना में निवास करता है। वर्ष 2022 में भी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा था, जब एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में उनके पिता का निधन हो गया था। इस दुःखद घड़ी में परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं एवं सहयोग व्यक्त करते हुए विधायक श्री राजेश्वर सिंह ने अपनी वेतन निधि से ?1 लाख का चेक दिवंगत अनुछा राय की माता को प्रदान किया। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि कक्षा 7 में अध्ययनरत उनके छोटे भाई की शिक्षा का संपूर्ण व्यय विधायक कार्यालय द्वारा वहन किया जाएगा और उसकी फीस कक्षा 12 तक नियमित रूप से जमा कराई जाएगी। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया तथा ईश्वर से उन्हें इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

सुबह से बादलों की आवाजाही, उमसभरी गर्मी से लोग बेहाल

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में बुधवार सुबह से हल्के बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल सकी। हवा में नमी बढ़ने से उमस का असर ज्यादा महसूस किया गया। सुबह के समय तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि महसूस होने वाला तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा और फिलहाल बारिश के आसार बेहद कम हैं। बुधवार सुबह राजधानी के कई इलाकों में हल्के बादल छाए रहे। हालांकि धूप का असर सुबह के समय कुछ कम दिखाई दिया, लेकिन हवा में नमी बढ़ने के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। सुबह आठ बजे के आसपास तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकर्ड किया गया, जबकि महसूस होने वाला तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन चढ़ने के साथ धूप तेज होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दोपहर तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है।

15 मौतों के बाद एलडीए का एक्शन,आग लगने वाली बिल्डिंग पर चिपकाया नोटिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। इसके बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने सख्त रुख अपनाया है। एलडीए टीम बुधवार को हादसे वाली बिल्डिंग पर नोटिस चस्पा कर दिया। अब शहर के अलग-अलग इलाकों में कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, नर्सिंग होम और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच के लिए विशेष अभियान शुरूकिया जाएगा।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर सभी जोनों में टीमें गठित की गई हैं। अधिकारी मौके पर पहुंचकर भवन के स्वीत मानचित्र, उपयोग, अग्निशमन व्यवस्था और आपातकालीन निकास की स्थिति की जांच करेंगे। जांच में यदि मानचित्र के विपरीत निर्माण या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिला तो संबंधित भवनों के खिलाफ सीलिंग समेत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, अलीगंज अग्निकांड के बाद सबसे पहले हादसे वाली बिल्डिंग पर नोटिस चस्पा किया गया है। अब आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरूकी जाएगी। इसके बाद शहरभर में चलने वाले अभियान में उन संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। एलडीए यह भी जांच करेगा कि भवनों में फायर विभाग के निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, अग्निशमन उपकरण उपलब्ध हैं या नहीं और आपात स्थिति में लोगों के सुरक्षित निकास की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा एवं प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न

लखनऊ,। नवयुग कन्या महाविद्यालय में आज बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा एवं वायवा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा बी.एड. की छात्राओं का साक्षात्कार किया गया। इसी के साथ महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन हुआ। लखनऊ के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान लखनऊ पब्लिक स्कूल, जिसकी अनेक शाखाएँ लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में संचालित हैं, की भर्ती टीम से देबजानी पकरासी तथा अपूर्व श्रीवास्तव ने प्रतिभाग किया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत बी.एड. अंतिम वर्ष की छात्राओं ने अपने बायोडाटा जमा किए एवं विद्यालय प्रतिनिधियों द्वारा उनका साक्षात्कार लिया गया।

मिश्रिख में डीएम का औचक निरीक्षण: अभिलेखों में गड़बड़ी मिलने पर एएनएम को चेतावनी

❒ जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान समस्त कर्मियों को टीकाकरण पर दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज विकास क्षेत्र मिश्रिख, के आंगनबाड़ी केन्द्र ढल्लिया में संचालित वीएचएसएनडी सत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एएनएम से वार्ता करते हुये गांव की जनसंख्या के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुये एचआरपी, ड्यू लिस्ट रजिस्टर एवं अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टर का अवलोकन किया।

एएनएम से वैक्सीनेशन बारे में भी जिलाधिकारी ने जानकारी ली। विभागीय अभिलेखों में त्रुटि पाये जाने पर एएनएम के विरूद्ध चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने वैक्सीनेशन किट एवं आईस बाक्स का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से वार्ता करते हुये विभागीय अभिलेखों का गहनतापूर्वक अवलोकन करते हुये वी0 एच0 एस0 एन0डी0 सत्र के दौरान की गयी तैयारियों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये पुष्टाहार वितरण के बारे में जाना। आंगनबाड़ी के सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कोई गर्भवती महिला एवं शिशु वैक्सीनेशन से छूटने न पाये जाये, यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने आशा कार्यकत्री को निर्देशित किया कि वैक्सीनेशन से कोई भी वंचित न रहे, अपनी जिम्मेदारियों को भलीभांति निर्वहन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सुखरंजन समद्दर उपस्थित रहे।

सीतापुर जिला कारागार में योग का संकल्प

❒ बंदियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के अनुपालन में व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर आशीष जैन के निर्देशानुसार बुधवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आलोक यादव द्वारा जिला कारागार में बन्दियों हेतु एक सप्ताह के लिए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

उक्त साप्ताहिक योग कार्यक्रम में श्री विजय भान, अपर सिविल जज (सी.डि.) कोर्ट संख्या-02 तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आलोक यादव द्वारा बन्दियों हेतु एक सप्ताह के लिए एक योग शिविर का शुभारंभ किया गया। उक्त योगा शिविर में जिला कारागार सीतापुर का समस्त स्टाफ भी मौजूद रहा। योग शिविर के माध्यम से बन्दियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वस्थ रहने हेतु योग क्रिया प्रतिदिन किया जाना अति आवश्यक है। इस अवसर पर जिला कारागार सीतापुर में विशेष योग शिविर का आयोजन दिनांक- 24.06.2026 से 30.06.2026 तक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर श्री आलोक यादव के निर्देशानुसार आयोजित किया जायेगा। शिविर में जिला कारागार सीतापुर के अधीक्षक व जेलर तथा डिप्टी जेलर एवं स्टाफ मौजूद रहा। योग शिविर में पतंजलि की ओर से योग ट्रेनर जिला कारागार सीतापुर में उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर की ओर से श्री भूपेन्द्र कुमार दीक्षित, लीगल एड डिफ़ेन्स काउंसिल सिस्टम के अधिवक्तागण उपस्थित रहे। जिला कारागार सीतापुर से नामित (बन्दी) पी.एल.वी. द्वारा अपना पूरा सहयोग योग कार्यक्रम में दिया गया।

कांग्रेसी नेताओं की राम मंदिर दान घोटाले के दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग

❒ कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता मुन्ना के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया और अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले के दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान एवं चढ़ावा घोटाले की खबर ने पूरे देश के रामभक्तों एवं आमजन की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। इस घोटाले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एसआईटी का गठन किया गया है, लेकिन अभी तक इस प्रकरण में कोई एफआईआर दर्ज न किए जाने से जांच की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न चिह्न लग रहा है। मांग की गई कि अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले के पूरे प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराई जाए तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस दौरान प्रमुख रूप से निर्वतमान प्रदेश सचिव तनवीर सफदर, दिनेश कुमार एडवोकेट, युवा कांग्रेस अध्यक्ष रामजी अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष, फुरकान अहमद कुरैशी, कृष्ण विनोद मिश्रा, अरुणोद मिश्रा, पूनम पांडेय, बिंदेश्वरी राज, साफिया बेगम, गायत्री प्रकाश अवस्थी, दिनेश कुमार, संजय सक्सेना, सुशील प्रकाश शर्मा, अनिल श्रीवास्तव, अदीब अहमद, तस्दीक अंसारी, सईद अंसारी, अजय पाठक, शमुद्दीन, कृष्ण चंद्र तिवारी, अच्छन खान, आशीष तिवारी, आमिर खान, सुधांशु मिश्रा, फरमान खान आदि कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करोड़ों के भुगतान घोटाले पर बड़ा सवाल!

❒ डीएम के आदेश के 7 माह बाद भी जांच नहीं, डीडीओ पर बीडीओ को बचाने के आरोप

❒ डीएम के आदेश पर भी डीडीओ की कुंभकर्णी नींद! 24 नवंबर को मिली जांच, आज तक आख्या नहीं, बिसवां-पिसावां बीडीओ को बचाने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। बिसवां और पिसावां ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत के करोड़ों रुपये के फर्जी भुगतान के मामले में जिला विकास अधिकारी की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। डीएम के आदेश के बाद मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ. निरीश चन्द्र साहू ने 24 नवंबर 2025 को डी डी ओ को जांच कर आख्या देने के लिए पत्र भेजा था, लेकिन 7 माह बीतने के बाद भी डी डी ओ ने जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी है।

पत्र से हुआ खुलासा

डीपीआरओ सीतापुर द्वारा डी डी ओ को भेजे गए पत्रांक 8473/ 33/पं0/प्रा0प0स0/2025-26 दिनांक 24.11. 2025 से साफ है कि 1.मुख्य विकास अधिकारी ने 21.11.2025 को डी डी ओ को जांच के लिए नामित किया था। 2. डी डी को राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच के जिलाध्यक्ष एस.के. तूफानी की शिकायत पर आख्या उपलब्ध कराने को कहा गया था। 3. शिकायत में बिसवां बीडीओ द्वारा मार्च 2025 में और पिसावां बीडीओ द्वारा अप्रैल-जुलाई 2025 में एक ही बिल वाउचर पर करोड़ों का भुगतान करने का आरोप है।

कार्रवाई

03.11.2025 एस.के. तूफानी ने डी एम को शिकायत पत्र दिया

17.11.2025 डी एम कार्यालय से जांच के निर्देश जारी

21.11.2025 सी डी ओ ने नोटशीट पर डीडीओ को जांच के लिए नामित किया

24.11.2025 डी पी आर ओ ने डीडीओ को आख्या देने के लिए पत्र भेजा

22.06.2026 आज तक डीडीओ ने जांच रिपोर्ट नहीं दी

डीडीओ पर उठ रहे सवाल

संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष (अवध क्षेत्र) उत्तर प्रदेश एस.के. तूफानी ने तीखा हमला बोला: ''24 नवंबर को पत्र मिलने के बाद भी डीडीओ जांच दबाकर बैठे हैं। क्या यह बिसवां-पिसावां के बीडीओ को बचाने की साजिश है? या फिर डीडीओ, डी एम राजा गणपति आर. और सी डी ओ के निर्देशों को भी नहीं मानते?''

जीरो टॉलरेंस पर बड़ा सवाल

श्री तूफानी ने कहा, ''जब जिलाधिकारी- मुख्य विकास अधिकारी के लिखित आदेश के बाद भी जिला विकास अधिकारी जांच नहीं कर रहे, तो जीरो टॉलरेंस नीति का क्या मतलब? एक ही बिल पर 1 करोड़ से ज्यादा का भुगतान हुआ है। जांच में देरी से साक्ष्य मिटाए जा सकते हैं।

प्रशासनिक चुप्पी

इस संबंध में डीडी से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, उन्होंने कहा जांच हो जायेगी।

अब आगे क्या

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र में जांच आख्या सार्वजनिक नहीं हुई तो जिलाधिकारी कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

रेस्क्यू के 13 घंटे बाद बाघिन की मौत से मचा हड़कंप

❒ सुबह 'फिट' घोषित हुई बाघिन, शाम को थम गई सांसें; ट्रैंक्विलाइजेशन प्रक्रिया पर उठ रही उंगलियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के उत्तर खीरी वन प्रभाग (बफर जोन) में एक बाघिन की रेस्क्यू के कुछ घंटों बाद हुई मौत ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस बाघिन को मंगलवार सुबह खेतों से सुरक्षित रेस्क्यू कर चिकित्सकीय परीक्षण के बाद पूरी तरह स्वस्थ बताया गया था, उसी ने शाम होते-होते दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद वन्यजीव प्रेमियों, पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। वन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार, मझगई रेंज की बबौरा बीट अंतर्गत ग्राम रामपुर मजरा रामनगरकलां (थाना भीरा) में एक बाघिन जंगल की सीमा से बाहर निकलकर खेतों में पहुंच गई थी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मंगलवार सुबह करीब 5:10 बजे बाघिन को ट्रैंक्विलाइज कर सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद बाघिन को पिंजरे में रखकर उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। विभागीय पशु चिकित्सक डॉ. दयाशंकर ने परीक्षण के बाद उसे स्वस्थ बताते हुए पुनः जंगल में छोड़े जाने की संस्तुति भी की थी। बताया जा रहा है कि दिनभर निगरानी में रखने के बाद शाम करीब 6:30 बजे बाघिन की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। सुबह स्वस्थ घोषित किए गए वन्यजीव की अचानक हुई मौत ने पूरे वन विभाग को सकते में डाल दिया है। घटना के बाद अधिकारियों ने बाघिन के शव को सुरक्षित रखकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) के विशेषज्ञों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

सपा नेताओं ने वीरांगना महारानी दुर्गावती का मनाया बलिदान दिवस

❒ कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर वीरांगना महारानी दुर्गावती का बलिदान दिवस बिजलीपुरा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पर मनाया गया। इस दौरान पार्टी के नेताओं, पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए।

इस मौके पर सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया और महारानी दुर्गावती के योगदान पर चर्चा की गई। सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि वीरांगना महारानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की अद्वितीय वीरता, साहस और स्वाभिमान की प्रतीक हैं। उन्होंने अन्याय और आक्रमण के सामने कभी घुटने नहीं टेके तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। गोंडवाना की महान शासक महारानी दुर्गावती का जीवन महिलाओं के सम्मान, सामाजिक न्याय और संघर्ष की प्रेरणा देता है। इस दौरान पार्टी के नेताओं ने उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए संकल्प लिया कि कमजोर, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी निरंतर संघर्ष करती रहेगी। गोष्ठी में सपा जिला महासचिव रंणजय सिंह यादव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर सपा प्रदेश सचिव रामसूरत यादव, सपा जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार वर्मा, सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव गायत्री वर्मा, महिला सभा की महानगर अध्यक्ष जाफरीन, आसमा, आसफा खानम, लखन प्रताप सिंह, हफीज अंसारी, इमरान खान, गुफरान खान, रोहित यादव, असलम खान, संतोष पाल, रानू खान, तैय्यब खान, श्लोक मौर्य, फराज इदरीसी, सुखपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

मछरेहटा में उमड़ा आस्था का सैलाब: सुंदरकांड पाठ के बाद विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मछरेहटा, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता । ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मछरेहटा परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान हनुमान जी के दर्शन किए तथा प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत सुबह सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद सुबह 10 बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया। पूरे आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जहां भक्तिमय भजनों और जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। भंडारे में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बुजुर्गों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं के लिए बैठने, पेयजल एवं प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई थी। स्वयंसेवकों ने पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान जी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सहभागिता बनाए रखने की अपील की।

रमियाबेहड़ मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक की मौत, तीन घायल

धौरहरा, खीरी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। धौरहराऽढखेरवा मार्ग पर मंगलवार को तेज रफ्तार के चलते दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य का इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बाइकें तेज गति से चल रही थीं और प्रत्येक बाइक पर दो-दो लोग सवार थे। आमने-सामने की टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी सवार सड़क पर गिर पड़े और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमियाबेहड़ भिजवाया गया। घायलों की पहचान अरमान पुत्र सलीम खान, फैसल पुत्र रईस खान, अतीक पुत्र सगीर खान निवासी लखाही तथा आदिल पुत्र नासिर (25 वर्ष) निवासी लहरपुर के रूप में हुई। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के दौरान आदिल की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का मुख्य कारण तेज रफ्तार सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा दुर्घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर बढ़ती तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए यातायात नियमों के सख्ती से पालन की मांग की है।

स्थापना दिवस पर पंजाब एंड सिंध बैंक का सेवा उपहार, स्वास्थ्य विभाग को व्हीलचेयर और स्कूल को वाटरकूलर की सौगात

लखीमपुर खीरी,कैनविज टाइम्स संवाददाता । बैंकिंग सेवा के साथ सामाजिक सरोकार निभाने की मिसाल पेश करते हुए पंजाब एंड सिंध बैंक ने अपने 119वें स्थापना दिवस पर जरूरतमंद मरीजों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया। बैंक की ओर से डीएम अंजनी कुमार सिंह ने सीएसआर के तहत स्वास्थ्य विभाग को पांच व्हीलचेयर और गांधी बालोद्यान स्कूल को एक वाटरकूलर भेंट की गईं। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने बैंक के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट संस्थानों की सामाजिक भागीदारी से जनसुविधाओं को नई ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आने वाले बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर मरीज इन व्हीलचेयरों से सीधे लाभान्वित होंगे, जबकि स्कूल में वाटरकूलर लगने से बच्चों को स्वच्छ पेयजल की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्य प्रबंधक रोहित वर्मा ने बताया कि बैंक केवल वित्तीय सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर बैंक अधिकारी अभिषेक मिश्रा एवं प्रबंधक नितिन कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 02 गौकश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। बीती रात एसओजी, सर्विलांस सेल व थाना कंाट पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के दौरान 02 गौकशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में एक अभियुक्त के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के कब्जे से 02 तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए अभियुक्त जनपद बरेली के रहने वाले मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर हैं।

पुलिस के अनुसार, दोनों अभियुक्तों पर जनपद बरेली और शाहजहांपुर के कई थानों पर गौकशी, चोरी, गैंगस्टर, शस्त्र/ आयुध अधिनियम और हत्या का प्रयास आदि के कई मुकदमे दर्ज हैं। दोनों अभियुक्त थाना निगोही में दर्ज गैंगस्टर एक्ट में वांछित थे और एसपी ने जल्द गिरफ्तारी के लिए दोनों अभियुक्तों पर 10-10 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया था। बीती रात कंाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना निगोही में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर अपने अन्य 02 साथियों के साथ गौकशी करने की नीयत से मदनापुर रोड पर जिंदो की पुलिया के पास खड़े हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची, तो पुलिस को देखकर अभियुक्त मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर के अन्य दो साथी मौके से भाग गए। वहीं, अभियुक्त मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जबाबी फायरिंग में अभियुक्त मोहम्मद शाकिर के पैर में गोली लगी। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर के कब्जे से 02 तमंचा-कारतूस बरामद किए।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वो लोग गौकशी करते हैं। पुलिस को देखकर उनके साथी जनपद बरेली के थाना देवरनिया क्षेत्र के मोहम्मद शानू और जनपद पीलीभीत के थाना बीसलपुर क्षेत्र का रहने वाला मोहम्मद अनीस मौके से भाग गए हैं। पुलिस ने घायल अभियुक्त शाकिर को अस्पताल में भर्ती कराया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही फरार अभियुक्त मोहम्मद शानू और अनीस की तलाश में जुट गई हैं। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना कंाट के प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह के साथ क्राइम इंस्पेक्टर दिगम्बर सिंह और एसओजी/सर्विलांस सेल प्रभारी मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा का डॉ. कौशल वर्मा ने किया पूजन-अर्चन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ,खीरी। बड़े मंगल के पावन अवसर पर नगर में आयोजित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के 22वें वार्षिकोत्सव में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर सवा चौबीस मन के एक विशाल लड्डू का भोग हनुमान जी को अर्पित किया गया तथा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सनशाइन हॉस्पिटल के संचालक, समाजसेवी एवं भाजपा नेता डॉ. कौशल वर्मा ने शोभायात्रा में पहुंचकर हनुमान जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा पुष्पवर्षा कर मानव कल्याण, सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की मंगलकामना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। जानकारी के अनुसार, सब्जी मंडी स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में देशी घी एवं सूखे मेवों से तैयार सवा चौबीस मन के एक विशाल लड्डू का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद सायंकाल नगर के प्रमुख मार्गों से देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियों और धार्मिक स्वरूपों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के उद्घोषों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर के संरक्षक शिव गोपाल गुप्ता ने बताया कि मंदिर के 22वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में यह विशेष आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही यह परंपरा क्षेत्र की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। इस अवसर पर अनुज प्रताप सिंह, इंजीनियर अभिषेक वर्मा, ज्ञानचंद वर्मा, अविनाश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

किसानों को समय पर एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि विकासखण्ड स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाया जाए

सम्भल, बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में उर्वरक एवं बीज उपलब्धता संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा द्वारा जनपद में निजी एवं सहकारी क्षेत्र के उर्वरक स्टॉक, विगत तीन वर्षों की यूरिया की औसत बिक्री, शासनादेशों के अनुपालन, पॉस मशीन के माध्यम से खाद वितरण, शीर्ष 20 थोक विक्रेताओं (होलसेलर्स), शीर्ष रिटेलर्स तथा उर्वरक निगरानी समिति की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि विकासखण्ड स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सहकारी समितियां नियमित रूप से संचालित रहें तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

जिलाधिकारी ने टैगिंग की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की टैगिंग के लिए मजबूर न किया जाए। यदि किसी स्तर पर अनियमितता अथवा शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था की रैंडम चेकिंग कराने के भी निर्देश दिए उक्त के क्रम में जिला अधिकारी महोदय के दिए गए निर्देशन अनुसार संभल में दो ठोक विक्रेताओं के विरुद्ध फिर भी दर्ज की गई है

उन्होंने कहा कि किसानों को सही समय पर तथा निर्धारित मूल्य पर उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उर्वरक रैक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, इसी क्रम में जिला कृषि अधिकारी के द्वार अवगत कराया गया की जनपद में 27421 मेट्रिक टन यूरिया , 4268 मेट्रिक टन डी ए पी , 19442 मेट्रिक टन एन पी के , 53141 मेट्रिक टन कुल उर्वरक उपलब्ध है इसलिए वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।??जनपद में इस वर्ष 1/04/2026 से 22/06/2026 तक 30381 मेट्रिक टन यूरिया बेचा गया था है जो गत वर्ष के उक्त समय के अपेक्षा 1069 मेट्रिक टन जायदाबेचा गया है सहकारी पाक्स के माध्यम से भी लगातार विक्रय किया गया है गत सात दिनों का औसत यूरिया विक्रय 390 मेट्रिक टन है

जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी एवं उनकी टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि वे किसानों के बीच जाकर संवाद स्थापित करें तथा क्षेत्र में सक्रिय रहकर उर्वरक उपलब्धता की नियमित निगरानी करें।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी ने कहा कि उर्वरक विक्रेताओं की दुकानें नियमित रूप से खुलनी चाहिए, जिससे किसानों को खाद की पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खड़गवंशी, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस), महेश कुमार, विनिर्माता कंपनियों के प्रतिनिधि, निजी वितरक तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ कुपोषण मुक्ति एवं पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

सम्भल, बहजोई । कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार द्वारा गर्भवती महिलाओं (GWG), आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण, टेक-होम राशन, हॉट कुक्ड मील, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों, वीएचएसएनडी सत्रों तथा सैम एवं मैम बच्चों की स्थिति के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सीडीपीओ अपने-अपने विकास खण्डों की योजनाओं की पूर्ण जानकारी रखें तथा नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं के वास्तविक परिणाम सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी), चन्दौसी में सैम बच्चों के पंजीकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विकास खण्डों से चिन्हित सैम बच्चों को एनआरसी भेजना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी कायाकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में आकांक्षात्मक विकास खण्डों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल-मित्र शौचालयों की उपलब्धता, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा सम्भव अभियान की प्रगति पर भी चर्चा की गई। गर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग एवं पंचायती राज विभाग की भूमिका की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के पुनः खुलने से पूर्व उनकी समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बाल स्वास्थ्य, मातृ पोषण एवं समग्र पोषण स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि इन महत्वपूर्ण बिन्दुओं को ट्रिपल-ए (AAA) बैठकों में प्राथमिकता के साथ शामिल किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन स्टॉप सेंटर का किया गया निरीक्षण

रायबरेली। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन स्टाप सेंटर, रायबरेली के सम्बन्ध में उपस्थित सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति से जानकारी ली गयी। सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं से सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें।

सम्पूर्ण अभियान 6.0 एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में राज्य पोषण मिशन, शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक तथा पशुपालन विभाग के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि जुलाई 2026 से सितंबर 2026 तक सम्पूर्ण अभियान 6.0 संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत गर्भावस्था से लेकर बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा पर विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही धात्री माताओं एवं बालक-बालिकाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालयों के कायाकल्प एवं शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाया जाए। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान वर्षा एवं बाढ़ की संभावित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए गोवंशों की सुरक्षा, संरक्षण एवं चारा-पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उपयुक्त स्वतः रोजगार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर भरतरा स्टेडियम तक पहुँचने का खुलवाया गया रास्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ रेलवे विभाग से समन्वय कर तहसील प्रशासन द्वारा हटवायी गयी बैरिकेडिंग

❐ रेलवे विभाग से समन्वय कर स्टेडियम तक आवागमन सुगम

सम्भल, बहजोई। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशानुसार विकासखण्ड बहजोई के ग्राम भरतरा में निर्माणाधीन स्टेडियम तक आवागमन के लिए मार्ग खुलवाने के संबंध में रेलवे विभाग के अधिकारियों, तहसील प्रशासन,खेल विभाग तथा कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया एवं आपसी वार्ता की गई।

उल्लेखनीय है कि उक्त स्टेडियम का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा कराया जा रहा है। स्टेडियम तक पहुंचने वाले मार्ग के संबंध में उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु उप जिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी, खेल विभाग के अधिकारियों तथा कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों ने रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर सहमति बनाई। आज उप जिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी के निर्देशन में नायब तहसीलदार सतेन्द्र चाहर एवं कार्यदायी संस्था,ठेकेदार एवं रेलवे से एडीईएन एवं संबंधित अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर लहरावन एवं विसारू को जोड़ने वाले रेलवे फाटक से निर्माणाधीन स्टेडियम तक लगाई गई बैरिकेडिंग को हटवाते हुए मार्ग को सुचारु रूप से खुलवा दिया।

ज्ञातव्य है कि दिनांक 20 जून 2026 को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल द्वारा निर्माणाधीन स्टेडियम का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित नक्शों का गहन परीक्षण कराते हुए तहसील प्रशासन की टीम को रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर मार्ग संबंधी समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में की गई कार्रवाई के फलस्वरूप अब निर्माणाधीन स्टेडियम तक पहुंच का मार्ग खोल दिया गया है।

जिलाधिकारी ने इंडस्ट्रियल एरिया का किया निरीक्षण

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा आज इंडस्ट्रियल एरिया सुल्तानपुर रोड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित औद्योगिक इकाइयों की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, सुरक्षा मानकों तथा आधारभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कहीं भी जलभराव, कूड़ा-करकट या अव्यवस्था न रहने पाए। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया में कार्यरत श्रमिकों एवं उद्यमियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत व्यवस्था, जल निकासी, सड़कों की स्थिति एवं अग्नि सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने अग्निशमन मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए तथा कहा कि सभी औद्योगिक इकाइयां सुरक्षा उपकरणों से सुसज्जित रहें। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या की शिकायत प्राप्त होने पर उसका त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए, ताकि उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, एसोसिएशन के विभिन्न एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

बछरावां विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों के साथ विकास कार्यों की रफ्तार भी तेज

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आगामी विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही अभी नहीं हुई हो, लेकिन बछरावां विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ विकास कार्यों की रफ्तार भी तेज हो गई है। क्षेत्रीय विधायक श्याम सुंदर भारती द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि के माध्यम से विभिन्न विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पहरेमऊ बैंक परिसर में क्षेत्रीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए 270 लीटर क्षमता वाले आरओ वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। इस पहल से बैंक आने वाले ग्राहकों, ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों को भीषण गर्मी में शुद्ध एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि, यह वाटर कूलर वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विधायक निधि से स्वीकृत योजना के तहत स्थापित किया गया है। इसका कार्यदायी संस्था निर्माण खंड-1, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड, कानपुर द्वारा कराया गया है। विधायक ने जानकारी दी कि, बछरावां विधानसभा क्षेत्र में कुल 10 गांवों में इसी प्रकार के 270 लीटर आरओ वाटर कूलर लगाए जाने की योजना स्वीकृत हो चुकी है और इसके लिए आवश्यक धनराशि भी अवमुक्त कर दी गई है। सभी स्थानों पर स्थापना कार्य इसी कार्यदायी संस्था के माध्यम से कराया जाएगा। इन चयनित गांवों में पहरेमऊ, मऊ, हलोर, थुलवासां, ओसाह, सेहगों, पूरे मूडू, रानीखेड़ा, राजामऊ और तिलेंडा शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि, गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीणों और बैंक आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि अमित त्रिपाठी उर्फ मोनू, द्वारिका प्रसाद चौरसिया, बाबू यादव, रामकिशोर यादव, परवेज, राजू खान, श्याम लाल यादव, राघवेंद्र कुमार शर्मा, सरवर, जगदेव, बृजेश कुमार, रामकिशोर प्रधान आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बीएसएनएल की भारतनेट एवं फाइबर योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में ला रहीं डिजिटल क्रांति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ बीएसएनएल का संकल्प हर घर फाइबर, हर गांव डिजिटल, बीएसएनएल का संदेश बीएसएनएल के साथ जुड़ें, डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें

बदायूँ। सहायक महाप्रबंधक बीएसएनएल दूरसंचार बदायूं मयंक रस्तोगी ने बताया कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतनेट परियोजना, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बीएसएनएल की नई फाइबर योजनाओं तथा युवाओं एवं उद्यमियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल का संकल्प हर घर फाइबर, हर गांव डिजिटल, बीएसएनएल का संदेश बीएसएनएल के साथ जुड़ें, डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। बीएसएनएल कार्यालय के अपने कक्ष में मीडिया से वार्ता करते हुए सहायक महाप्रबंधक ने बताया कि बीएसएनएल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

इसी क्रम में हाल ही में मात्र 259 रुपये प्रतिमाह का नया रूरल एंट्री फाइबर प्लान प्रारंभ किया गया है, जिसमें 25 एमबीपीएस तक की इंटरनेट स्पीड, अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग तथा प्रसार भारती के वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त उपभोक्ताओं की विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आकर्षक फाइबर ब्रॉडबैंड योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की भारतनेट परियोजना के अंतर्गत जनपद की सभी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नेटवर्क की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों को रिंग नेटवर्क प्रणाली से भी जोड़ा जा रहा है, जिससे फाइबर कट होने की स्थिति में भी सेवाएं बाधित न हों और इंटरनेट वैकल्पिक मार्ग से संचालित होता रहे।

उन्होंने कहा कि बीएसएनएल का उद्देश्य केवल इंटरनेट उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है। इसी लक्ष्य के साथ ''हर घर फाइबर, हर गांव डिजिटल'' अभियान को गति प्रदान की जा रही है, ताकि प्रत्येक गांव और परिवार तक गुणवत्तापूर्ण ब्रॉडबैंड सेवाएं पहुंच सकें।

इस दौरान भारतनेट उद्यमी (बीएनयू) योजना की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि स्थानीय युवा, उद्यमी, केबल ऑपरेटर एवं इच्छुक व्यक्ति बीएसएनएल के साथ जुड़कर अपने क्षेत्र में एफटीटीएच सेवाएं उपलब्ध करा सकते हैं। सामान्यतः एक से दो लाख रुपये के निवेश से इस योजना में कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। अधिकाधिक ग्राहकों को जोड़कर उद्यमी 50 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये प्रतिमाह तक आय अर्जित कर सकते हैं। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। उन्होंने युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय व्यवसायियों एवं इच्छुक नागरिकों से भारतनेट उद्यमी योजना का लाभ उठाने तथा डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

जमीन के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई राउंड चली गोलियां, आठ लोग घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के परसेरा गांव में बुधवार को उस वक्त दहशत फैल गई, जब जमीन के विवाद में दो पक्षों के लोग भिड़ गए। जमकर पथराव हुआ। कई राउंड गोलियां भी चलीं। घटना में आठ लोग घायल हुए हैं। आपको बता दें कि बिसौली कोतवाली क्षेत्र के परसेरा गांव में बुधवार सुबह दो बीघा जमीन अवैध रूप से जोतने को लेकर दो पक्षों में विवाद को गया। यह विवाद खूनी संघर्ष बदल गया। लाठी-डंडे के बीच कई राउंड फायरिंग की गई।

संघर्ष में दोनों पक्षों के लगभग आठ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया है। इसके बाद तीन को जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं परसेरा गांव के सत्यवीर का कुछ लोगों से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उन्होंने कई बार थाने से लेकर एसडीएम तक शिकायतें की थीं, लेकिन जमीन की पैमाइश नहीं कराई गई। पुलिस ने विवाद बढ़ने के संकेत मिलने के बावजूद प्रभावी कदम नहीं उठाया। सत्यवीर ने आरोप लगाया है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने मेड़ तोड़कर उसकी एक बीघा और उसके भाई की एक बीघा भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। इसको लेकर लगातार शिकायतें की गईं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। बुधवार सुबह सत्यवीर पक्ष के लोग अपने खेत में जोताई करा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष के करीब 30-35 लोग असलहों से लैस होकर वहां पहुंचे और धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बचाव में दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया। इसी बीच विरोधी पक्ष पर अंधाधुंध फायरिंग करने का भी आरोप है। करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ है। सूचना पर बिसौली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रण में करते हुए घायलों को सीएचसी भेजा। वहीं, खेत में चले ईंट पत्थर के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

देसी शराब की दुकान में तोड़फोड़, 40 महिलाओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज, गांव में बढ़ा तनाव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के हरनाथपुर मुस्तखर्ज़ा गांव में संचालित देशी शराब की दुकान हटाने की मांग को लेकर मंगलवार शाम जमकर बवाल हुआ। दुकान न हटाने पर महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। गांव की महिलाओं ने एकजुट होकर दुकान की दीवार तोड़ दी। कुछ महिलाओं पर आरोप है कि उन्होंने दुकान के अंदर रखी शराब को नष्ट कर दिया। ट्रेटा पैक फोड़कर बड़ी मात्रा में शराब नाली में बहा दी। पुलिस ने किसी तरह हालात काबू में किए। दुकान के सेल्समैन की तहरीर पर पुलिस ने 40 महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हरनाथपुर मुस्तखर्ज़ा गांव में आबादी के बीच शराब की दुकान है। महिलाओं का आरोप था कि दुकान के कारण क्षेत्र में नशाखोरी बढ़ रही है, जिससे पारिवारिक कलह और सामाजिक समस्याएं जन्म ले रही हैं। शाम के समय शराब पीकर लोगों के अभद्र व्यवहार करने से महिलाओं का निकलना दूभर हो जाता है। नाबालिग बच्चों को भी इसकी लत लग रही है। कई बार शिकायत करने के बाद भी जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो मंगलवार की शाम करीब पांच बजे महिलाएं दुकान के बाहर एकत्र हो गईं। इसकी भनक लगते ही दुकानदार दुकान बंद कर मौके से भाग निकला। इसके बाद महिलाओं ने खिड़की के नीचे दीवार तोड़कर अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। अंदर रखीं देसी शराब की पेटियां बाहर निकालकर ट्रेटा पैक फोड़ दिए और शराब नाली में बहा दी। सूचना मिलते ही पुलिस और आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। आबकारी निरीक्षक सर्वेंद्र सिंह ने बताया कि कई महिलाओं ने दुकान में रखी लगभग 10 पेटी शराब निकालकर नष्ट कर दी। दुकान में भी काफी तोड़फोड़ हुई। सेल्समैन धीरेश किसी तरह जान बचाकर मौके से भाग निकला था। उसकी ओर से थाने में तहरीर दी गई। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर दुकान पर हमला और नुकसान पहुंचाने के आरोप में गांव की संगीता, नेत्रपाल की पत्नी, हरपाल की पत्नी, गंगा सिंह की पत्नी सहित 30 से 40 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। महिलाओं के विरुद्ध एफआईआर होने के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई है।

एमडीएम घोटाले की जांच पर उठे सवाल: 296 नामांकन, स्कूल में मिले सिर्फ 90 छात्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ बीडीओ की रिपोर्ट के बाद भी कार्रवाई नहीं, शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

❐ ग्राम प्रधान की शिकायत पर हुई जांच में सामने आया बड़ा अंतर, बीएसए कार्यालय में कार्रवाई की फाइल अटकी होने की चर्चा

नकहा खीरी। नकहा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय रंगीला नगर (एगिलानगर) में कथित मिड-डे मील (एमडीएम) और छात्र संख्या अनियमितता का मामला अब शिक्षा विभाग के लिए असहज सवाल बनता जा रहा है। ग्राम प्रधान की शिकायत पर हुई जांच में विद्यालय के अभिलेखों में दर्ज छात्र संख्या और वास्तविक उपस्थिति के बीच बड़ा अंतर मिलने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

प्रकरण तब सामने आया जब ग्राम प्रधान सुरेन्द्र कुमार गौड़ ने शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि विद्यालय में वास्तविक संख्या से अधिक छात्रों का नामांकन दिखाकर सरकारी योजनाओं, विशेषकर मिड-डे मील मद की धनराशि के दुरुपयोग की आशंका है। शिकायत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और मुख्यमंत्री पोर्टल तक पहुंची, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए।

बीडीओ की जांच में खुली शिक्षा विभाग मे किये गये घोटाले की परतें

खंड विकास अधिकारी नकहा संगीता यादव ने 12 मई 2026 को विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। जांच रिपोर्ट के अनुसार विद्यालय में कुल 296 छात्रों का नामांकन दर्ज था, जबकि निरीक्षण के समय मात्र 90 छात्र उपस्थित पाए गए। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व में ग्राम विकास अधिकारी की जांच में भी नामांकन और वास्तविक उपस्थिति के बीच भारी अंतर सामने आया था। जांच के दौरान विद्यालय प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन अधिकारियों को जवाब संतोषजनक नहीं लगा।

एमडीएम रजिस्टर भी आया सवालों के घेरे में

जांच रिपोर्ट में एमडीएम रजिस्टर में दर्ज छात्र संख्या और वास्तविक उपस्थिति के बीच भी अंतर होने की बात कही गई है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या कागजों में बढ़ाकर तो नहीं दिखाई जा रही थी। यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो यह मामला केवल विद्यालय स्तर की लापरवाही नहीं बल्कि सरकारी धन के उपयोग और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

जांच और भेजी गयी रिपोर्ट के आधार पर बड़े उठ रहे सवाल

जोकि 296 नामांकन के बावजूद निरीक्षण में केवल 90 छात्र ही क्यों मिले?

एमडीएम रजिस्टर में दर्ज आंकड़े और वास्तविक उपस्थिति में अंतर क्यों पाया गया ?

बीडीओ की रिपोर्ट के बाद भी अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

क्या विभागीय स्तर पर मामले को दबाने का प्रयास हो रहा है या जांच अभी जारी है?

यदि अनियमितता साबित होती है तो जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होगी?

आखिर जिम्मेदार पर अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं

सबसे बड़ा सवाल यह है कि बीडीओ द्वारा विस्तृत जांच रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेजे जाने के बाद भी अब तक कोई स्पष्ट विभागीय कार्रवाई सामने क्यों नहीं आई। क्षेत्र में चर्चा है कि मामला लंबे समय से फाइलों में अटका हुआ है। हालांकि इस संबंध में विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन कार्रवाई में हो रही देरी ने लोगों के बीच कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में अनियमितता सामने आई है तो दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। उनका तर्क है कि शिक्षा और बच्चों के पोषण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सीधे गरीब बच्चों के अधिकारों पर चोट है।

बीडीओ की जांच रिपोर्ट ने विद्यालय में छात्र संख्या और एमडीएम संचालन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब सभी की नजर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की अगली कार्रवाई पर टिकी है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोष तय किए जाते हैं या मामला अन्य कई शिकायतों की तरह फाइलों में ही सीमित होकर रह जाता है।

प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

रायबरेली। छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महराजगंज प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम के नेतृत्व में बुधवार को चलाए गए विशेष जांच अभियान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर चार संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सार्वजनिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में महराजगंज में भी कोचिंग सेंटरों और ई-लाइब्रेरी की व्यापक जांच कराई गई, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संयुक्त जांच टीम में क्षेत्राधिकारी, अग्निशमन विभाग, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल रहे। टीम ने चंदापुर चौराहे स्थित श्री ई-लाइब्रेरी, पावरहाउस के सामने संचालित लक्ष्य ई-लाइब्रेरी, तथा रायबरेली रोड पर संचालित जीवनधारा एवं ज्ञान गंगा कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि चारों संस्थान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे थे।

स्टेशन पर बेची जा रही खुली खाद्य सामग्री दूषित होने से रहता है बीमारी का खतरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । रेलवे स्टेशन पर खुली खाद्य सामग्री बेची जा रही है।रेलवे के हेल्थ इंस्पेक्टर सिर्फ पैक सामान का सैंपल लेकर सफाई शुद्धता की जांच कराते हैं, जबकि यहां पर सब्जी,पूरी,समोसा,कचोड़ी,पकौड़ी सहित अन्य खुले सामानों की नियमित रूप से बि क्री जारी है,जिनकी जांच कभी नहीं की जाती है। दूषित खाद्य सामग्री से लोगों के बीमार होने का ख तरा रहता है।जांच नहीं होने के कारण इसका फा यदा उठाकर स्टॉल संचालक और कैंटीन के कर्म चारी खानपान की घटिया चीजें बेच रहे हैं।रेलवे स्टेशन पर कैंटीन सहित करीब दर्जनों से अधिक स्टॉल संचालित हैं।अलग-अलग कंपनियों के स्टॉ ल पर पानी, शीतल पेय पदार्थ,पैक आइटम सहित सब्जी,पूरी, समोसा, कचोड़ी, ऑमलेट बेचे जा रहे हैं।इनमें से कुछ स्टॉल संचालकों की मनमानी चल रही है।वेंडरों के द्वारा घटिया क्वालिटी के सब्जी बेचकर यात्रियों को ठगा जा रहा है।स्थानीय स्तर पर खानपान की खुली चीजों के सैंपल लेने की व्यवस्था न होने के कारण ठेकेदारों के कर्मचारियों की मनमानी चल रही है।इतना ही नहीं कई जगहों पर खुले में समोसा, पकौड़ी,भटूरा बेचे जा रहे हैं, जिनको ढंककर नहीं रखा जाता है और उन पर मक्खियां बैठती है,जिसमें बीमारी का खतरा ज्या दा रहता है।

स्टॉल के बाहर कर रखा अतिक्रमण

स्टेशन पर स्थित आरपीएफ थाने के पास स्थित स्टॉल के कर्मचारियों ने प्लेटफॉर्म पर अतिक्रमण कर रखा है।खानपान का सामान स्टॉल के बाहर फैला रहता है वही पूरे बेंच पर बैठ कर समोसे भ रा जाता है और अवैध वेंडरो का वहांपर जमवाड़ा लगा रहता है।वही नियम के अनुसार ऐसा करने प र कॉमर्शियल विभाग के अधिकारियों को तुरंत का र्रवाई करनी चाहिए,लेकिन कॉमर्शियल विभाग के अधिकारी स्टॉल के कर्मचारियों पर मेहरबान हैं। सबकुछ देखते हुए भी अंजान बने रहते हैं,कार्रवाई तो दूर नियम विरुद्ध तरीके से स्टेशन पर खानपान का सामान बेचने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

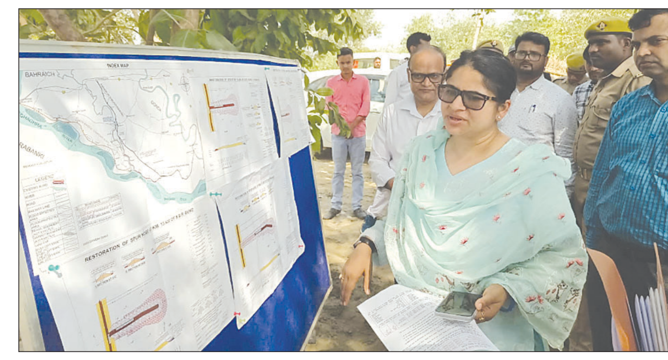

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने तहसील तरबगंज अंतर्गत सकरौर-भिखारीपुर तटबंध तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों सनौली मोहम्मदपुर, गोडियन पुरवा एवं ऐलीपरसौली का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षा एवं बचाव तैयारियों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधि कारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।जिला धिकारी ने तटबंधों की स्थिति, संवेदनशील स्थलों, कटान प्रभावित क्षेत्रों तथा बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने अधिका रियों से कहा कि बरसात के मौसम से पूर्व सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए,ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में जनधन की हानि को रोका जा सके।उन्होंने तटबं धों की नियमित निगरानी करने तथा कमजोर स्थ लों को चिन्हित कर तत्काल आवश्यक मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बरसात से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ चौकियों की स्थापना,राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्ध ता, नावों की व्यवस्था, आपदा प्रबंधन उपकरणों की स्थिति तथा आपातकालीन कार्ययोजना की भी समीक्षा की।उन्होंने कहा कि बाढ़ से संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।उन्होंने अधिकारियों को निर्दे शित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए तथा समय-समय पर आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएं।साथ ही राहत शिविरों,पेयजल,खाद्या न्न एवं चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था,तथा पशु ओं के लिए सभी व्यवस्थायें भी पहले से सुनिश्चित कर ली जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापर वाही स्वीकार नहीं की जाएगी।सभी अधिकारी निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधि कारी आलोक कुमार,उपजिलाधिकारी तरबगंज प्रदीप कुमार,एक्सईएन बाढ़ खण्ड जय सिंह, जि ला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बलहा में हुई क्षेत्र पंचायत बैठक, विकास कार्यों को गति देने पर दिया गया बल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। विकासखंड बलहा सभागार में बुधवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में बलहा विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल उपस्थित रहे। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा बहराइच के जिलाध्यक्ष कृपाराम वर्मा भी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख बलहा विजय कुमार वर्मा ने की। खंड विकास अधिकारी राहुल पांडेय ने विकासखंड में संचालित योजनाओं, विकास कार्यों की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। ग्राम प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास से जुड़े मुद्दों को रखा। जनप्रतिनिधियों ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण और योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में ब्लॉक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

असुरक्षित शैक्षणिक संस्थानों में सैकड़ो छात्रों की जान जोखिम में,आग लगी तो जल जाएंगे 'सपने'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर में असुरक्षा के बीच कोचिंग सेंटर संचा लित किए जा रहे हैं,यहां पर न तो आग से निपटने के लिए कोई इंतजाम हैं और न ही अन्य कोई आ पदा आने से छात्रों की सुरक्षा की इंतजाम हैं।जिस से इन कोचिंग सेंटरों में छात्र-छात्राऐं अफसर बनने के सपने लेकर अपने जान जोखिम में डाल दूसरी और तीसरी मंजिल में बैठ रहे हैं।जहां पर संचाल कों द्वारा कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से कभी कोई घटना हो सकती है।किसी भी व्यक्ति के जीव न में शिक्षा का बहुत अधिक महत्तव होता है। वहीं आजकल के अभिभावक इस बात पर काफी जाग रूक भी नजर आते हैं कि उन्हें अपने बच्चों को ए क बेहतरीन शिक्षा देकर उनका जीवन अच्छा बना ना है। जिसके चलते शहरों में बड़े-बड़े स्कूल और कोचिंग सेंटर भी खोले जा रहे हैं।लेकिन शहर स मेत जिले कोचिंग सेंटर संचालन के लिए मापदंड तय नहीं होने से गली और मोहल्लों में कोचिंग सें टरों का मनमाने ढंग से संचालन हो रहा है। कोई गाइड लाइन नहीं होने से संचालित कई कोचिंग सेंटरों पर स्टूडेंट्स की आवाजाही वाहनों से रास्ते पर जाम की स्थिति बनी रहती है।साथ ही कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं होने से छात्र-छात्राएं भी असुरक्षित रहते हैं।

कोचिंग संस्थान में जरूरी हैं यह व्यवस्थाएं

कोचिंग संस्थान के भवन का क्षेत्रफल कम से कम 300 वर्ग मीटर होना आवश्यक है।संस्थान के बा हर न्यूनतम 40 फीट का मार्ग होना चाहिए। कोचिं ग आने वाले अभ्यर्थियों अभिभावकों के वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग,शिक्षण के लिए प्रयुक्त प्रत्ये क कक्ष में आने-जाने का पृथक द्वार जरूरी हैं,प्रत्ये क तल पर प्रवेश निकास के लिए दो सीढ़ियां होना अनिवार्य है।कोचिंग संस्थान में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग से शौचालय होना आवश्यक है। कोचिंग सेंटरों के लिए प्रस्तावित भवनों में अग्नि शमन संबंधी समस्त प्रावधानों की पालन करना सुनिश्चित करनी जरूरी है।

नहीं है एनओसी और अग्निशमन यंत्र

शहर में करीब सैकड़ो से अधिक कोचिंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं।जिसमें से बडे और प्रदेश स्तरीय कोचिंग सेंटर की संख्या एक दर्जन हैं। इस की हकीकत जानने की कोशिश की गई तो चौका ने वाले हालात सामने आए।शहर के बडे-बडे को चिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी और एनओसी नहीं हैं।पूरे शहर में मात्र दो-तीन सेंटर में एक-एक अग्निश मन सिलेंडर यंत्र रखकर कागजों में सुरक्षा का अह सास कराया जा रहा है।वही फायर विभाग के उप निरीक्षक ने बताया की अब मुझे यह नहीं पता है कि वह फायर का एनओ सी कैसे दे सकते हैं हमा रे यहां से ही दी जाती है वह ऑनलाइन होती है हमारे रिकॉर्ड में कहीं नहीं है हमने अब तक जित नी भी जांच की है हमें एंट्री और एग्जिट एक ही गेट मिला है कोई सेकंड फ्लोर पर तो कोई फर्स्ट फ्लोर पर चल रहा है कोई घटना होने पर लोगों को समस्या हो सकती है,अग्निकांड अगर हो जाता है तो जिले में आगे बड़ी घटना हो सकती है, वही सभी लोगों को निर्देश दिया गया है कि दो एंट्री औ र दो एग्जिट गेट की व्यवस्था करें फायर फाइटिंग व्यवस्था है उसे भी ठीक किया जाए और फिर फा यर विभाग को सूचित करें।

इमाम हुसैन की याद में सबील का इंतजाम, बुधवार रात हुआ अलम और छड़ों का मिलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। आठवीं मुहर्रम के दिन नानपारा में अकीदत और खिदमत के जज्बे के साथ विभिन्न आयोजन किए गए । मुहर्रम इस्लामी इतिहास का अहम महीना है, जिसमें हजरत इमाम हुसैन (र.अ.) की शहादत और उनके द्वारा इंसाफ व सच्चाई के लिए दिए गए संदेश को याद किया जाता है। इसी क्रम में नानपारा के राजा फाटक स्थित शॉप नंबर-2 पर अय्यूब अंसारी की तरफ से सबील का इंतजाम किया गया है। यहां राहगीरों, अकीदतमंदों और नगरवासियों के लिए ठंडे शरबत (सबील) की व्यवस्था की गई है। अय्यूब अंसारी ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि राजा फाटक शॉप नंबर-2 पर पहुंचकर सबील का शरबत ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा और प्यासों को पानी पिलाना इस आयोजन का उद्देश्य है। वहीं आज रात आठवीं मुहर्रम के मौके पर नानपारा के स्टेशन रोड पर छड़ों और अलम का मिलान होगा, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल होंगे। आयोजकों ने सभी नगरवासियों से कार्यक्रमों में शामिल होने और आपसी भाईचारे के साथ मुहर्रम मनाने की अपील की है।

असुरक्षित शैक्षणिक संस्थानों में सैकड़ो छात्रों की जान जोखिम में,आग लगी तो जल जाएंगे 'सपने'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर में असुरक्षा के बीच कोचिंग सेंटर संचा लित किए जा रहे हैं,यहां पर न तो आग से निपटने के लिए कोई इंतजाम हैं और न ही अन्य कोई आ पदा आने से छात्रों की सुरक्षा की इंतजाम हैं।जिस से इन कोचिंग सेंटरों में छात्र-छात्राऐं अफसर बनने के सपने लेकर अपने जान जोखिम में डाल दूसरी और तीसरी मंजिल में बैठ रहे हैं।जहां पर संचाल कों द्वारा कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से कभी कोई घटना हो सकती है।किसी भी व्यक्ति के जीव न में शिक्षा का बहुत अधिक महत्तव होता है। वहीं आजकल के अभिभावक इस बात पर काफी जाग रूक भी नजर आते हैं कि उन्हें अपने बच्चों को ए क बेहतरीन शिक्षा देकर उनका जीवन अच्छा बना ना है। जिसके चलते शहरों में बड़े-बड़े स्कूल और कोचिंग सेंटर भी खोले जा रहे हैं।लेकिन शहर स मेत जिले कोचिंग सेंटर संचालन के लिए मापदंड तय नहीं होने से गली और मोहल्लों में कोचिंग सें टरों का मनमाने ढंग से संचालन हो रहा है। कोई गाइड लाइन नहीं होने से संचालित कई कोचिंग सेंटरों पर स्टूडेंट्स की आवाजाही वाहनों से रास्ते पर जाम की स्थिति बनी रहती है।साथ ही कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं होने से छात्र-छात्राएं भी असुरक्षित रहते हैं।

कोचिंग संस्थान में जरूरी हैं यह व्यवस्थाएं

कोचिंग संस्थान के भवन का क्षेत्रफल कम से कम 300 वर्ग मीटर होना आवश्यक है।संस्थान के बा हर न्यूनतम 40 फीट का मार्ग होना चाहिए। कोचिं ग आने वाले अभ्यर्थियों अभिभावकों के वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग,शिक्षण के लिए प्रयुक्त प्रत्ये क कक्ष में आने-जाने का पृथक द्वार जरूरी हैं,प्रत्ये क तल पर प्रवेश निकास के लिए दो सीढ़ियां होना अनिवार्य है।कोचिंग संस्थान में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग से शौचालय होना आवश्यक है। कोचिंग सेंटरों के लिए प्रस्तावित भवनों में अग्नि शमन संबंधी समस्त प्रावधानों की पालन करना सुनिश्चित करनी जरूरी है।

नहीं है एनओसी और अग्निशमन यंत्र

शहर में करीब सैकड़ो से अधिक कोचिंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं।जिसमें से बडे और प्रदेश स्तरीय कोचिंग सेंटर की संख्या एक दर्जन हैं। इस की हकीकत जानने की कोशिश की गई तो चौका ने वाले हालात सामने आए।शहर के बडे-बडे को चिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी और एनओसी नहीं हैं।पूरे शहर में मात्र दो-तीन सेंटर में एक-एक अग्निश मन सिलेंडर यंत्र रखकर कागजों में सुरक्षा का अह सास कराया जा रहा है।वही फायर विभाग के उप निरीक्षक ने बताया की अब मुझे यह नहीं पता है कि वह फायर का एनओ सी कैसे दे सकते हैं हमा रे यहां से ही दी जाती है वह ऑनलाइन होती है हमारे रिकॉर्ड में कहीं नहीं है हमने अब तक जित नी भी जांच की है हमें एंट्री और एग्जिट एक ही गेट मिला है कोई सेकंड फ्लोर पर तो कोई फर्स्ट फ्लोर पर चल रहा है कोई घटना होने पर लोगों को समस्या हो सकती है,अग्निकांड अगर हो जाता है तो जिले में आगे बड़ी घटना हो सकती है, वही सभी लोगों को निर्देश दिया गया है कि दो एंट्री औ र दो एग्जिट गेट की व्यवस्था करें फायर फाइटिंग व्यवस्था है उसे भी ठीक किया जाए और फिर फा यर विभाग को सूचित करें।

नॉन वेंडिंग जोन में थड़ी और ठेलों की भरमार, प्रशासन मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिला महिलाअस्पताल गुरु नानक चौराहे के पास नॉन वेंडिंग जोन में स्थाई अतिक्रमण आम हो चुका है। जिसके चलते यहां जाम की स्थिति बनी रहती है वहीं नगर पालिका परिषद और ट्रैफिक पु लिस समस्या को लेकर उदासीन बना हुआ है,याता यात की समस्याओं को देखते हुए नगर पालिका प्र शासन की ओर से गुरु नानक चौराहे गुड्डू मल चौरा हे तक नॉन वेंडिंग जोन घोषित किया गया था, इस उम्मीद के साथ कि इन स्थानों पर सड़क पर थड़ी ठेले या फुटकर दुकाने नहीं लगने और सड़को पर केवल वाहनों के प्रयोग में आएगी।ताकि यातायात बाधित ना हो लेकिन गुरु नानक चौराहे से गुड्डू मल चौराहे तक नॉन वेंडिंग जोन अतिक्रमण की मुख्य जगह बने हुए हैं नॉन वेंडिंग जोन के बोर्ड के पास ही दुकानें चल रही हैं।थड़ी और ठेले बेधड़क यहां चल रहे हैं जिसके चलते ऐसे स्थानों पर जाम लगा रहता है।महिला अस्पताल में डिलीवरी के लिए आ ने वाली महिलाएं और एम्बुलेंस जाम में फसी रह ती है।ये आलम गोंडा के प्रमुख बाजारों में देखने को मिल रहा है। इस रास्ते पर भी थड़ी ठेले वालों का जमावड़ा लगा हुआ है एक दुकान के बाहर दो से तीन थड़ी ठेले वाले मौजूद रहते हैं जिससे याता यात तो बाधित है ही, साथ ही व्यापारी भी परेशान है,वहीं इस संबंध में नगर पालिका प्रशासन की ओ र से बार-बार महज एक अभियान चलाने की बात कह कर इतिश्री कर ली जाती है।वही नॉन वेंडिंग जोन में लग रहे जाम से आवागमन बाधित करने व गंदगी आदि फैलाने वालों के विरुद्ध 35 ठेले वाले के खिलाफ कार्रवाई की गई है।फुटफाथ पर ठेले लगाने वालो के खिलाफ कार्रवाई होने पर कु छ तथाकथित लोगो ने पुलिस चौकी पर दबाव ब नाने लगे कि अपने ठेले वालों के खिलाफ क्यों का र्रवाई की है उनको कमाने खाने दीजिये,वही गुरु नानक चौकी ने तथा कथितों के दबाव में काम न करने पर तथा कथितों ने गुरु नानक चौकी प्रभारी के खिलाफ उनके उच्च अधिकारियों से शिकायत कर दी कि ठेले वालों से वसूली कर रहे है,जब इस मामले में गुरु नानक चौकी प्रभारी प्रशांत कुमार पाण्डेय से बात कि गईं तो उन्होंने बताया कि यह आरोप निराधार है उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यातायात बाधित होने के कारण ठेले वालों के खि लाफ कार्रवाई की गई है।

छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महराजगंज प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महराजगंज प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम के नेतृत्व में बुधवार को चलाए गए विशेष जांच अभियान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर चार संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सार्वजनिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में महराजगंज में भी कोचिंग सेंटरों और ई-लाइब्रेरी की व्यापक जांच कराई गई, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संयुक्त जांच टीम में क्षेत्राधिकारी, अग्निशमन विभाग, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल रहे। टीम ने चंदापुर चौराहे स्थित श्री ई-लाइब्रेरी, पावरहाउस के सामने संचालित लक्ष्य ई-लाइब्रेरी, तथा रायबरेली रोड पर संचालित जीवनधारा एवं ज्ञान गंगा कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान पाया गया कि चारों संस्थान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। कई स्थानों पर अग्निशमन संबंधी आवश्यक उपकरण नहीं मिले, वहीं संस्थानों के पास फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) एवं अन्य आवश्यक पंजीकरण दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। छात्रों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर पहलुओं को देखते हुए प्रशासन ने सभी चारों संस्थानों को सील कर दिया।

उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण, फायर एनओसी तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन के किसी भी संस्थान को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसडीएम ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में कस्बे के मॉल, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य भीड़भाड़ वाले संस्थानों में भी सुरक्षा मानकों की विशेष जांच की जाएगी। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान में क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव, एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया, लेखपाल संतोष पटेल सहित पुलिस, राजस्व एवं अग्निशमन विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शादी अनुदान योजना के लंबित आवेदनों का तीन दिन में निस्तारण करें : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समाज कल्याण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, लंबित आवेदनों की स्थिति तथा पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र लाभार्थियों को समय से आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सके। बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास मौर्य ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शादी अनुदान योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पुत्रियों के विवाह हेतु बीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होता है तथा विवाह कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति सहित आवश्यक अभिलेख अपलोड कर आवेदन को अंतिम रूप से सबमिट करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन का प्रिंटआउट आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, वर एवं कन्या के आयु प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है, ताकि सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। बैठक में बताया गया कि योजना के लिए सामान्य वर्ग एवं अनुसूचित जाति के ग्रामीण क्षेत्र के आवेदकों की वार्षिक आय 46,080 रुपये तथा शहरी क्षेत्र के आवेदकों की वार्षिक आय 56,460 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन विवाह की निर्धारित तिथि से नब्बे दिन पूर्व से लेकर नब्बे दिन बाद तक किया जा सकता है। एक परिवार अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह हेतु योजना का लाभ प्राप्त कर सकता है। साथ ही विवाह के समय कन्या की आयु कम से कम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिलाओं एवं दिव्यांग आवेदकों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अभ्युदय योजना की भी हुई समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के अंतर्गत कुल पांच सौ पैंसठ आवेदन प्राप्त हुये हैं, जिनमें से दो सौ पैंतालिस आवेदन अग्रसारित किए जा चुके हैं जबकि तीन सौ आवेदन विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित खंड विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में उपजिलाधिकारी द्वारा सत्यापन एवं जांच की जाती है, जिसके उपरांत आवेदन अग्रसारित किए जाते हैं।लंबित आवेदनों की संख्या पर गंभीरता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित खंड विकास अधिकारियों एवं एसडीएम को निर्देश दिया कि तीन दिन के भीतर सभी लंबित आवेदनों की जांच पूर्ण कर उन्हें अग्रसारित किया जाए, ताकि जनपद स्तर पर रैंडम जांच की प्रक्रिया समय से पूरी की जा सके और पात्र लाभार्थियों को लाभ मिलने में अनावश्यक विलंब न हो। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की भी समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय तथा पात्र लाभार्थियों एवं विद्यार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास मौर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.एन. यादव, समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेंट की पुस्तक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चम्पावत।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दो दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान टनकपुर पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने ज्ञान के प्रतीक के रूप में उन्हें एक पुस्तक और गुलदस्ता भेंट किया। मुख्यमंत्री के जनपद आगमन पर प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चम्पावत, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने माल्यार्पण कर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया।पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंट करते हुए कहा कि पुस्तकें समाज को ज्ञान और सही दिशा देती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की और जनपद चम्पावत में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसपी द्वारा भेंट की गई पुस्तक और गुलदस्ते के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। इस दौरान जिले के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण को विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है।

अधिवक्ता परिषद अवध इकाई सुल्तानपुर की मासिक बैठक संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। दिनांक 24 जून 2026 को अधिवक्ता परिषद अवध इकाई, सुल्तानपुर की मासिक बैठक इकाई के अध्यक्ष के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय पदाधिकारी अनिल दुबे, एडवोकेट (प्रांतीय उपाध्यक्ष) एवं अजय त्रिपाठी, एडवोकेट, हाईकोर्ट (प्रांतीय मंत्री) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में न्याय प्रवाह के अधिकाधिक सदस्य बनाए जाने पर बल दिया गया तथा स्वाध्याय मंडल की नियमित बैठकें आयोजित करने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। केंद्रीय कार्यालय के निर्माण हेतु इकाई का अंशदान अध्यक्ष द्वारा अपने खाते से प्रेषित कर उसका स्क्रीनशॉट प्रांतीय कोषाध्यक्ष को भेजा गया।

बैठक में संगठन के विस्तार हेतु अधिकाधिक नए अधिवक्ताओं को परिषद से जोड़ने पर जोर दिया गया तथा न्याय केंद्र स्थापित करने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष हरिश्चंद्र दुबे, महामंत्री सर्वेश कुमार मिश्र, एडवोकेट, उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्र, एडवोकेट, मंत्री संतोष कुमार मिश्र, एडवोकेट, मंत्री बाल मुकुंद लाल श्रीवास्तव, एडवोकेट, मंत्री श्रीमती सोनम यादव, कोषाध्यक्ष राम आशीष सरोज, संतोष कुमार पाठक, एडवोकेट, नितेश कुमार मिश्र, एडवोकेट तथा अतुल कुमार यादव, एडवोकेट उपस्थित रहे।

अंत में अध्यक्ष द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया।

बरसों का इंतजार खत्म: अधिवक्ताओं के संघर्ष से शुरू हुआ जर्जर तहसील भवन का ध्वस्तीकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।तहसील परिसर में वर्षों से खंडहर की शक्ल में खड़े पुराने जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है लंबे समय से अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और वादकारियों के लिए खतरा बने इस भवन को हटाने की मांग लगातार उठाई जा रही थी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत सक्सेना के निरंतर प्रयासों और संघर्ष के बाद अब इस दिशा में ठोस कार्रवाई शुरू हो सकी है वर्षों से अधर में लटकी इस प्रक्रिया के शुरू होने से अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है तहसील परिसर में स्थित यह भवन काफी समय से जर्जर अवस्था में था भवन की दीवारों और छत से प्लास्टर गिरने की घटनाएं भी सामने आ चुकी थीं भवन के आसपास बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के चैंबर होने के कारण हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती थी बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती थी, जिससे अधिवक्ताओं और वादकारियों में भय का माहौल बना रहता था इस गंभीर समस्या को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत सक्सेना लगातार प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहे उन्होंने कई बार एसडीएम और डीएम को ज्ञापन देकर भवन की नीलामी और ध्वस्तीकरण की मांग की इसके अलावा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शासन स्तर तक मामला पहुंचाया गया मुख्यमंत्री से मिलकर पुराने भवन की जगह आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए अधिवक्ता चैंबरों के निर्माण की मांग भी की गई थी पिछले वर्ष भवन की नीलामी कराई गई थी, जिसमें एक ठेकेदार ने करीब 21 लाख रुपये की सर्वोच्च बोली लगाई थी लेकिन नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद भवन को ध्वस्त नहीं कराया जा सका बाद में संबंधित ठेकेदार ने कार्य करने से इनकार करते हुए अपनी जमानत राशि जब्त कराने की बात कही, जिसके बाद पूरी नीलामी प्रक्रिया निरस्त करनी पड़ी इस मामले को लेकर तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हुए थे अधिवक्ताओं का कहना था कि यदि समय रहते कार्रवाई होती तो अब तक यह खतरनाक भवन हट चुका होता बीते दिनों समाधान दिवस में भी अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर दोबारा नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई इस बार करीब 12 लाख रुपये में पुराने खंडहर हो चुके तहसील भवन का ठेका दिया गया और अब ध्वस्तीकरण का कार्य शुरू हो गया है वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत सक्सेना ने कहा कि अधिवक्ताओं और आम वादकारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि वर्षों के संघर्ष और लगातार किए गए प्रयासों के बाद आखिरकार यह महत्वपूर्ण कार्य शुरू हो सका है उन्होंने उम्मीद जताई कि पुराने भवन के ध्वस्तीकरण के बाद जल्द ही वहां नए अधिवक्ता चैंबरों का निर्माण कराया जाएगा, जिससे अधिवक्ताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और तहसील परिसर का स्वरूप भी आधुनिक एवं व्यवस्थित बन सकेगा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय व आर्थिक सहायता की उठाई मांग

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रजि की तहसील इकाई ने बिहार के भोजपुर निवासी भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपा महासभा ने मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग उठाते हुए घटना से जुड़े सभी तथ्यों को सार्वजनिक करने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की ज्ञापन में कहा गया कि भरत तिवारी की मृत्यु से जुड़ी परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं विभिन्न माध्यमों से सामने आई जानकारियों के आधार पर आत्मसमर्पण के बाद एनकाउंटर किए जाने जैसी बातें चर्चा में हैं, ऐसे में पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है महासभा ने मांग की कि जांच के दौरान यदि कोई पुलिस अधिकारी अथवा प्रशासनिक कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ विधिसम्मत और कठोर कार्रवाई की जाए संगठन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का शासन, मानवाधिकारों की रक्षा और न्यायिक प्रक्रिया का पालन सर्वोपरि है तथा प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष हरगोविंद बाजपेई, तहसील महामंत्री नवनीत मिश्रा, तहसील उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, सुनील मिश्रा, हरिओम पाण्डेय, संजय पाण्डेय, संजय मिश्रा, तहसील मंत्री रजनीश पाण्डेय, मानस शुक्ला, नगर अध्यक्ष गौरव पाण्डेय, नगर महामंत्री विवेक तिवारी, गौरव दीक्षित, अनुपम पाण्डेय, तनु मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे हैं।

एसपी चम्पावत की समीक्षा बैठक, गुमशुदा और अज्ञात शवों के मामलों में दिए सख्त निर्देश

चम्पावत कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्राधिकारियों, समस्त थाना प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में लंबित मामलों की प्रगति और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई।एसपी रेखा यादव ने गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र बरामदगी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गुमशुदगी के मामले में त्वरित कार्रवाई की जाए और परिजनों से लगातार संपर्क रखा जाए। अज्ञात शवों की त्वरित शिनाख्त के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। इसके लिए सोशल मीडिया, आसपास के जिलों और राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।एसपी ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस और साइबर सेल की मदद से मामलों का जल्द खुलासा किया जाए। डीएनए सैंपल के उचित संरक्षण और समय से एफएसएल भेजने के निर्देश भी दिए।बैठक में थाना स्तर पर गुमशुदा व अज्ञात शवों के लिए विशेष टीमें गठित करने को कहा गया। एसपी ने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने जनता से भी अपील की कि गुमशुदा या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

देवहा नदी निकट मुक्तिधाम पर मॉक एक्सरसाइज का किया गया आयोजन

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। देवहा नदी निकट मुक्तिधाम पीलीभीत में बाढ़ मॉक एक्सरसाइज में जिला प्रशासन, तहसील प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग और जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, एस0डी0आर0एफ0, आपदा मित्रों, नागरिक सुरक्षा विभाग के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनने के उद्देश्य से मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।बाढ़ मॉक ड्रिल में संसाधनों और उपकरणों की क्रियाशीलता की जांच करते हुये बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों जैसे-नाव, लाइफ जैकेट, सर्च लाइट, ओबीएम इंजन और संचार उपकरणों की कार्यक्षमता को परखा गया। खोज और बचव कौशल का अभ्यास के माध्यम से एस0डी0आर0एफ0 व स्थानीय गोताखोरों द्वारा पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने और उन्हें सुरक्षित राहत शिविरों तक पहुंचाने का व्यावहारिक अभ्यास किया गया। एस0डी0आर0एफ0 टीम के उपनिरीक्षक विशाल मौर्या व उनके टीम के अन्य सदस्य द्वारा बाढ़ मॉकड्रिल में मोटर बोट एवं रिमोट कंट्रोल लाइफ ब्वाय तकनीक का प्रयोग करते हुये डूबते हुये ग्रामीणों को सुरक्षित रेस्क्यू कर प्रर्दशन किया गया। तदोपरान्त मेडिकल टीम द्वारा प्राथमिक उपचार ;थ्पतेज ।पकद्ध प्रदान कर अभ्यास किया गया।मॉक अभ्यास के दौरान जिले के अपर जिलाधिकारी प्रसून द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट, विजय वर्धन तोमर, उपजिलाधिकारी सदर श्रद्धा सिंह,नायब तहसीलदार ऋषि मिश्रा, प्रखर सिंह, परितोष द्विवेदी, आपदा विशेषज्ञ भगवती प्रसाद,लेखपाल पुनीत यादव,अनवर अली, चन्द्रभान अन्य काफी संख्या में जनपद के सम्बन्धित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

पत्रकारों ने लखनऊ अग्निकांड में दिवंगत छात्रों को नम आंखों से किया याद

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ में हुए दर्दनाक कोचिंग अग्निकांड में असमय काल के गाल में समाए छात्रों की स्मृति में आज जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के बैनर तले जिले के पत्रकारों एवं समाजसेवियों द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंडल सचिव के निर्देशन एवं जिलाध्यक्ष की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने कैंडल जलाकर दिवंगत छात्रों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस हृदयविदारक घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। जिन छात्रों ने अपने भविष्य और सपनों को संवारने के लिए कोचिंग का रास्ता चुना था, उनका इस तरह असमय चले जाना बेहद पीड़ादायक और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। कार्यक्रम में जिले के समाजसेवी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पत्रकार राकेश शर्मा, नीरज तिवारी, शरद श्रीवास्तव, दीपक मिश्रा, रामानंद मिश्रा, राजदेव शुक्ला, रामराज पाण्डेय, अफ्तार अहमद, मो. अरबाब, विजय धर पाठक, कृतेश सेन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभा के अंत में सभी ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सामूहिक अपील भी की।

लखनऊ अग्निकांड के बाद पूरनपुर में चला जांच अभियान,कई कोचिंग सेंटरों पर सुरक्षा इंतजाम नदारद

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड और उसमें 15 से अधिक बच्चों की मौत के बाद प्रदेशभर में चल रहे सुरक्षा जांच अभियान के तहत बुधवार को पूरनपुर प्रशासन भी अलर्ट मोड में नजर आया उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह और प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय ने शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की पड़ताल की प्रशासनिक टीम ने रजिस्ट्री ऑफिस रोड और खनका नगर क्षेत्र स्थित प्रमुख कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया अधिकारियों ने फायर एनओसी, इमरजेंसी एग्जिट, प्रवेश और निकास मार्गों के अलावा अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता की जांच की संचालकों से सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव, प्रशिक्षित स्टाफ और आपातकालीन व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली गई ।

राम मंदिर चढ़ावा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर कंग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। अयोध्या धाम स्थित भगवान श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे को लेकर सामने आए कथित अनियमितता, गबन और चोरी के आरोपों की जांच की मांग को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सुल्तानपुर ने प्रदर्शन किया और राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला और इस दौरान विभिन्न नारों के माध्यम से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट एवं सिटी मजिस्ट्रेट ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में ज्ञापन प्राप्त कर राज्यपाल तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन में कंग्रेस ने कहा कि भगवान श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं चढ़ावे के रूप में प्राप्त होती हैं। ऐसे में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप गंभीर विषय हैं और इनकी स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए। कंग्रेस की ओर से मांग की गई कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, मंदिर ट्रस्ट और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा की जाए, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि सरकार को इस संवेदनशील विषय पर पारदर्शिता बनाए रखते हुए जनता के सामने तथ्य रखने चाहिए। उनका कहना था कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच आवश्यक है और यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं शहर अध्यक्ष ने कहा कि भगवान राम देश की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना के प्रतीक हैं और यदि चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर कोई सवाल उठते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। कंग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी आगे जनजागरण अभियान और आंदोलन चलाने पर विचार करेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता हौशला प्रसाद भीम, सलाहुद्दीन हाशमी, रणजीत सिंह सलूजा, निकलेश सरोज, सुब्रत सिंह सनी, अतहर नवाब, मनोज कुमार तिवारी, मो. कमर खान सहित बड़ी संख्या में कंग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योग, खेल और संस्कार का संगम: प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग में गूंजा अनुशासन और राष्ट्रभावना का स्वर

पूरनपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, ब्रज प्रदेश द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रांतीय शारीरिक एवं योग प्रशिक्षण वर्ग (सत्र 2026-27) के द्वितीय दिवस पर योग, शारीरिक शिक्षा, खेल गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रशिक्षार्थियों ने अनुशासित वातावरण में विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रातःकालीन सत्र में क्षेत्रीय योग संयोजक कमल प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया गया प्रदेश योग प्रमुख सुभाष कुमार, योग शिक्षिका चंचल रानी एवं लोकेंद्र का विशेष सहयोग रहा प्रथम और द्वितीय सत्र में पूर्व प्रदेश निरीक्षक एवं क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा संयोजक होडल सिंह तथा प्रांतीय योग शिक्षा संयोजक सुभाष कुमार ने शारीरिक शिक्षा, योग के महत्व, अष्टांग योग तथा वार्षिक कार्य योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने वृक्षारोपण कर दिया स्वच्छता का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल पूरनपुर ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। नगर अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए।कार्यक्रम में व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। नगर अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र एकता और अखंडता के प्रतीक थे। उनके बलिदान दिवस पर हम सबने संकल्प लिया है कि पर्यावरण बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे। एक पौधा लगाने से धरती हरी-भरी होगी और आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा मिलेगी।उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों के सामने और घरों में फलदार व छायादार वृक्ष अवश्य लगाएं। साथ ही स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। प्रदीप शुक्ला ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान तभी सफल होगा जब हर नागरिक अपने आसपास साफ-सफाई रखेगा और कूड़ा कचरा निपटान के नियमों का पालन करेगा।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। व्यापारियों ने संकल्प लिया कि वे राष्ट्रसेवा और पर्यावरण रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

नशे के कथित कारोबार के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

एसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के बघराजपुर मोहल्ले में कथित रूप से चल रहे नशे के कारोबार के विरोध में स्थानीय महिलाएं एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं। महिलाओं ने शिकायती पत्र सौंपकर इलाके में नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की। शिकायत लेकर पहुंचीं महिलाओं ने अपनी बारी का इंतजार किया और बाद में अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह के सामने अपनी बात रखी। महिलाओं का आरोप है कि मोहल्ले में लंबे समय से नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार चल रहा है, जिससे स्थानीय लोगों खासकर महिलाओं और बच्चों का जीवन प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने बताया कि सुबह से शाम तक कथित तौर पर नशे के खरीदारों और संदिग्ध लोगों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ लोगों पर पहले भी कार्रवाई और जेल भेजे जाने की प्रक्रिया हो चुकी है, लेकिन रिहाई के बाद फिर से गतिविधियां शुरू होने की बात सामने आ रही है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्थानीय महिलाओं का कहना है कि वे अपने मोहल्ले में सुरक्षित और नशामुक्त वातावरण चाहती हैं और प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने की उम्मीद कर रही हैं।

सम्पादकीय

कब जागेगा तंत्र

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है? वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है?

संविधान की हत्या करने वालों का गजब तमाशा

कांग्रेस नेताओं की तानाशाही प्रवृत्ति, संविधान के प्रति अनादर का भाव, स्वयं को श्रेष्ठ और संविधान और कानून से ऊपर मानने के प्रवृत्ति वाला रोग नया नहीं पुराना है। संविधान की हत्या और लोकतंत्र का गला घोटने का पाप कांग्रेस ने किया। आज राहुल गांधी, कांग्रेस के नेता या विपक्ष के कई नेता जब मोदी सरकार पर तानाशाही और संविधान की हत्या करने का आरोप लगाते हैं तो पता नहीं वो ये क्यों भूल जाते हैं कि इंदिरा गांधी ने निहत्थे साधु-संतों पर गोलियां चलवाई थी; इमरजेंसी थोपी थी; इंदिरा ने अकाल तख्त पर सेना की चढ़ाई थी। 1984 में निहत्थे और बेगुनाह सिखों को चुन-चुनकर कांग्रेसियों ने ही बेरहमी से मारा था। अनुच्छेद 356 का सबसे ज्यादा दुरुपयोग कांग्रेस के शासन में हुआ। जब 90 बार से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया। इसमें से सिर्फ इंदिरा गांधी ने अनुच्छेद-356 का 50 बार इस्तेमाल किया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बात बात पर संविधान और लोकतंत्र की हत्या का जुमला दोहराते हैं। लाल जिल्द वाली संविधान की किताब पकड़कर वो संविधान रक्षक होने का दावा भी करते हैं। संविधान, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्रता आदि जैसी बातें जब राहुल गांधी या कांग्रेस का कोई नेता करता है, तो वो अपने बुर्जुगों और नेताओं के कर्मों और कारनामों को भूल जाते हैं। संविधान और लोकतंत्र की हत्या के दर्जनों उदाहरण ऐसे हैं, जो कांग्रेस के शासन में हुए।

25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में जाना जाता है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता खोने के डर की वजह से कैबिनेट से चर्चा किए बगैर देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। इमरजेंसी की घोषणा करने के बाद इंदिरा गांधी सोने चली गई और पुलिस देश के कोने-कोने में विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों को जगा कर उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। उसी रात दिल्ली के अखबारों के प्रिंटिंग प्रेस की लाइनें काट दी गईं। सभी समाचार पत्रों पर पूर्व-सेंसरशिप लगा दी गई। संपादकों को समाचार, संपादकीय और तस्वीरें प्रकाशित करने से पहले सरकारी मंजूरी लेना आवश्यक था। समाचार पत्रों को उनके संपादकीय रुख और कवरेज के आधार पर 'मित्रवत', 'तटस्थ' या 'शत्रुतापूर्ण' के रूप में लेबल किया गया था।

आपातकाल के दौरान संसद ने अनेक संवैधानिक संशोधन पारित किये, जिनसे न्यायिक समीक्षा और संस्थागत जांच कमजोर हो गयी। तब इंदिरा गांधी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी माने जा रहे संजय गांधी ने राजनीतिक ताकतों का खुलकर इस्तेमाल किया और वो 'छोटे सरकार' कहे जाने लगे। कई नीतियां और सरकारी गतिविधियां सीधे तौर पर संजय गांधी चला रहे थे, जिनमें एक था परिवार नियोजन। परिवार नियोजन के नाम पर आम लोगों के साथ ज्यादतियां हुईं और दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में लोगों की जबरन नसबंदी करवा दी गई। इमरजेंसी के 21 महीनों में में 1.07 करोड़ नसबंदी ऑपरेशन किए गए। कई राज्यों ने आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को नसबंदी से जोड़ दिया। अगर लोगों के दो या तीन से ज़्यादा बच्चे हैं और वे नसबंदी कराने से इनकार करते थे, तो उन्हें राशन, आवास, नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और ऋण देने से मना कर दिया जाता था। इस अवधि के दौरान 25,962 सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया।

कांग्रेस नेताओं की तानाशाही प्रवृत्ति, संविधान के प्रति अनादर का भाव, स्वयं को श्रेष्ठ और संविधान और कानून से ऊपर मानने के प्रवृत्ति वाला रोग नया नहीं पुराना है। संविधान की हत्या और लोकतंत्र का गला घोटने का पाप कांग्रेस ने किया। आज राहुल गांधी, कांग्रेस के नेता या विपक्ष के कई नेता जब मोदी सरकार पर तानाशाही और संविधान की हत्या करने का आरोप लगाते हैं तो पता नहीं वो ये क्यों भूल जाते हैं कि इंदिरा गांधी ने निहत्थे साधु-संतों पर गोलियां चलवाई थी; इमरजेंसी थोपी थी; इंदिरा ने अकाल तख्त पर सेना की चढ़ाई थी। 1984 में निहत्थे और बेगुनाह सिखों को चुन-चुनकर कांग्रेसियों ने ही बेरहमी से मारा था। अनुच्छेद 356 का सबसे ज्यादा दुरुपयोग कांग्रेस के शासन में हुआ। जब 90 बार से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया। इसमें से सिर्फ इंदिरा गांधी ने अनुच्छेद-356 का 50 बार इस्तेमाल किया। केरल की चुनी हुई वामपंथी सरकार को जवाहरलाल नेहरू पसंद नहीं करते थे। उन्होंने कुछ ही समय में चुनी हुई पहली सरकार को घर भेज दिया। तमिलनाडु के एमजीआर और करुणानिधि की सरकार को भी कांग्रेस ने ही बर्खास्त किया था। मोदी सरकार के 12 साल के शासन में एक भी ऐसा वाकया बता दीजिए जिसकी तुलना आप किसी कांग्रेस प्रधानमंत्री के कारनामों से कर सकें। मोदी शासन में दिल्ली में किसान आंदोलनकारियों के उग्रता के जवाब में पुलिस ने एक डंडा भी नहीं चलाया। जबकि 12 जनवरी 1998 को मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई में मुआवजा मांग रहे किसानों पर कांग्रेस की दिग्विजय सिंह की सरकार ने गोली चलाई थी। उस समय पुलिस फायरिंग में 24 किसान मारे गए और 150 घायल हुए थे। जनवरी 2022 को पीएम मोदी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के दौरे पर थे एक फ्लाईओवर पर प्रदर्शनकारियों ने उनका रास्ता रोक लिया और 15-20 मिनट के लंबे इंतजार के बाद प्रधानमंत्री का काफिला वापस एयरपोर्ट की तरफ लौट पाया। उस समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी। साजिशन पीएम की जान को खतरे में डाला गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने कहा,''ये जो नरेंद्र मोदी भाषण दे रहा है, छह महीने बाद ये घर से बाहर नहीं निकल पाएगा। हिन्दुस्तान के युवा इसको ऐसा डंडा मारेंगे, इसको समझा देंगे कि हिन्दुस्तान के युवा को रोजगार दिए बिना ये देश आगे नहीं बढ़ सकता।'' 19 अगस्त 2025 को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने एक सभा में कहा, 'तीनों चुनाव आयुक्त सुन लें। अभी नरेंद्र मोदी की सरकार है और आप उनके लिए काम कर रहे हैं। लेकिन एक दिन आएगा, जब बिहार और दिल्ली में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार होगी, फिर हम आप तीनों को देखेंगे। 4 फरवरी 2022 को यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता अजय राय ने एक सभा में कहा था कि बोरी में नमक भर के तैयार रखिये आप सभी, योगी और मोदी को 7 मार्च को उसी बोरी में डाल कर जमीन के अंदर गाड़ देंगे। नमक का सही उपयोग यही है।ङ्क कांग्रेस पार्टी के 20 जून 2022 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि, अगर प्रधानमंत्री हिटलर के रास्ते पर चलेंगे तो वह हिटलर की मौत मरेंगे।

ये चंद उदाहरण हैं। असल में, कांग्रेस के नेता संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं, संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों और कानून के प्रति अनादर का भाव रखते हैं। ये समय-समय पर प्रकट होता रहता है। वे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग यानी संविधान, संवैधानिक संस्थाओं और व्यक्तियों का अपमान अपनी शान समझते हैं। ऐसा करके वो ये साबित करना चाहते हैं कि वे देश, संविधान और कानून से ऊपर हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस के नेता आज भी किसी ने किसी तरह इमरजेंसी को सही ठहराने की कोशिश करतेहैं। ऐसा करते समय वो अपने नेताओं के कदमों पर ही चलते दिखाई देते हैं। आपातकाल के संदर्भ में कैथरीन फ्रैंक की किताब ''इंदिराः द लाइफ ऑफ इंदिरा नेहरू गांधी''के अनुसार, इंदिरा ने सिद्धार्थ शंकर रे से कहा, ''जब एक बच्चा पैदा होता है तो ये देखने के लिए कि बच्चा ठीक है या नहीं, हम उसे हिलाते हैं। भारत को भी इसी तरह हिलने की जरूरत है।'' बाद में एक इंटरव्यू में इंदिरा ने कहा था कि देश को बचाए रखने के लिए 'शॉक ट्रीटमेंट' की जरूरत थी। असल में, संविधान की किताब लेकर घूमने वाले नकली संविधान रक्षकों का चरित्र और चेहरा देशवासी पहचान चुके हैं। इसलिये चुनाव दर चुनाव उन्हें जनता शॉक देकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रही है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

डॉ हेडगेवार, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और बंगाल

डॉ. पंकज जगन्नाथ

हाल ही में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव न केवल भाजपा की एक और जीत थी बल्कि आंतरिक और बाहरी विरोधियों के लिए बड़ी हार भी थे। यह चुनाव न केवल पश्चिम बंगाल के लिए बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भी बहुत अहम था। बंगाल के लोग, खासकर हिंदू, उन राजनीतिक दलों के खिलाफ अपनी एकता के लिए तारीफ के हकदार हैं जिन्होंने राज्य की अखंडता से समझौता किया है। यह बदलाव जनसंघ के समय से ही रा.स्व. संघ और भाजपा की कोशिशों का नतीजा है। दशकों से किए गए बड़े काम को पहचानना ज़रूरी है।

पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच का रिश्ता आज के राजनीतिक माहौल तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता सीधे तौर पर संघ के बनने और जनसंघ की नींव रखे जाने से पहले के समय से जुड़ा है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की वैचारिक सोच और बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक भूमिका, दोनों ही पश्चिम बंगाल से जुड़ी रही है।

1910 में जब युवा केशव बलिराम हेडगेवार मेडिकल की पढ़ाई के लिए कलकत्ता (अब कोलकाता) गए, तो बंगाल भारत में क्रांतिकारी आंदोलनों का मुख्य गढ़ था। डॉ. हेडगेवार देशभक्ति की भावना से भरे हुए थे इसलिए कलकत्ता जाने के बाद वे वहाँ के मशहूर क्रांतिकारी संगठन 'अनुशीलन समिति' के सीधे संपर्क में आए। कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के दौरान, उन्होंने न केवल मेडिकल की पढ़ाई की बल्कि उस समय के प्रमुख क्रांतिकारियों के साथ देश सेवा के काम में भी शामिल हुए। वे बिपिन चंद्र पाल, पुलिन बिहारी दास और रास बिहारी बोस जैसे नेताओं के विचारों से प्रभावित थे। उस दौरान, उन्होंने क्रांति की कई गुप्त गतिविधियों में सीधे और परोक्ष रूप से हिस्सा लिया। कलकत्ता की धरती से डॉ. हेडगेवार को मिली संगठनात्मक प्रेरणा और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा लगाए गए जनसंघ के बीज इस इतिहास का पहला हिस्सा हैं। हालाँकि, बाद के समय में इन विचारों ने बंगाल की धरती पर अपनी पकड़ कैसे मजबूत की और लेफ्ट-तृणमूल की कड़ी चुनौतियों के बावजूद बीजेपी ने वहाँ जो राजनीतिक जीत हासिल की, वह आधुनिक भारत के इतिहास का एक बहुत महत्वपूर्ण चरण है। खिलाफत आंदोलन के दौरान कांग्रेस की भूमिका और मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरुआत ने डॉ. हेडगेवार को परेशान किया। उनका मानना था कि समाज की अंदरूनी कमियों, जैसे जाति-भेदभाव और कमज़ोरी को दूर किए बिना राष्ट्र मज़बूती से खड़ा नहीं हो सकता। यह सोचते हुए कि ''आज़ादी पाना जितना ज़रूरी है, उसे बनाए रखने के लिए समाज में अनुशासन, चरित्र और संगठन भी उतने ही ज़रूरी हैं,'' वे क्रांतिकारी रास्तों और राजनीतिक आंदोलनों से आगे बढ़े और 25 सितंबर 1925 (विजयादशमी) को नागपुर में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' की स्थापना की। यह बंगाल में मिले अनुभवों और वैचारिक मंथन का नतीजा था। संघ के बनने के कुछ दशकों बाद, बंगाल एक बार फिर इस विचारधारा से मज़बूती से जुड़ा और वह नाम था डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा वाइस-चांसलर और कट्टर राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने बंगाल के बंटवारे के समय हिंदुओं की रक्षा में अहम भूमिका निभाई। आज़ादी के बाद वे नेहरू की पहली कैबिनेट में उद्योग मंत्री थे, लेकिन नेहरू-लियाकत समझौते और अनुच्छेद 370 (जिसने कश्मीर को विशेष दर्ज़ा दिया था) के विरोध में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उस समय, उन्हें एक ऐसे राजनीतिक विकल्प की ज़रूरत थी जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की वकालत करे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी (माधव सदाशिव गोलवलकर) से बात की। संघ ने डॉ. मुखर्जी की मदद के लिए अपने कुछ प्रमुख स्वयंसेवकों, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी शामिल थे, को भेजा।

कश्मीर के पूरी तरह विलय के लिए डॉ. मुखर्जी के इस ऐलान 'एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशाण नहीं होंगे' ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। कश्मीर में आंदोलन के दौरान उनकी रहस्यमयी मौत ने पूरे देश में राष्ट्रवाद की एक ज़बरदस्त लहर पैदा कर दी। 1947 के बंटवारे के बाद, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से लाखों हिंदू शरणार्थी पश्चिम बंगाल आए। उस बेहद मुश्किल समय में, स्वयंसेवकों ने सीमा पर और कलकत्ता के कैंपों में राहत शिविर शुरू किए।

सेहत मंत्र

सात रोगों की एक स्वादिष्ट दवा है जामुन का रस

खट्टे-मीठे जामुन खाने में जितने स्वादिष्ट लगते है, इसके फायदे भी उतने ही बेहतरीन है। जामुन को कई तरीकों से खाया जाता है कभी ऊपर से काला नमक लगाकर तो कभी उसका रस बनाकर भी कई लोग पीना पसंद करते हैं। आइए, आपको बताते हैं जामुन का रस पीने से मिलने वाले बेहतरीन लाभ -

भूख न लगना - अगर आपको भूख कम लगती है या आजकल भूख लग ही नहीं रही, तो एक बार जरूर इस स्वादिष्ट उपाय को आजमा लीजिए। कुछ दिनों तक इस का सेवन कीजिए और जादुई लाभ खुद देखिए।

कब्ज - कब्ज के अलावा पेट के अन्य रोगों में भी जामुन का रस बेहद फायदेमंद है। खास तौर से जामुन का सिरका इन रोगों के लिए अमृत के समान असर करता है।

मधुमेह - मधुमेह यानि डायबिटीज के रोगियों के लिए जामुन का रस काफी लाभदायक है। जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में लाभ होता है।

उल्टी दस्त - जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर ढाई किलोग्राम चीनी मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक ढक्कनदार साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।

शारीरिक दुर्बलता - जामुन का रस, शहद, आंवले या गुलाब के फूल का रस बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से रक्त की कमी एवं शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। यौन तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ जाती है।

यह त्वचा का रंग बनाने वाली रंजक द्रव्य मेलानिन कोशिका को सक्रिय करता है, अतः यह रक्तहीनता तथा ल्यूकोडर्मा की उत्तम औषधि है। इसके अलावा जामुन यकृत को शक्ति प्रदान करता है और मूत्राशय में आई असामान्यता को सामान्य बनाने में सहायक होता है।

मुंह में छाले होने पर जामुन का रस लगाएं, जामुन का रस तिल्ली के रोग में हितकारी है। वहीं विषैले जंतुओं के काटने पर जामुन के रस के साथ जामुन की पत्तियों का रस भी पिलाना चाहिए।

धर्म मंत्र

घर की शुद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए कराएं हवन, होंगे ये फायदे

कई शोध ये बात साबित कर चुके है कि हवन न केवल वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने हैं, बल्कि अच्छी सेहत के लिए भी जरूरी है। हवन के धुएं से प्राण में संजीवनी शक्ति का संचार होता है। हवन के माध्यम से बीमारियों से छुटकारा पाने का जिक्र ऋग्वेद में भी है। हवन के लिए पवित्रता की जरूरत होती है ताकि सेहत के साथ उसकी आध्यात्मिक शुद्धता भी बनी रहे। हवन करने से पूर्व स्वच्छता का ख्याल रखें। हवन के लिए आम की लकड़ी, बेल, नीम, पलाश का पौधा, कलीगंज, देवदार की जड़, गूलर की छाल और पत्ती, पीपल की छाल और तना, बेर, आम की पत्ती और तना, चंदन की लकड़ी, तिल, जामुन की कोमल पत्ती, अश्वगंधा की जड़, तमाल यानि कपूर, लौंग, चावल, ब्राम्ही, मुलैठी की जड़, बहेड़ा का फल और हर्रे तथा घी, शकर जौ, तिल, गुगल, लोभान, इलायची एवं अन्य वनस्पतियों का बूरा उपयोगी होता है। हवन के लिए गाय के गोबर से बनी छोटी-छोटी कटोरियां या उपले घी में डूबो कर डाले जाते हैं। हवन से हर प्रकार के 94 प्रतिशत जीवाणुओं का नाश होता है, अतः घर की शुद्धि तथा सेहत के लिए प्रत्येक घर में हवन करना चाहिए। हवन के साथ कोई मंत्र का जाप करने से सकारात्मक ध्वनि तरंगित होती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, अतः कोई भी मंत्र सुविधानुसार बोला जा सकता है।

पर्यटन

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर के लिए जाएं अंडमान-निकोबार

छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है। बेस्ट टाइम- 572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे। साफ-सुंदर बीच- पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफ़ेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें। एलीफेंट बीच- यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। राधानगर बीच- हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफ़ेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

तालाब बना कूड़ाघर: करोड़ों की स्वच्छता योजनाओं पर सवाल, आरआरसी सेंटर बने शोपीस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। केंद्र और प्रदेश सरकार की स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजनाओं पर विकासखंड निंदूरा की ग्राम पंचायतों में अमल होता नहीं दिख रहा है। ग्राम पंचायत बिसई में तालाब और उसके आसपास भारी मात्रा में कूड़ा डाले जाने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि यह कूड़ा पड़ोसी ग्राम पंचायत मोहसंड से लाकर फेंका जा रहा है, जबकि दोनों ग्राम पंचायतों में रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) स्थापित हैं और मोहसंड में कूड़ा संग्रहण वाहन भी उपलब्ध है।

तालाब में प्लास्टिक, पॉलीथीन, घरेलू कचरे और अन्य अपशिष्टों से भरे बोरे पड़े मिले। कूड़े के ढेर पर आवारा पशु भोजन तलाशते नजर आते हैं, जबकि आसपास दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। बरसात के मौसम में यही कचरा जलस्त्रोतों में मिलकर पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

जानकारी के अनुसार विकासखंड की अधिकांश ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये की लागत से आरआरसी सेंटर बनाए गए हैं, लेकिन कूड़े के पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था प्रभावी नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप कचरा खुले स्थानों और तालाबों में फेंका जा रहा है। कुर्सी, घुंघटेर और अनवारी ग्राम पंचायतों को छोड़ अधिकांश स्थानों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था कमजोर बताई जा रही है।

एक ओर सरकार जल संरक्षण, तालाबों के पुनर्जीवन और स्वच्छ भारत मिशन को लेकर बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक जलस्त्रोतों को कूड़ाघर में तब्दील किया जा रहा है। इससे सरकारी योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने, तालाब में डाला गया कूड़ा तत्काल हटाने तथा सभी ग्राम पंचायतों में नियमित कूड़ा संग्रहण और आरआरसी सेंटरों के प्रभावी संचालन की मांग की है।

क्या बोले जिम्मेदार

एडीओ पंचायत अनिल सिंह ने बताया कि आरआरसी सेंटर तक कूड़ा पहुंचाने और उसके पृथक्करण के लिए नियमित कर्मचारियों की कमी है। कूड़ा वाहन चलाने वाले प्रशिक्षित कर्मियों के अभाव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

''प्रमुख बिंदु''

बिसई ग्राम पंचायत के तालाब में फेंका जा रहा कूड़ा।

मोहसंड से कचरा लाकर डाले जाने का आरोप।

दोनों ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटर होने के बावजूद व्यवस्था बेअसर।

बरसात में संक्रमण और प्रदूषण का बढ़ा खतरा।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक पर कांग्रेस का हमला, सांसद तनुज पुनिया ने उठाए सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने बुधवार को अपने ओबरी स्थित आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में देश की शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक तथा बढ़ती बेरोजगारी को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बार-बार हो रहे परीक्षा घोटालों से करोड़ों छात्रों और युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है।

सांसद ने कहा कि नीट सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उनका कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है।

तनुज पुनिया ने आरोप लगाया कि पेपर लीक और परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों के कारण छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने तथा छात्रों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए अभियान चला रही है।

उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए ल्लछात्रों की गूंजङ्क अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों और युवाओं के सुझाव लेकर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार का रोडमैप तैयार करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा सुनिश्चित करने, सरकारी शिक्षण संस्थानों को मजबूत बनाने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की जरूरत है।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में मनमाना फीडबैक दर्ज किए जाने खातिर ओटीपी ले दुरुपयोग का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

डीओ स्तर के अधिकारी व्यवस्था को दिखा रहें ठेंगा, भाकियू नेता सौंपेंगे ज्ञापन

रामसनेहीघाट बाराबंकी । विकास खंड बनीकोडर में आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) के माध्यम से दर्ज शिकायतों के निस्तारण के सापेक्ष फीडबैक को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। एडीओ स्तर के अधिकारी स्वयं व अधीनस्थ के माध्यम से फोन कर ओटीपी मांगते हैं और मनचाहा फीडबैक देते हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामलों में जांच अधिकारी अथवा संबंधित कर्मचारी शिकायतकर्ताओं से ओटीपी प्राप्त कर उनकी वास्तविक राय जाने बिना पोर्टल पर मनचाहा फीडबैक दर्ज कर रहे हैं, जिससे शिकायतों के निस्तारण की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि आईजीआरएस प्रणाली में शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि जानने के लिए फीडबैक की व्यवस्था की गई है। इसके लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता है, ताकि केवल वही व्यक्ति अपनी संतुष्टि अथवा असंतुष्टि दर्ज कर सके। आरोप है कि कुछ मामलों में संबंधित अधिकारी स्वयं ओटीपी लेकर फीडबैक दर्ज कर देते हैं, जिससे शिकायतकर्ता की वास्तविक प्रतिक्रिया दर्ज नहीं हो पाती।विशेषज्ञों के अनुसार आईजीआरएस व्यवस्था का उद्देश्य शासन और जनता के बीच पारदर्शी एवं जवाबदेह शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करना है। शिकायतकर्ता की सहमति के बिना अथवा उसके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा फीडबैक दर्ज किया जाना शिकायत निवारण प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा शिकायतकर्ता के ओटीपी का उपयोग कर फर्जी अथवा मनमाना फीडबैक दर्ज किया जाता है, तो यह प्रशासनिक अनियमितता मानी जा सकती है तथा संबंधित प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की जा सकती है। भाकियू अंबावत जिला महासचिव दिनेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराए जाने तथा आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज फीडबैक की सत्यता का परीक्षण कराने जाने की जिलाधिकारी बाराबंकी से मांग करेंगे। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता द्वारा स्वयं फीडबैक दर्ज किए जाने की व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाया जाए, जिससे शिकायत निवारण प्रणाली पर जनता का विश्वास बना रहे।आईजीआरएस का उद्देश्य शिकायतों का पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। किंतु विकास खंड बनीकोडर के अधिकारी कर्मचारी खुद ही निस्तारण कर शिकायत कर्ताओ से ओटीपी लेकर संतुष्ट होने का फीड बैक देते हैं जो बहुत ही जघन्य अपराध है इसके लिए जिलाधिकारी बाराबंकी को ज्ञापन सौंपकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा, फीडबैक प्रणाली शिकायतकर्ता की वास्तविक संतुष्टि जानने के लिए बनाई गई ह ओटीपी आधारित सत्यापन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फीडबैक केवल शिकायतकर्ता ही दर्ज करे।किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शिकायतकर्ता के स्थान पर फीडबैक दर्ज करना व्यवस्था की भावना के विपरीत माना जा सकता है। किंतु बनीकोडर में एडीओ स्तर के अधिकारी व संबंधित विभाग के कर्मियों द्वारा व्यवस्था को ठेंगा दिखा यूपी सरकार को आंकड़ों में गुड दिखाने में लगे हैं, जब इस संबंध में खंड विकास अधिकारी बनीकोडर से बात करने की कोशिश की गई तो सीयूजी नंबर पहुंच से बाहर रहा।

कृषि प्राविधिक सहायक पद पर दो युवाओं का चयन, ज़िले में खुशी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा घोषित प्राविधिक सहायक (कृषि) भर्ती परीक्षा के अंतिम परिणाम में जिले के दो युवाओं ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतिनिधि अमित गुप्ता के अनुसार विकासखंड निंदूरा क्षेत्र के ग्राम अहमदनगर निवासी योगेंद्र प्रताप सिंह का चयन प्राविधिक सहायक (कृषि) पद पर हुआ है। किसान परिवार से आने वाले योगेंद्र ने ऑनलाइन कोचिंग, नियमित अध्ययन और कड़ी मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की। परिणाम घोषित होने के बाद परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

''गांव में पहली बार सरकारी नौकरी''

तरह सिद्धौर ब्लॉक के तालपुरवा मजरे टेण्ड़वां गांव निवासी रमापति राम रावत का भी कृषि प्राविधिक सहायक पद पर चयन हुआ है। साधारण किसान परिवार से जुड़े रमापति ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को दिया। बधाई देने पहुंचे अनुसूचित जन आयोग के अध्यक्ष उनके घर पहुंचे। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों ने उनका स्वागत कर बधाई दी।

दोनों युवाओं की सफलता से उनके गांवों में उत्साह का माहौल है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले ये युवा अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनकी उपलब्धि ने यह साबित किया है कि मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कन्या भोज और भंडारे के साथ शिव महापुराण कथा का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। कस्बा रामनगर स्थित गायत्री मंदिर में पिछले 21 दिनों से चल रही शिव महापुराण कथा एवं शिव गायत्री महायज्ञ का बुधवार को विधि-विधान से समापन हो गया। समापन अवसर पर हवन-पूजन, कन्या भोज तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं गायत्री मंदिर के पुजारी राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मंदिर का 28वां वार्षिक उत्सव भी इसी अवसर पर मनाया गया। समापन कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुई। इसके बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। भंडारे के आयोजन में वीरेंद्र तिवारी, बेचन लाल शुक्ला, सुभाष ओझा, संदीप जायसवाल, बलवेंद्र वर्मा और देवेंद्र मौर्य सहित अन्य श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया। समापन पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही तथा सभी ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान शिव एवं गायत्री माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कृषि विविधीकरण और किसानों की आय बढ़ाने पर डीएम की समीक्षा बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ईशान प्रताप सिंह ने उद्यान विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कृषि विविधीकरण, बागवानी विकास और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने, थीम आधारित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) गठित करने तथा नियमित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एकीकृत बागवानी विकास मिशन और पर ड्रॉप मोर क्रॉपऽमाइक्रो इरीगेशन योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि फल, सब्जी, फूल, मसाला और मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने टपक एवं स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी तकनीकों के व्यापक उपयोग और पात्र किसानों को समयबद्ध अनुदान उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही किसानों के खेतों के निकट प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया।

इलाज के दौरान अधेड़ की मौत, झोलाछाप डॉक्टर फरार

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के बनवा गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर के यहां इलाज के दौरान 50 वर्षीय रामानंद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ग्लूकोज और इंजेक्शन लगाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डॉक्टर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरयू नदी पर नए पुल के लिए हाइड्रोलिक सर्वे शुरू

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । बाराबंकी और बहराइच को जोड़ने वाले सरयू (घाघरा) नदी पर प्रस्तावित नए पुल के निर्माण की दिशा में हाइड्रोलिक सर्वे शुरू हो गया है। विशेषज्ञों की टीम नदी की चौड़ाई, गहराई, जल प्रवाह और मिट्टी की जांच कर रही है। करीब 180 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल रामनगर क्षेत्र में संजय सेतु के निकट प्रस्तावित है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर पुल का अंतिम डिजाइन तैयार किया जाएगा।

हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल बने वसीम राईन, हुसैनी लंगर और भंडारे में दिया सौहार्द का संदेश

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । देवा-महादेवा की पावन धरती पर ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। मुहर्रम के अवसर पर नवीन सब्ज़ी एवं फल मंडी में आयोजित हुसैनी लंगर में शामिल होने के बाद उन्होंने धनीखर चौराहे पर प्रत्यूष शुक्ला द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया।

इस दौरान वसीम राईन ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता में एकता है और सभी धर्मों का मूल संदेश मानवता, प्रेम और सेवा है। उन्होंने हज़रत इमाम हुसैन के त्याग और सनातन परंपरा की सेवा भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज को नफरत नहीं, बल्कि भाईचारे और आपसी सम्मान के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने युवाओं से सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रमों में विभिन्न समुदायों के लोगों की सहभागिता ने सांप्रदायिक सौहार्द की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की। स्थानीय लोगों ने वसीम राईन की पहल की सराहना करते हुए इसे हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने वाला कदम बताया।

गोमती में समाए दो सगे भाई: एक को बचाने कूदा दूसरा, दोनों की डूबकर मौत

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता । लोनीकटरा थाना क्षेत्र में बुधवार को गोमती नदी में हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। नदी में नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक भाई को डूबता देख दूसरा उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा, लेकिन दोनों ही गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गए। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार बुढ़नापुर गांव निवासी अशोक कुमार पांडेय के पुत्र हैप्पी पांडेय (18 वर्ष) और हनी पांडेय (14 वर्ष) अपने चचेरे भाई एवं पड़ोसी आर्यन पाल के साथ औसानेश्वर मंदिर के पास स्थित गोमती नदी घाट पर स्नान करने गए थे। नहाने के दौरान अचानक एक भाई गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा भाई भी बिना देर किए नदी में उतर गया, लेकिन वह भी पानी की गहराई और बहाव के आगे बेबस हो गया। देखते ही देखते दोनों भाई नदी में लापता हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। सूचना पर लोनीकटरा और हैदरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची तथा गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू कराई। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों भाइयों के शव नदी से बाहर निकाले गए।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई और मृतकों के घर पर सांत्वना देने वालों का तांता लग गया।

इस हादसे की सबसे मार्मिक बात यह है कि दोनों भाइयों की मां का करीब तीन वर्ष पहले निधन हो चुका था। पिता ने किसी तरह दोनों बेटों का पालन-पोषण कर उन्हें पढ़ाई के लिए बाराबंकी शहर भेजा था। दोनों भाई अपने ताऊ के पास रहकर पढ रहे थे।जो कल मंगलवार को ही गांव आए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि घर लौटने के अगले ही दिन दोनों बेटे हमेशा के लिए अपनों को छोड़कर चले जाएंगे।

एक ही परिवार के दो चिराग बुझ जाने से बुढ़नापुर गांव गमगीन है। पिता की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। जिसने भी घटना के बारे में सुना, उसकी आंखें नम हो गईं। गोमती नदी के किनारे घटित यह हादसा पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी त्रासदी बन गया है, जिसे लंबे समय तक भुला पाना आसान नहीं होगा।

शान-ओ-शौकत के साथ निकला मुहर्रम की सातवीं का जुलूस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मुहर्रम की सातवीं पर शहर का माहौल पूरी तरह इमाम हुसैन की याद में रंगा नजर आया। मुहर्रम कमेटी अहले सुन्नत के तत्वावधान में अध्यक्ष ताज बाबा राईन के नेतृत्व में निकाला गया जुलूस-ए-हुसैनी श्रद्धा, अनुशासन और आपसी भाईचारे का अद्भुत प्रतीक बना। ''या हुसैन'' की गूंजती सदाओं और नौहाख्वानी के बीच हजारों अकीदतमंदों ने जुलूस में शिरकत की।

फजलुर्रहमान पार्क से शुरू हुआ जुलूस घंटाघर, धनोखर तालाब और बेगमगंज होते हुए सुन्नी कर्बला पहुंचा। जुलूस में ऊंट, घोड़े, आलम, छड़े, ताजिए तथा ढोल-ताशों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सबील स्टॉलों पर शरबत, ठंडा पानी, बिरयानी, मीठे चावल, खिचड़ा, बिस्किट समेत अन्य खाद्य सामग्री वितरित कर अकीदतमंदों का स्वागत किया गया।

छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए नौहाख्वानी की। कर्बला पहुंचकर लोगों ने नमाज अदा की और देश में अमन, भाईचारे, खुशहाली तथा तरक्की के लिए दुआ मांगी।

जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जिला प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल तैनात रहा, जबकि ड्रोन कैमरों के जरिए पूरे मार्ग पर निगरानी रखी गई। मुहर्रम कमेटी द्वारा तैनात वालंटियर भी चप्पे-चप्पे पर व्यवस्था संभालते नजर आए।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, सदर विधायक सुरेश यादव, सांसद तनुज पुनिया, एमएलसी राजेश उर्फ राजू, नगर पालिका परिषद नवाबगंज अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र वर्मा, जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष रमन द्विवेदी समेत विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, किसान एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कमेटी की ओर से अतिथियों का चादरपोशी कर सम्मान भी किया गया।

देर रात फजलुर्रहमान पार्क पहुंचकर जुलूस का शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक समापन हुआ। जुलूस में कमेटी के संरक्षक शुएब राईन, इरफान कुरैशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उषामा अंसारी, महामंत्री मोहम्मद आसिफ एडवोकेट, मंत्री सलमान उर्फ सल्लू, कोषाध्यक्ष रईस अंसारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अकीदतमंद मौजूद रहे।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर, टेस्ट में मैट हेनरी ने बुमराह की बराबरी की

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताज़ा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली है। दोनों के 870-870 रेटिंग अंक हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन का गिल को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने पहले दो मुकाबलों में 84 और 154 रन की शानदार पारियां खेलीं, जबकि तीसरे मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। ताज़ा रैंकिंग में गिल अब शीर्ष पर मौजूद न्यूज़ीलैंड के डैरिल मिचेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान श्रृंखला नहीं खेल सके, जिसके चलते वह एक स्थान नीचे खिसककर तीसरे नंबर पर पहुंच गए। रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल दो स्थान फिसलकर 11वें स्थान पर आ गए हैं। ईशान किशन ने 21 स्थान की बड़ी छलांग लगाते हुए 43वां स्थान हासिल किया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें, प्रसिद्ध कृष्णा 34 स्थान की छलांग लगाकर 58वें और वाशिंगटन सुंदर 17 स्थान ऊपर पहुंचकर संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

उधर, न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 11 विकेट लेकर इतिहास रच दिया। हेनरी ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली।

आईसीसी के अनुसार, हेनरी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले केवल तीसरे न्यूज़ीलैंड खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले यह उपलब्धि जैक काउई (1947) और महान ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली (1984-1990) ने हासिल की थी। न्यूज़ीलैंड के किसी तेज गेंदबाज ने 36 वर्षों बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान प्राप्त किया है। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने दो स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है।

एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल, टीटीएफआई से जवाब मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने एशियाई खेलों की भारतीय टीम में चयन नहीं होने के मामले पर भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) से जवाब मांगा है। मनिका ने कहा है कि यदि उन्हें चयन प्रक्रिया और अपने बाहर किए जाने के कारणों का स्पष्ट तथा तथ्यात्मक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो वह कानूनी कार्रवाई का सहारा लेने के लिए मजबूर होंगी।

मनिका ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनका उद्देश्य टीम में जगह हासिल करना नहीं, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों से देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद वह केवल निष्पक्ष और ईमानदार जवाब चाहती हैं। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका एशियाई खेलों की पांच सदस्यीय भारतीय महिला टीम में जगह नहीं बना सकीं। उन्होंने कहा कि यदि चयन समिति के निर्णय के पीछे कोई ठोस कारण हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

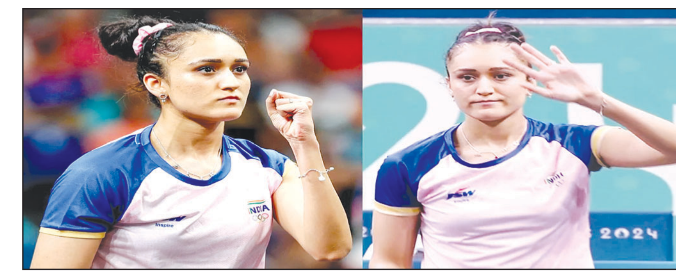

मनिका ने चयन समिति की मतदान प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। जानकारी के अनुसार अंतिम स्थान के लिए सुतिर्था मुखर्जी, स्वास्तिका घोष और मनिका बत्रा के बीच मुकाबला था। चयनकर्ताओं के बीच सहमति नहीं बनने पर मतदान कराया गया, जिसमें पांच मत मनिका के खिलाफ पड़े, तीन उनके पक्ष में रहे और एक सदस्य ने मतदान नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि निर्णय किस आधार पर लिया गया, क्या कारण दर्ज किए गए और क्या उन्हें खिलाड़ियों के साथ साझा किया गया।

मनिका ने यह भी पूछा कि मतदान आधारित चयन प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष कैसे माना जा सकता है और पक्षपात रोकने के लिए क्या सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं। उन्होंने भारतीय महिला टीम से बाहर रखी गई आयहिका मुखर्जी का भी समर्थन किया। मनिका ने कहा कि आयहिका ने 2022 एशियाई खेलों में सुतिर्था मुखर्जी के साथ मिलकर भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाया था, ऐसे खिलाड़ियों का बाहर होना स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करता है। घरेलू प्रतियोगिताओं में कम भागीदारी को लेकर हो रही आलोचना पर मनिका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार खेलने वाले खिलाड़ियों को यात्रा, पुनर्वास, वीजा प्रक्रिया और बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए राष्ट्रीय रैंकिंग का आकलन इन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

हॉकी इंडिया ने ब्रिटेन दौरे के लिए की 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। नए मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मुकाबले खेलेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विशेषकर जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टीम की कप्तानी खैदेम शिलेइमा चानू को सौंपी गई है। गोलकीपर के रूप में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज को टीम में शामिल किया गया है।

दौरे की शुरुआत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम लिलेशॉल राष्ट्रीय खेल केंद्र में अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ मैच खेलेगी।

मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट ने टीम चयन और दौरे के महत्व पर कहा, ल्लब्रिटेन दौरा हमारी जूनियर टीम के विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने कई ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें विदेशी टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव नहीं है। ऐसे में यह दौरा खिलाड़ियों और पूरी टीम दोनों के लिए सीखने का बेहतरीन अवसर होगा।

उन्होंने आगे कहा, हमें मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। पिछले दस सप्ताह से जिस खेल शैली पर हमने काम किया है, उसे मैदान पर लागू करने का प्रयास करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह दौरा जूनियर एशिया कप की तैयारी के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और इससे हमें अपनी ताकत तथा सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों का बेहतर आकलन करने का अवसर मिलेगा। भारतीय जूनियर महिला टीम गोलकीपरः निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज। डिफेंडर्स : पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेहपुई, पार्वती टोपनो।

मिडफील्डरः खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, बिनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आइंद, तनुश्री दिनेश कडू।

फॉरवर्डः सुखवीर कौर, शशि खासा, लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, काजल, सानिका चंद्रकांत माने, कृष्णा शर्मा।

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर बॉब ब्लेयर का 94 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का बुधवार को उनके 94वें जन्मदिन पर इंग्लैंड में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने उनके निधन की पुष्टि की है।

बॉब ब्लेयर ने 1953 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेले और 35.23 की औसत से 43 विकेट हासिल किए। हालांकि क्रिकेट इतिहास में उन्हें उनके आंकड़ों से ज्यादा उनकी अद्भुत साहसिक कहानी के लिए याद किया जाता है।

टांगीवाई रेल दुर्घटना के बाद दिखाई थी अदम्य हिम्मत

साल 1953 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग स्थित एलिस पार्क मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के दौरान ब्लेयर को अपने जीवन का

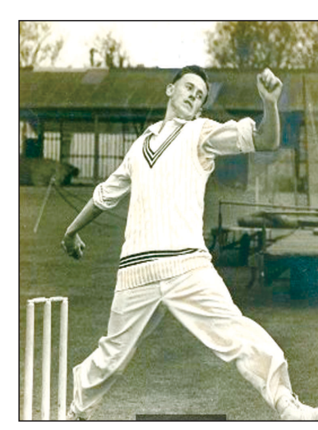

सबसे बड़ा दुख झेलना पड़ा। मैच के दूसरे दिन की सुबह उन्हें पता चला कि उनकी मंगेतर नेरिसा लव क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हुई भीषण टांगीवाई रेल दुर्घटना में मारे गए 151 लोगों में शामिल थीं। इस दुखद समाचार के बाद ब्लेयर होटल में ही रुक गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए मैदान पर वापसी की। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान नौवां विकेट गिरने के बाद वह बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरे और घायल बल्लेबाज बर्ट सटक्लिफ का साथ दिया। दोनों ने अंतिम विकेट के लिए 33 रन जोड़े। ब्लेयर ने छह रन बनाए, लेकिन उनकी यह पारी क्रिकेट इतिहास की सबसे प्रेरणादायक घटनाओं में गिनी जाती है। टांगीवाई शील्ड से जीवित है उनकी विरासत साल 2024 से न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जाने वाली टेस्ट श्रृंखला टांगीवाई शील्ड के लिए आयोजित की जाती है, जो 1953 की उस त्रासदी और ब्लेयर के साहस को समर्पित है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्राहम पार्क्स ने कहा, ''बॉब ब्लेयर और टांगीवाई रेल दुर्घटना की कहानी ने न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका दोनों देशों के क्रिकेट इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है। 1953 में एलिस पार्क टेस्ट के दौरान दिखाई गई उनकी हिम्मत और टीम भावना खेल की महानतम मिसालों में से एक है।''

उन्होंने कहा कि टांगीवाई शील्ड की शुरुआत करके उस प्रेरणादायक कहानी को सम्मान देना बेहद भावुक क्षण था और इससे ब्लेयर की विरासत हमेशा जीवित रहेगी।

तीसरे टेस्ट में काली पट्टी बांधेंगे खिलाड़ी

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने घोषणा की है कि इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बॉब ब्लेयर को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं नेमार, लेकिन खेलना तय नहीं : कोच अंचेलोटी

मियामी। ब्राज़ील के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी ने मंगलवार को पुष्टि की है कि स्टार फुटबॉलर नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है।

34 वर्षीय नेमार को लगभग तीन वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। हालांकि पिंडली की चोट के कारण वह अभी तक इस विश्व कप में मैदान पर नहीं उतर सके हैं।

मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंचेलोटी ने कहा, ल्लनेमार उपलब्ध हैं। उन्होंने इस सप्ताह अच्छी तरह अभ्यास किया है और मैच के लिए तैयार हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं, क्योंकि उनकी गुणवत्ता टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, ल्लमैंने उन्हें करीब से जाना है। उन्होंने चोट से जल्द उबरने के लिए बेहद गंभीरता से मेहनत की है। यदि वह मैदान पर नहीं भी उतरते हैं, तब भी उनका अनुभव और खेल की समझ युवा खिलाड़ियों की मदद करती है।

नेमार के खेलने की संभावित अवधि के बारे में पूछे जाने पर अंचेलोटी ने मजाकिया अंदाज में कहा, ल्लवह 90 मिनट खेल सकते हैं, लेकिन चलते हुए। वह पूरी तरह फिट हैं और उन्होंने शानदार अभ्यास किया है।

ब्राज़ील ने अपने पहले दो मुकाबलों में मोरक्को से 1-1 की बराबरी की थी और हैती को 3-0 से हराया था। स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत मिलने पर टीम अंतिम 32 में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी।

अंचेलोटी ने कहा, ल्लपहला मैच हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, दूसरा उससे बेहतर रहा। हमें विश्वास है कि तीसरा मुकाबला अब तक का सबसे अच्छा होगा।

ब्राज़ील को इस मैच में राफिन्हा की कमी भी खलेगी, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

विंबलडन 2026 के ऐतिहासिक आगाज़ के लिए तैयार सिनर और स्वियातेक

एजेंसी

जिनेवा । विश्व के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन 2026 का आगाज़ इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेगा। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले वर्ष पुरुष एकल खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सिनर के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलना उनके लिए रोमांचकारी क्षण होगा। उनके अनुसार विंबलडन का वातावरण दुनिया के किसी भी अन्य टेनिस कोर्ट से अलग है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में वही सेंटर कोर्ट पर उतरेंगे। महिला वर्ग में गत चैंपियन इगा स्वियातेक दूसरे दिन सेंटर कोर्ट पर अभियान की

शुरुआत करेंगी। पिछले वर्ष खिताब जीतकर वे विंबलडन महिला एकल चैंपियन बनने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनी थीं। स्वियातेक ने कहा कि विंबलडन ट्रॉफी जीतना उनके लिए शब्दों से परे अनुभव था। उन्होंने बताया कि घास के कोर्ट पर अपने खेल को ढालने के लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत की और आक्रामक खेल शैली अपनाने पर विशेष ध्यान दिया। उनके अनुसार विंबलडन के समृद्ध इतिहास का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है।

विंबलडन के इतिहास में कई महान खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी है। ब्योर्न बोर्ग, क्रिस एवर्ट, स्टेफन एडबर्ग, पैट राफ्टर और रोजर फ़ेडरर जैसे दिग्गजों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टेनिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। पांच बार लगातार विंबलडन चैंपियन रहे ब्योर्न बोर्ग ने अपने पहले खिताब की याद ताजा करते हुए कहा कि ग्रस कोर्ट पर सफल होने के लिए उन्हें अपने खेल में बदलाव करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि सही लय और रणनीति मिलने के बाद ही वे इस सतह पर सहज महसूस करने लगे और यही उनकी सफलता का आधार बना। इस बार भी कई युवा सितारे पहली बार विंबलडन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। महिला वर्ग में हाल ही में फ्रेंच ओपन जीतने वाली मीरा आंद्रेएवा, बेलिंडा बेनचिच, कोको गॉफ, मारिया सक्कारी और किनवेन झेंग प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : वंशिका और शिवा ने जीता रजत, भारत शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली । जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया।

भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया।

इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं।

व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा निशानेबाजों का यह प्रदर्शन भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत प्रतिभा को दर्शाता है।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 1.87 लाख करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के ऊपरी सदन यानी सीनेट के एक प्रस्ताव से झटका लगने के कारण आज दुनिया के कई देशों के शेयर बाजार में तेजी का रुख बन गया। सीनेट में पारित प्रस्ताव के बाद डोनाल्ड ट्रंप के लिए अब ईरान पर नया हमला करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप को लगे इस झटके की वजह से आज एशिया के ज्यादातर बाजार में उत्साह का माहौल बन गया, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा। बाजार की तेजी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 1,068 अंक से भी अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 300 अंक से अधिक की छलांग लगाने में सफलता हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, आईटी और प्राइवेट बैंक

सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 476.46 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 474.59 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.87 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,430 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,215 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,034 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 181 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,005 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,542 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,463 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और सात शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 29.08 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,229.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक थोड़ी देर में ही 79.09 अंक की कमजोरी के साथ 76,121.59 अंक के स्तर पर तक गिर गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से तेजड़ियों का कब्जा हो गया। तेजड़ियों द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी के कारण सेंसेक्स की स्थिति में सुधार होने लगा। थोड़ी देर में ही यह सूचकांक रिकवर कर हरे निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार लिवाली जारी रहने की वजह से आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 1,068.78 अंक उछल कर 989.69 अंक की मजबूती के साथ 77,190.37 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

डिजिटलीकरण सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि इस्पात उद्योग के दीर्घकालिक अस्तित्व का आधार : कुमारस्वामी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि डिजिटलीकरण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भारत के इस्पात उद्योग के ''दीर्घकालिक अस्तित्व का बुनियादी आधार'' है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए इस क्षेत्र को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को अपनाना ही होगा।

इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'इस्पात क्षेत्र में डिजिटलिलाइजेशन' पर केंद्रित चिंतन शिविर 2026 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि इस्पात उद्योग का भविष्य केवल उसकी उत्पादन क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा की वो कितना बुद्धिमत्तापूर्ण, संयोजित और डेटा-संचालित विनिर्माण इकोसिस्टम बनाने में सक्षम है।

वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए एचडी कुमारस्वामी ने इस्पात क्षेत्र को भारत के आर्थिक रुपांतरण का एक रणनीतिक स्तंभ बताया, जो बुनियादी ढांचे के निर्माण, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरीकरण, परिवहन और रक्षा उत्पादन को गति दे रहा है।

कुमारस्वामी ने कहा कि इस्पात राष्ट्र-निर्माण का आधार है।

कुमारस्वामी ने भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता को 2030 तक 30 करोड़ टन और 2035 तक 4 करोड़ टन तक बढ़ाने के सरकार के दीर्घकालिक विजन को दोहराया। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इस्पात उद्योग को कच्चे माल की सुरक्षा, परिचालन दक्षता, कार्बन उत्सर्जन में कमी, आधुनिकीकरण और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता से जुड़ी चुनौतियों का एक साथ समाधान करना होगा। प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डिजिटल ट्विन्स, रोबोटिक्स और उन्नत डेटा एनालिटिक्स वैश्विक स्तर पर इस्पात विनिर्माण को नए सिरे परिभाषित कर रहे हैं और इन्हें भारत में बड़े पैमाने पर अपनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण और स्वचालन से उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार कर सकते है, ऊर्जा खपत को अनुकूलित कर सकते है, परिचालन लागत कम की जा सकती है और ऐसी पूर्वानुमानित रखरखाव प्रणालियों को सक्षम बना सकते हैं, जो उपकरण खराब होने से पहले ही उसकी पहचान कर लेतें हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उपायों से अनियोजित रुकावटों को कम करने,

लोकतंत्र में पद सेवा का माध्यम, विशेषाधिकार का नहीं : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों और सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध में निहित है तथा सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति भवन में पूर्व राज्यसभा सदस्य नबाम रेबिया और सह-लेखक संदीप कुमार द्वारा लिखित पुस्तक 'भारत में वीआईपी संस्कृति : सत्ता, विशेषाधिकार और लोकतंत्र से दूरी' के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारतीय संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना करता है। उन्होंने कहा कि

लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, जवाबदेही और जनसेवा की भावना को प्राथमिकता दी जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र का सार नागरिकों और सार्वजनिक प्राधिकार से जुड़े लोगों के बीच संबंधों में निहित है। उन्होंने महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे नेतृत्व की पहचान उसकी सुलभता, करुणा और उत्तरदायित्व से होती है। जो नेता जनता के प्रति सम्मानजनक और सहज उपलब्ध रहते हैं, वे स्थायी विश्वास अर्जित करते हैं।

उन्होंने कहा कि पुस्तक में उठाए गए विषय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस सोच से मेल खाते हैं, जिसमें सार्वजनिक पद को सेवा का माध्यम माना गया है। राधाकृष्णन ने वीआईपी वाहनों पर लाल बत्ती की व्यवस्था समाप्त करने और हाल में नीट अभ्यर्थियों को यातायात प्रतिबंधों से असुविधा न हो, इसके लिए प्रधानमंत्री द्वारा अपने प्रस्थान में देरी किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे कदम नागरिक-केंद्रित शासन के उदाहरण हैं और यह सिद्ध करते हैं कि सार्वजनिक सत्ता का उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराते हुए कहा, हर भारतीय विशेष है, हर भारतीय वीआईपी है।छु साथ ही उन्होंने कहा कि झसेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उपराष्ट्रपति ने पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सहित कई महान व्यक्तित्वों की सादगी और जनसेवा की भावना का उल्लेख किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि लेखकों ने अपने विश्लेषण को भारतीय सभ्यता और बौद्धिक परंपराओं के संदर्भों से समृद्ध किया है, जिनमें उपनिषद, रामचरितमानस, भगवान बुद्ध की शिक्षाएं और पंचतंत्र शामिल हैं। उन्होंने गणराज्य के मूल मूल्यों के प्रति नई प्रतिबद्धता का आह्वान करते हुए कहा कि कानून के समक्ष समानता, प्रत्येक नागरिक की गरिमा और विनम्रता से प्रेरित जनसेवा ही लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। नेतृत्व की वास्तविक पहचान उसे मिलने वाले विश्वास और समाज को दी जाने वाली सेवा से होती है। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी, मेघालय से पूर्व राज्यसभा सदस्य डब्ल्यू. आर. खारलुखी, लेखक नबाम रेबिया और सह-लेखक संदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

महाराष्ट्र विधानसभा में 36,585 करोड़ रुपये की कर्ज माफी का ऐलान, महिला किसान सशक्तीकरण विधेयक पेश

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए 36,585 करोड़ रुपये की कृषि कर्ज माफी की घोषणा की है। सरकार के इस कदम से राज्य के 56 लाख से अधिक किसानों को सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है।

राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन इसकी घोषणा करते हुए कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने कहा कि यह पहल कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। विधानसभा में नियम 293 के तहत हुई चर्चा का जवाब देते हुए श्री भरणे ने कहा, ''महायुति सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के आश्वासनों के मुताबिक, हम एक व्यापक कर्जमाफी लागू कर रहे हैं। यह योजना वर्ष 2009, 2017 और 2019 के पिछले प्रयासों की तुलना में कहीं अधिक व्यापक है। सभी को साथ लेकर चलने के सरकार के रुख पर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इसी सत्र में 'महाराष्ट्र महिला किसान सशक्तिकरण विधेयक' पेश करेगी। इसका उद्देश्य खेतों में पुरुषों का काम करने वाली महिलाओं को औपचारिक कानूनी मान्यता और समान अधिकार देना है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किये जाने के भी अनुकूल है। किसान दुर्घटना बीमा योजना में बड़ा बदलाव करते हुए श्री भरणे ने घोषणा की कि अब इसके तहत खेतिहर मजदूरों को भी सुरक्षा दी जायेगी। इसके अलावा लगातार बढ़ रहे लू के प्रकोप के मद्देनजर अब इससे होने वाली मौतों को भी इस योजना के तहत वित्तीय राहत के लिए योग्य माना जायेगा। मंत्री ने साझा चिंताओं को दूर करते हुए खरीफ सीजन के लिए आश्वस्त किया कि खेती की जरूरी चीजों की कोई कमी नहीं है। राज्य में 42 लाख टन रासायनिक उर्वरक और 28 लाख टन बीज पहले ही उपलब्ध कराये जा चुके हैं। उन्होंने 'लिंकिंग' बिक्री की गैर-कानूनी प्रथा के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। इसमें डीलर किसानों को अनुदानित खाद के साथ गैर-अनुदानित उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करते हैं।

भाजपा ने जमीनों पर कब्जे को लेकर खरगे को घेरा

एजेंसी

नयी दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियांक खरगे पर एक ट्रस्ट के जरिये गरीबों की 100 करोड़ रुपये की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियांक खरगे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के नाम पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खरगे, उनके बेटे प्रियांक खरगे, दामाद और उनकी पत्नी शामिल हैं। यह ट्रस्ट खरगे परिवार का है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री खरगे और उनके पुत्र ने इस ट्रस्ट के ज़रिए अलग-अलग ज़मीनें हथियाई हैं और अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करके गरीबों की ज़मीन पर कब्ज़ा किया है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को

भाजपा ने मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियांक पर ट्रस्ट के जरिए 100 करोड़ रुपये की जमीन हड़पने का लगाया आरोप

2024 में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) ने पाँच एकड़ ज़मीन दी थी। उस समय कहा गया था कि यह ट्रस्ट एयरोस्पेस और रक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस ज़मीन की बाज़ार कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये है।इस ट्रस्ट ने अभी तक एयरोस्पेस और रक्षा के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया है। अब सवाल यह उठता है कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 100 करोड़ रुपये की औद्योगिक ज़मीन ऐसे ट्रस्ट को क्यों दी, जिसके सदस्य खुद श्री मल्लिकार्जुन खरगे हैं? भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया कि क्या श्री मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियांक खरगे ने पांच एकड़ औद्योगिक ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए अपने पद और प्रभाव का इस्तेमाल किया? उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने औद्योगिक ज़मीन जो किसी औद्योगिक या एयरोस्पेस संगठन को दी जा सकती थी एक ऐसे निजी ट्रस्ट को क्यों आवंटित की, जिसके सदस्य खुद श्री मल्लिकार्जुन खरगे हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह निजी तौर पर ज़मीन हड़पने का मामला है? श्री खरगे आप एक राजनेता हैं। आपके ट्रस्ट ने ऐसा क्या काम किया है कि एयरोस्पेस और रक्षा अनुसंधान की ज़मीन आपके निजी ट्रस्ट को सौंप दी गयी?

देश के आठ प्रेस क्लबों ने बनाया महासंघ

नयी दिल्ली। राजधानी के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) सहित देश के आठ प्रमुख प्रेस क्लबों ने प्रेस-स्वतंत्रता और पत्रकार सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर 'फ़ेडरेशन ऑफ प्रेस क्लब्स' नाम से एक नया फोरम बनाया है। इसके संस्थापक सदस्यों में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, मुंबई प्रेस क्लब, प्रेस क्लब कोलकाता, प्रेस क्लब हैदराबाद, चंडीगढ़ प्रेस क्लब, स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश, गुवाहाटी प्रेस क्लब और अगरतला प्रेस क्लब शामिल हैं। फ़ेडरेशन की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसे सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत कराया गया है। फ़ेडरेशन की संचालन-परिषद की पहली बैठक मंगलवार को पीसीआई में हुई। विज्ञप्ति के अनुसार फ़ेडरेशन की दस सदस्यीय इस संचालन परिषद में अध्यक्ष का कार्यभार दिल्ली प्रेस क्लब के सदस्य और इसके पूर्व अध्यक्ष गौतम लाहिडी को दिया गया है। श्री सौरभ दुग्गल इस नये निकाय के महासचिव और श्री नीरज ठाकुर कोषाध्यक्ष बनाये गये हैं।

समान सोच, समान मान्यता और परस्पर विश्वास वाले देशों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत : जयशंकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि दुनिया में मौजूदा जटिल स्थितियों को देखते हुए समान सोच, समान मान्यता और परस्पर विश्वास वाले देशों के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गये श्री जयशंकर ने वहां के विदेश मंत्री चो ह्यून के साथ वार्ता से पहले प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि दुनिया के मौजूदा हालातों को देखते हुए यह बैठक प्रासंगिक तथा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा , '' मैं आपसे सहमत हूँ कि हमारी यह बैठक बिल्कुल सही समय पर हो रही है। सही समय पर इसलिए भी क्योंकि हाल ही में राष्ट्रपति का भारत दौरा हुआ है और इसलिए भी क्योंकि दुनिया के मौजूदा हालात और इस थोड़ी

जटिल दुनिया में हमारे रिश्तों की अहमियत बहुत ज़्यादा है। कोरियाई विदेश मंत्री के साथ न्यूयॉर्क, कुआलालंपुर और वाशिंगटन में मुलाकातों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रियों के तौर पर दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाना हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा,'' हमें यह देखना है कि सरकार और हमारी अर्थव्यवस्था के अलग-अलग हिस्से एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते हैं और उनमें कैसा तालमेल है। और मैं कहूँगा कि इस मुश्किल दुनिया में हमें एक ऐसा रिश्ता बनाना है जो भविष्य पर केंद्रित हो और आज के दौर के हिसाब से हो। और मंत्री जी, मुझे लगता है कि ऐसी दुनिया में खास तौर पर उन देशों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है जिनकी सोच एक जैसी हो, जिनकी मान्यताएँ समान हों और जिनके बीच गहरा आपसी भरोसा हो। श्री जयशंकर ने कोरिया के साथ संबंधों को प्रगाढ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा ,'' भारत और कोरिया के रिश्चतों में अभी बहुत संभावनाएं हैं जिन्हें साकार किया जाना बाकी है - जैसा कि हम दोनों तरफ के लोग महसूस करते हैं - और हम ऐसा करने की पूरी कोशिश करेंगे। विदेश मंत्री ने उम्मीद जतायी कि दोनों देशों के बीच बैठक में सार्थक बातचीत होगी।

अमेरिका से तुष्टिकरण, चीन से आत्मसमर्पण की सरकार की नीतियां : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि उसकी आर्थिक नीतियां अमेरिका के तुष्टिकरण और चीन के सामने आत्मसमर्पण वाली हैं।

पार्टी ने इसका प्रमाण देते हुए बताया कि 2025-26 में अमेरिका के साथ भारत के वस्तु व्यापार अधिशेष में कमी और चीन के साथ व्यापार घाटे में वृद्धि से मिलता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में अमेरिका के साथ भारत का वस्तु व्यापार अधिशेष 34.4 अरब डॉलर रहा, जबकि वर्ष 2024-25 में यह 40.1 अरब डॉलर था। इसके विपरीत चीन के साथ भारत का वस्तु व्यापार घाटा 2024-25 के 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 112.2 अरब डॉलर हो गया। श्री रमेश ने इन आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, ''मोदीनॉमिक्स = अमेरिका को तुष्टिकरण और चीन के सामने आत्मसमर्पण।

संधू ने पुलिस अधिकारियों को महिलाओं, बच्चों और बुज़ुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का दिया निर्देश

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत एवं अत्याधुनिक बनाने को लेकर बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की तथा अधिकारियों को महिलाओं, बच्चों और बुज़ुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। श्री संधू ने यह बैठक दिल्ली पुलिस मुख्यालय में की, जिसमें पुलिस आयुक्त, सभी विशेष आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इस बैठक का मकसद पुलिस के कामकाज और कल्याण से जुड़ी मुख्य प्राथमिकताओं की समीक्षा करना था। इस दौरान ऐसी पुलिसिंग की ज़रूरत पर बल दिया गया, जो मानवीय मूल्यों, लोगों को दिखने वाली और नागरिकों पर केंद्रित हो, ताकि जनता का उसके प्रति भरोसा और विश्वास मज़बूत हो सके। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने पुलिस बल को अपराध पर सख़्त नियंत्रण रखने का निर्देश दिया, जिसमें महिलाओं, बच्चों और बुज़ुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। अधिकारियों को लगातार कौशल बढ़ाने, पुलिसिंग के बेहतरीन तरीक़े अपनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ड्रोन जैसी नयी तकनीकों का इस्तेमाल करने और कम्युनिटी पुलिसिंग और जानकारी जुटाने के काम में रेसिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और बाजार संघ को सक्रिय रूप से शामिल करने का निर्देश दिया। श्री संधू ने यातायात नियमों को सख़्ती से लागू करके यातायात की चुनौतियों से निपटने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, ख़ासकर ग़लत दिशा में गाड़ी चलाने और ज़्यादा जाम वाली जगहों पर, साथ ही सड़क का इस्तेमाल करने वालों में सकारात्मक व्यवहार बदलाव को बढ़ावा देने की बात कही। पुलिसकर्मियों के कल्याण, बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पुलिस रिहायशी परिसरों को 'ज़ीरो-वेस्ट' कॉलोनियों में बदलने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को यहां नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से आयोजित यह बैठक सरकार के नशामुक्त भारत के विज़न को साकार करने के प्रयासों को और मज़बूत करने में अहम भूमिका निभायेगी। हाइब्रिड मोड में होने वाली बैठक में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधित हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ''नशीले पदार्थ नियंत्रण पर विज़न दस्तावेज (2026-2029)'' जारी करेंगे। केन्द्र सरकार के संबंधित विभागों, नशीले पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया यह दस्तावेज नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। इस रोडमैप में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है। साथ ही, इसमें अगले तीन वर्षों के दौरान सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के ज़रिए होने वाली तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वालों के लिए इलाज व पुनर्वास केंद्रों की पहुंच बढ़ाने जैसे उपाय भी शामिल हैं, जिन्हें समन्वित और निरंतर तरीके से लागू किया जाएगा। यह दस्तावेज़ सभी हितधारकों की जिम्मेदारियों, समय-सीमाओं एवं लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए, प्रवर्तन, मांग में कमी, पुनर्वास, जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण और अंतर-एजेंसी समन्वय को एकीकृत करता है। यह विज़न दस्तावेज देश भर में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए नीति बनाने, उसे लागू करने और संस्थागत मज़बूती लाने के काम में एक मार्गदर्शक रूपरेखा के तौर पर काम करेगा। इस अवसर पर श्री शाह एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट - 2025 जारी करेंगे और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। 'ड्रग डिस्पोज़ल फोर्टनाइट कैंपेन' नशीले पदार्थों को नष्ट करने का एक विशेष अभियान है। इस पखवाड़े के दौरान, देशभर में अलग-अलग केन्द्रीय और राज्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाने की उम्मीद है, जिनकी कीमत 6,000 करोड़ रुपये है।

पेज एक का शेष

एलडीए की 25...

लोगों को जेल भेज दिया था। फायर विभाग, एलडीए समेत छह अधिकारी भी निलंबित किए गए थे। इस घटना के बाद अब लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, आगरा समेत प्रदेशभर के सभी शिक्षण संस्थानों और कोचिंग सेंटर्स में ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। फायर सिस्टम न होना, मानक के विपरीत पाये जाने वाले कोचिंग सेंटर सील किए जा रहे हैं।

गूगल ने यूपी सरकार...

सार्थक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के विकास का स्पष्ट और दूरदर्शी रोडमैप साझा किया। उन्होंने किसानों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए निर्धारित लक्ष्यों एवं प्राथमिकताओं की जानकारी दी तथा यह भी चर्चा की कि एआई और आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से इन लक्ष्यों को और तेजी से कैसे हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेंगलुरु में देश और दुनिया की अग्रणी निवेश एवं टेक्नोलॉजी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ भी विशेष संवाद किया। इनमें वेस्टब्रिज कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर संदीप सिंघल, एक्सेल पार्टनर्स के प्रशांत प्रकाश, इनमोबी के संस्थापक पीयूष शाह, यूलू के संस्थापक अमित गुप्ता, एनवीडिया दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक विशाल धूपर, सर्वानएआई के प्रतिनिधि तथा ब्लैकस्टोन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश, टेक्नोलॉजी, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप इकोसिस्टम और रोजगार सृजन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेशक-अनुकूल वातावरण की सराहना करते हुए राज्य को भविष्य के विकास का प्रमुख केंद्र बताया।

कोलकाता में निर्माणाधीन...

ही मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य का जायजा लिया। बाद में उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा घायलों को बेहतर इलाज दिया जा रहा है। उन्होंने लिखा, इस त्रासदी में गई कीमती जानों के लिए दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं उनके शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और हम उन्हें हरसंभव मदद देंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार, मलबे में 18 और लोगों के दबे होने की सूचना है, उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं।

वृद्धि दर इस...

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नीतिगत दर रेपो में वृद्धि का अनुमान है।

विदेश यात्रा व्यक्ति...

जाने की अनुमति मांगी है। अदालत ने उन्हें दस लाख रुपये की एफडीआर जमा कराने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करने, विदेश में ठहरने की अवधि न बढ़ाने और यात्रा का पूरा विवरण देने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी अनुपस्थिति के कारण उनके वकील को मामले में किसी प्रकार का स्थगन नहीं दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल...

ऋतब्रत बनर्जी ने नाम बदलने की इस कवायद पर सवाल उठाये और ऐतिहासिक नामों को बदलने के लिए अपनाये जा रहे मानदंडों को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। श्री अधिकारी ने घोषणा की कि कार्तिक महाराज के नेतृत्व वाली समिति को सड़कों, संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों के नामों का मूल्यांकन करने तथा उनके लिए उपयुक्त वैकल्पिक नाम सुझाने का काम सौंपा जायेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसका उद्देश्य उन विभूतियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने बंगाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी परंपराओं में अपना योगदान दिया। श्री अधिकारी ने अपने भाषण का इस्तेमाल लोकतांत्रिक अधिकारों और राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर अपने प्रशासन और पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच अंतर दिखाने के लिए भी किया। उन्होंने विधानसभा को आश्वासन दिया कि मौजूदा व्यवस्था में विपक्षी दलों को प्रदर्शन, रैलियां या धरना आयोजित करने से नहीं रोका जायेगा। उन्होंने कहा, ''विपक्ष के कार्यक्रमों में कोई बाधा नहीं डाली जायेगी। वे चाहें तो हर रोज रैलियां कर सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने उस समय को याद किया जब वे विपक्ष के नेता के रूप में काम करते थे और आरोप लगाया कि तत्कालीन तृणमूल सरकार ने अक्सर उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगायी थी। श्री अधिकारी के अनुसार, उन्हें बैठकों, रैलियों और राज्य के विभिन्न हिस्सों के दौरों की अनुमति लेने के लिए बार-बार अदालतों का रुख करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किये गये थे और उन्हें कई मौकों पर विधानसभा से निलंबित भी किया गया था। पिछली सरकार पर सीधा तंज कसते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे पांच बार सदन से निलंबित किया गया और करीब साढ़े ग्यारह महीने तक बाहर रखा गया। मेरे खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज किये गये। फिर भी हमने किसी से अपने मुंह पर प्लास्टर लगाने को नहीं कहा है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के वाई-चैनल पर हाल ही में हुए अपनी पूर्ववर्ती सुश्री ममता बनर्जी के विरोध कार्यक्रम का भी जिक्र किया। इस प्रदर्शन की अनुमति देने के प्रशासनिक फैसले को याद करते हुए श्री अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आयोजन स्थल को लेकर निर्देश मांगे थे और सरकार ने धरने की इजाजत दे दी थी। श्री अधिकारी ने कहा कि सरकार राज्य के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उन्होंने विपक्ष से विकास और शासन से जुड़े मुद्दों पर सहयोग करने का आग्रह किया।

ईरान युद्ध पर...

हो सका, क्योंकि मिच मैककोनेल और डेव मैकोर्मिक जैसे दो दिग्गज रिपब्लिकन सीनेटर मतदान के दौरान अनुपस्थित थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मतदान की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने इसे गलत समय पर लिया गया एक बेमतलब फैसला बताया। श्री ट्रंप ने लिखा, ''जब मैंने ईरान को पूरी तरह घुटनों पर ला दिया है और वह घुटने टेकने ही वाला है... ठीक उसी वक्त अमेरिकी सीनेट ने गलत समय पर युद्ध शक्ति कानून को लेकर यह अर्थहीन मतदान करा दिया। इन सांसदों ने मेरा काम और ज्यादा मुश्किल कर दिया है, लेकिन मैं इसे किसी न किसी तरह पूरा कर ही दम लूंगा, क्योंकि मैं अपना काम हमेशा पूरा करता हूं! यह घटनाक्रम नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले रिपब्लिकन पार्टी के भीतर की गहरी दरार को उजागर करता है, जिससे तय होना है कि दोनों सदनों में पार्टी का मामूली बहुमत बरकरार रहेगा या नहीं। इससे पहले भी कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने यूक्रेन को सहायता देने और राष्ट्रपति के 1.8 अरब डॉलर के 'एंटी-वेपनाइजेशन' फंड को खारिज कर उनके फैसलों का विरोध किया था। संघीय कानून के मुताबिक, किसी भी सैन्य कार्रवाई को 60 दिनों से अधिक जारी रखने के लिए संसद की मंजूरी अनिवार्य है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले 28 फरवरी को शुरू हुए थे, जिसे लगभग पांच महीने होने वाले हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि 7 अप्रैल को हुए युद्धविराम (सीजफायर) के बाद इस समय सीमा की घड़ी दोबारा रीसेट हो गई है। इसी बीच, पेंटागन ने संसद से करीब 8,000 करोड़ डॉलर के भारी-भरकम बजट की मांग की है, जिसका बड़ा हिस्सा ईरान के साथ जारी इस युद्ध के खर्चों को पूरा करने के लिए है। फिलहाल, अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के तहत दोनों देश युद्धविराम बनाए रखने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के लिए अगले 60 दिनों के भीतर एक व्यापक शांति समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

परमाणु स्थल का...

इन मुद्दों की समीक्षा और उन पर निर्णय केवल अंतिम समझौते के ढांचे के भीतर ही किया जाएगा। साथ ही, यह तभी संभव होगा, जब दूसरी ओर से सभी प्रतिबंधों और अन्य दंडात्मक उपायों को समाप्त करने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक कदम उठाए जाएं।

ईरान ने अयातुल्ला ...

मशहद में उन्हें दफ़नाए जाने के साथ संपन्न होगी। मशहद उनका गृहनगर भी था। ईरान के 86 वर्षीय नेता की गत 28 फरवरी को तेहरान पर इज़राइल और अमेरिका के हवाई हमलों के पहले दिन ही मौत हो गई थी। उन्होंने 36 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में काम किया। उनका अंतिम संस्कार उस समय नहीं हो सका था क्योंकि तीनों देशों के बीच उस समय युद्ध हो रहा था। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चार जुलाई को तेहरान के ग्रैंड इमाम खुमैनी मोसाला में विदाई समारोह के साथ होगी। तेहरान में मुख्य अंतिम संस्कार जुलूस छह जुलाई को निर्धारित है, जिसके दौरान शहीद नेता के साथ चार अन्य शहीदों - डॉ. मेस्बाह-ओल-होदा बघेरी, सैय्यदा बुशरा हुसैनी खामेनेई, ज़हरा हद्दाद अदेल और ज़हरा मोहम्मदी गोलपायगानी - के पार्थिव शरीरों को भी ले जाया जाएगा। सात जुलाई को पवित्र शहर कोम में अंतिम संस्कार समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां सर्वोच्च नेता के शव पर प्रार्थना की जाएगी। इसके बाद, इराकी कबीलों, विद्वानों, गणमान्य व्यक्तियों और राजनीतिक एवं धार्मिक हस्तियों के अनुरोध पर यह जुलूस आठ जुलाई को इराक ले जाया जाएगा। नजफ़ और कर्बला शहरों में अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में निभाई जाएंगी, और विशिष्ट समय व स्थानों की घोषणा की ज़िम्मेदारी इराकी सरकार की होगी। सर्वोच्च नेता को दफ़नाने का काम नौ जुलाई को - जो इमाम सज्जाद की शहादत की रात के साथ मेल खाता है - मशहद में इमाम रज़ा दरगाह में निर्धारित है। दुनिया भर के नेता, प्रभावशाली लोग और सरकारी प्रतिनिधिमंडल दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देंगे। कार्यक्रम के समय और स्थान की जानकारी ईरान का विदेश मंत्रालय जारी करेगा।

दिल्ली सरकार ने डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण की तैयारियों को किया तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार मॉनसून के मद्देनजर राजधानी में डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की वर्तमान स्थिति एवं तैयारियों की व्यापक समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदमों और उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने दिल्ली में इन बीमारियों की वर्तमान स्थिति, निगरानी व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारियों, मच्छर नियंत्रण गतिविधियों तथा जन-जागरूकता अभियानों की समीक्षा की। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, 20 जून 2026 तक एमसीडी के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में डेंगू के 347, मलेरिया के 87 तथा चिकनगुनिया के 19 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने राज्य में निगरानी व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारियों, जांच सुविधाओं तथा मच्छर नियंत्रण उपायों को और मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की शीघ्र पहचान और प्रभावी प्रबंधन के लिए एक सुदृढ़ निगरानी एवं त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र की व्यवस्था को विकसित किया है। दिल्ली में 35 सेंटिनल सर्विलांस अस्पताल सक्रिय रूप से इन मामलों की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। वहीं सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों तथा प्रयोगशालाओं को इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म (आईएचआईपी) के माध्यम से रियल-टाइम रिपोर्टिंग के निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित महामारी जांच एवं आवश्यक जनस्वास्थ्य कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। स्वास्थ्य मंत्री बताया कि स्थिति की बेहतर निगरानी एवं समन्वय के लिए महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यालय में कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है। साथ ही जांच किट, दवाइयों, खून एवं खून उत्पादों सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर नियमित निगरानी रखी जा रही है ताकि संक्रमण के मौसम में किसी प्रकार की कमी न हो। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड ने मच्छर नियंत्रण गतिविधियों को और तेज कर दिया है।

छह सांसदों के अलग होने के मुद्दे पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात की। उन्होंने अध्यक्ष के समक्ष पार्टी से अलग हुए सांसदों के संबंध में अपना पक्ष रखा और अनुरोध किया कि अध्यक्ष उनकी ओर से प्राप्त जानकारी शिवसेना (यूबीटी) से साझा करें।

संसद भवन में अध्यक्ष बिरला से मुलाकात के बाद अरविंद सावंत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के छह सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। अनिल देसाई और उन्होंने 18 जून को को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और मामले में एक अनुरोध प्रस्तुत किया। इसमें हमने अनुरोध करते हुए कहा था कि यदि कोई व्यक्ति या सांसद व्यक्तिगत रूप से या समूह में आपके पास आकर पार्टी छोड़ने की इच्छा व्यक्त करता है, तो आपको संविधान की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी के छह सांसदों के दूसरी पार्टी में शामिल होने के बाद एक बार फिर से उन्होंने एक पत्र भेजा। इसमें अनुरोध किया गया कि घटनाक्रम से जुड़े विषय पर कुछ निर्णय लेने से पहले कृपया शिवसेना (यूबीटी) को सुना जाए। इस संबंध में अध्यक्ष बिरला ने आज हमें समय दिया था। हमने उनसे पूछा कि क्या उन्हें कोई पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि संविधान के तहत वे निर्णय लेंगे और मामले में कोई जानकारी होने पर उन्हें इस बारे में सूचित करेंगे।

पत्रकारिता से राजनीति तक: प्रवीण ने ठोकी लक्सर विधानसभा की से दावेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। लक्सर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में बुधवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। लक्सर प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण सैनी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में लक्सर सीट से चुनाव लड़ने की औपचारिक घोषणा कर दी। प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि अब लक्सर की जनता को केवल चुनावी वादों की नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर विकास और जनसमस्याओं के समाधान की आवश्यकता है।अ प्रवीण सैनी ने कहा कि खनन बहुल क्षेत्र होने के बावजूद लक्सर आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। किसानों, मजदूरों, व्यापारियों और युवाओं को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सिंचाई और बाढ़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले नेता जीत के बाद क्षेत्र की समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से पत्रकारिता के माध्यम से वह जनता की आवाज उठाते रहे हैं और क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या को करीब से देखा है। अब समय आ गया है कि इन मुद्दों को केवल खबरों तक सीमित न रखकर उनके समाधान के लिए सीधे संघर्ष किया जाए। प्रवीण सैनी ने बताया कि विधानसभा चुनाव लड़ने के विषय में लक्सर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और पत्रकार साथियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मिले समर्थन और क्षेत्र की जनता के लगातार मिल रहे सहयोग के बाद उन्होंने चुनावी मैदान में उतरने का फैसला लिया है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार जसवीर चौधरी ने कहा कि प्रवीण सैनी ने लंबे समय तक निष्पक्ष पत्रकारिता करते हुए जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है। ऐसे व्यक्ति की विधानसभा में आवश्यकता है जो चुनाव जीतने के बाद भी जनता के बीच बना रहे। वहीं प्रेस क्लब के महामंत्री जाने आलम ने कहा कि यह निर्णय केवल एक राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि लक्सर के विकास और जनअधिकारों की लड़ाई की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी और सदस्य पूरी मजबूती से प्रवीण सैनी के साथ खड़े हैं। प्रेसवार्ता में वरिष्ठ पत्रकार रजनीश धीमान, फिरोज अहमद, विनोद धीमान, अरुण कुमार, लोकेश कुमार, सोमपाल सैनी, अमन चौधरी, गोविंद चौधरी, फारूक, जानी चौधरी, फरमान अली, श्याम राठी, रजनीश सैनी, केके शर्मा, बृजमोहन शर्मा और गुलशन आजाद सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

प्रवीण सैनी के चुनावी ऐलान के बाद लक्सर विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पत्रकारिता से राजनीति में कदम रखने वाले प्रवीण सैनी आगामी चुनाव में जनता का कितना विश्वास हासिल कर पाते हैं।

प्रकोष्ठों की ताकत से भाजपा बनेगी और मजबूत, सरकार की योजनाएं हर वर्ग तक पहुंचाएं : धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुभव और समर्पण के बल पर अजेय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाकर संगठन की जीत को और अधिक प्रचंड बनाना होगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित प्रदेश प्रकोष्ठों की बैठक को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि भाजपा राजनीति को सत्ता प्राप्ति का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम मानती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, सहकारिता, सांस्कृतिक, व्यवसायिक, खेल, पर्यटन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय प्रकोष्ठ पार्टी और सरकार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

धामी ने कहा कि भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों में मूल अंतर यह है कि अन्य दल केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाते हैं, जबकि भाजपा के कार्यकर्ता वर्षभर समाज सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार के तहत आपदा प्रबंधन और स्वयं सहायता समूह प्रकोष्ठों को विशेष महत्व दिया है।

धामी ने आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से ब्लॉक स्तर पर ऐसे युवाओं की टीम तैयार करने का आह्वान किया जो आपदा की स्थिति में 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि जनता के बीच यह विश्वास स्थापित होना चाहिए कि संकट की हर घड़ी में भाजपा कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने स्वयं सहायता समूह प्रकोष्ठ का उल्लेख करते हुए कहा कि लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लखपति दीदी' अभियान को आगे बढ़ाने में प्रकोष्ठों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में महिला समूहों तक पहुंचकर सरकारी योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए।

पर्यटन गतिविधि प्रकोष्ठ की भूमिका पर बल देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं तथा दो माह में 40 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा कर चुके हैं, जबकि आदि कैलाश क्षेत्र में भी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून तथा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जैसे कदमों के माध्यम से राज्य के मूल स्वरूप और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए कार्य कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष के कथित दुष्प्रचार का तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए। धामी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सेवा गतिविधियों को मिशन मोड में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा

ग्रामीणों ने डीएम को बताई पेयजल, खराब सड़कों, एएनएम सेंटर बंद रहने की समस्याएं

पौड़ी गढ़वाल। मुस्याखांद में बुधवार जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी को ग्रामीणों ने क्षेत्र में पेयजल किल्लत, खराब सड़कों, एएनएम केंद्र के बंद रहने सहित कई समस्याएं बताई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को जल्द ही समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। बुधवार को राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुस्याखांद में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने ग्रामीणों ने क्षेत्र में स्टेडियम की मांग रखी।

डीएम ने चौपाल में क्षेत्रीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के लिए धुमाकोट-पीपली मोटर मार्ग को जिला योजना में शामिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा मार्ग से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल किल्लत से ग्रामीण परेशान है। चौपाल में एएनएम केंद्र के बंद रहने की शिकायत पर डीएम ने एएनएम केंद्र का निरीक्षण किया। एंबुलेंस सुविधा को लेकर उठी शिकायत पर जिलाधिकारी ने बताया कि धुमाकोट से एंबुलेंस पहुंचने में समय लगने के कारण भौंन क्षेत्र में एंबुलेंस

तेजस एक्सप्रेस में बिरयानी में मक्खी मिलने पर ठेकेदार पर एक लाख रुपये जुर्माना, लाइसेंस समाप्ति का नोटिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस में एक यात्री को परोसी गई वेज बिरयानी में मक्खी मिलने की शिकायत पर रेलवे प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित कैटरिंग सेवा प्रदाता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही सेवा प्रदाता को लाइसेंस समाप्त करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

रेलवे के अनुसार यात्री ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान उसे कॉम्बो मील में परोसी गई वेज बिरयानी में मक्खी मिली, जिसकी शिकायत उसने तत्काल की। शिकायत मिलते ही ट्रेन कैप्टन और ऑनबोर्ड कैटरिंग मैनेजर ने यात्री से मुलाकात कर असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। यात्री को भोजन बदलकर देने की पेशकश भी की गई, लेकिन उसने नया भोजन लेने से इनकार कर दिया। जांच के बाद रेलवे ने संबंधित विक्रेता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया तथा उसके लाइसेंस को समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया। विक्रेता को ताजा कच्चा माल खरीदने, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की अनिवार्य जांच करने तथा चावल, दाल, आटा और मसालों के भंडारण के लिए इस्तेमाल होने वाले एयरटाइट कंटेनरों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।थ रेलवे अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा खाद्य सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राज्यपाल ने किया 'अतीत से वर्तमान तक: नैनीताल का सफरश पुस्तक का विमोचन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि विरासत और नवाचार का समन्वय ही विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं, जबकि आधुनिक तकनीक भविष्य की दिशा दिखाती है। राज्यपाल ने लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 'अतीत से वर्तमान तकः नैनीताल का सफर और गॉथिक राजभवन के निर्माण की अद्भुत गाथा' पुस्तक का विमोचन तथा एआई हेरिटेज एंड टूरिज्म एप का लोकार्पण किया।

राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन उत्तराखंड की प्रशासनिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्मृतियों का जीवंत केंद्र है तथा लगभग 125 वर्ष पूर्व निर्मित इस भवन की निर्माण गाथा मानव संकल्प, परिश्रम और दूरदर्शिता का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने पुस्तक के लेखक डॉ. गिरीश रंजन तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल राजभवन के निर्माण का इतिहास नहीं, बल्कि नैनीताल की सांस्कृतिक यात्रा, उत्तराखंड की विरासत और तत्कालीन सामाजिक परिवेश का भी महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

साथ ही एआई हेरिटेज एंड टूरिज्म एप के संबंध में उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को संस्कृति और इतिहास के संरक्षण का सशक्त माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि एप में एआई हेरिटेज गाइड, स्मार्ट इटिनरेरी प्लानर, इंटरएक्टिव टाइम कैप्सूल और हिडन जेम्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनसे पर्यटकों, शोधार्थियों और स्थानीय समुदायों को लाभ मिलेगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि संस्कृति, लोक परंपराओं, आस्था और प्राकृतिक विरासत से जुड़ा विषय है।

उन्होंने विकसित भारत-2047 के संकल्प को सांस्कृतिक रूप से जागरूक, तकनीकी रूप से सक्षम और अपनी जड़ों से जुड़े भारत के निर्माण का लक्ष्य बताया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, पुस्तक के लेखक डॉ. गिरीश रंजन तिवारी, एप के निर्माता सिद्धार्थ माधव, प्रकाशक संतोष सिंह तथा कुमाऊँ विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालुओं का आगमन, 13 लाख से अधिक यात्री पहुंचे

गुप्तकाशी। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में इस वर्ष श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। यात्रा कंट्रोल रूम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 23 जून तक करीब 13 लाख 12 हजार 449 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। बरसात का मौसम शुरू होने के बावजूद धाम में तीर्थ यात्रियों की आमद लगातार बनी हुई है। हालांकि यात्राकाल के प्राथमिक दौर की अपेक्षा ये संख्या काफी न्यून है। जानकारी के अनुसार इस वर्ष प्रतिदिन औसतन 8 हजार से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच रहे हैं। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार बरसाती सीजन में भी यात्रियों की संख्या में बहुत कमी नहीं आई है, जिससे पूरी केदारघाटी में रौनक बनी हुई है। स्थानीय व्यवसायी मुन्ना सिंह ने बताया कि गत वर्षों की अपेक्षा इस बार बारिश के दौरान भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 13 लाख से अधिक यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे स्थानीय व्यापार को भी मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि धाम में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।

बिहार आंदोलन की विरासत सहेजना नई पीढ़ी के प्रति हमारी जिम्मेदारी : मंत्री प्रमोद कुमार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। समूह की ओर से पटना के मीठापुर इंस्टीट्यूशनल एरिया में आयोजित 'इमरजेंसी के 50 साल : बिहार आंदोलन और आपातकाल' विषयक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी), पटना के निदेशक एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमुद कुमार ने लोकतंत्र, बिहार आंदोलन और आपातकाल की विरासत पर विस्तार से अपने विचार रखे।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि 1974 के छात्र-युवा आंदोलन और आपातकाल विरोधी संघर्ष की विरासत को सुरक्षित रखना तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक था, लेकिन जनता की लोकतांत्रिक चेतना ने अंततः लोकतंत्र की पुनर्स्थापना सुनिश्चित की। डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार आंदोलन केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए त्याग, संघर्ष, बलिदान और जनशक्ति का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन की वास्तविक कहानी और इसके मूल्यों को युवाओं तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र की रक्षा के महत्व को समझ सकें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान उन्हें बिहार आंदोलन और आपातकाल से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों, अभिलेखों और ऐतिहासिक सामग्रियों को संरक्षित रखने का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण लोकतांत्रिक इतिहास के अध्ययन और नई पीढ़ी को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार आंदोलन ने देश को यह संदेश दिया कि जब लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के प्रश्न सामने हों तो समाज की संगठित शक्ति बड़े से बड़े राजनीतिक संकट का सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष की स्मृतियों को संरक्षित रखना लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा है। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष तथा चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना के निदेशक एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमुद कुमार ने कहा कि 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र की सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक था।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063